मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

पेज 12

www.rastriyanaveenmail.com

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मेदिनीनगर	गढ़वा
अधिक. 44.0°	अधिक. 46.3°
न्यून. 29.0°	न्यून. 29.4°

दृष्टिपात

चौकड़ी सब स्टेशन से जुड़ी बिजली व्यवस्था चरमराई, उपभोक्ताओं में आक्रोश

हैदरनगर (पलामू)। भीषण गर्मी के बीच हैदरनगर प्रखंड अंतर्गत चौकड़ी विद्युत सब स्टेशन से जुड़े उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। क्षेत्र में पिछले करीब एक सप्ताह से बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हालात यह हैं कि लोगों को दिनभर में मुश्किल से एक घंटे भी नियमित बिजली नहीं मिल पा रही है। लगातार हो रही बिजली कटौती से आम जनजीवन प्रभावित हो गया है और लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी अपने चरम पर है, लेकिन बिजली नहीं रहने से पेयजल संकट, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। रात में बिजली नहीं रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों एवं उपभोक्ताओं ने विभाग से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

टेंडर घोटाला मामले में एग्जक्यूटिव इंजीनियर का आत्मसमर्पण

रांची। ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर घोटाले से जुड़े धन शोधन (मनी लांड्रिंग) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में आए एग्जक्यूटिव इंजीनियर सिद्धांत कुमार ने बुधवार को रांची सिविल कोर्ट स्थित पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के तुरंत बाद अदालत ने उन्हें राहत देते हुए सशर्त जमानत प्रदान कर दी।

ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक में दीपिका पांडेय सिंह बोलीं-

सड़क निर्माण कार्य लटकाए रखने वाली एजेंसी और संवेदकों को करें डिबार

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड में लंबे समय से सड़क निर्माण का काम पूर्ण नहीं करने वाली एजेंसी या संवेदकों को अब नया काम मिलना आसान नहीं होगा। ग्रामीण कार्य विभाग राज्य भर में ऐसे सभी सड़कों की सूची तैयार कर डिबार की प्रक्रिया तेज करेगी। इतना ही नहीं, काम में देरी कर रेट रिवीजन की चालाकी को भी विभाग ने गंभीरता से लिया है। हाल के महीनों में रेट रिवीजन होनी वाली योजनाओं को विभाग खंगालने का काम करेगी। ये निर्देश राज्य की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को रांची स्थित झारखंड सिविल सर्विस ऑफिसर्स इंस्टीच्यूट के सभागार में ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक में दिया।

● बारिश से पहले राज्य के क्षतिग्रस्त पुलों की सूची तैयार कर उसे दुरुस्त करने का निर्देश

● छह जिलों में पलाश मार्ट निर्माण की प्रक्रिया तेज करने का भी दिया गया निर्देश

समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ग्रामीण कार्य विभाग से जुड़ी सड़क और पुल निर्माण योजना की जिलावार जानकारी ली। मैराथन समीक्षा के दौरान ये बात स्पष्ट तौर पर सामने आई कि लंबे समय से कई जिलों में सड़क की निर्माण की योजना लंबित है। समय अवधि के अंदर काम पूरा नहीं करने के बावजूद ऐसी एजेंसी या संवेदकों के द्वारा सड़क निर्माण से जुड़ी दूसरी योजनाएं ली जा रही हैं। ऐसे में एक ही एजेंसी या संवेदकों के नाम कई काम लंबित हैं।

विभागीय मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य भर में ऐसी एजेंसी और संवेदकों की सूची तैयार कर उन्हें डिबार करने की प्रक्रिया बढ़ाई जाए। दरअसल, कई बार रेट रिवीजन का लाभ लेने के उद्देश्य से ही काम को लंबित रखने की बात सामने आ चुकी है। समीक्षा बैठक में विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि ऐसी एजेंसी और संवेदकों को नया काम नहीं दिया जाए।

ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की जरूरत : दीपिका

समीक्षा के दौरान ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि राज्य की दीदियों को रोजगार से जोड़ने का मतलब सिर्फ उन्हें किराना की दुकान तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि महिलाएं कैसे उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इस रणनीति के साथ कार्य योजना तैयार करने की जरूरत है। इसके लिए भी जिला प्रशासन के सहयोग से संयुक्त पहल कर ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने का निर्देश दिया गया है।

रेट रिवीजन को लेकर तैयार होगा एसओपी

समीक्षा बैठक में ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज सचिव मनोज कुमार ने कहा कि एक से डेढ़ साल तक सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं करने वालों की सूची जिला स्तर से मुख्यालय को भेजी जाए। इसके साथ ही रेट रिवीजन को लेकर भी एक एसओपी तैयार किया जाएगा, ताकि काम में देरी कर लाभ लेने वालों को रोका जा सके। सचिव ने विभागीय अधिकारियों को काम का स्थल निरीक्षण करने को भी कहा है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से कही कोई समझौता नहीं होगा। सड़क निर्माण और पुल निर्माण से संबंधित किसी भी तरह की कोई अनियमितता की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने झारखंड के विधायकों द्वारा विभाग को भेजे गए लिखित शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उस पर अविलंब कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया है। उन्होंने कहा कि चाहे सड़क निर्माण में अनियमितता से संबंधित आवेदन हो या नई सड़क के निर्माण की मांग हो, विधायकों के आवेदन पर समय सीमा के अंदर पहल की जाए। शिकायतों पर पत्राचार की खानापूर्ति के बजाय आवश्यक जांच करने की जरूरत है।

शेष पेज 11 पर

संघे शक्ति कलियुगे : झामुमो नेत्री कल्पना सोरेन ने सोशल मीडिया पर किया विचारोत्तेजक पोस्ट

सहकारी मॉडल से समाज में आ सकता है बदलाव : कल्पना सोरेन

● लिज्जत पापड़ निर्माण में लगी महिलाओं को बताया सामूहिक शक्ति का जीवंत प्रतीक

● मुंबई के डब्बावालों की कार्यप्रणाली की भी गांडेय विधायक ने की तारीफ

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य के गांडेय विधानसभा क्षेत्र की विधायक कल्पना सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक विचारोत्तेजक पोस्ट साझा करते हुए 'संघे शक्ति कलियुगे' की अवधारणा को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संदेश में श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़ के उदाहरण का उल्लेख करते हुए इसे महिलाओं की सामूहिक शक्ति, आत्मविश्वास और सहयोग का जीवंत प्रतीक बताया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, महिला एवं बाल विकास समिति, झारखंड विधानसभा के महाराष्ट्र एक्सपोजर विजिट के दौरान बीते दिन मुंबई स्थित डब्बावाला इंटरनेशनल एक्सपीरियंस सेंटर जाने का अवसर मिला। लगभग 135 वर्षों से अपनी मेहनत, अनुशासन और समयबद्ध सेवा के लिए विश्वभर में पहचान बना चुके मुंबई के डब्बावालों की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर बेहद प्रेरणादायक रहा।

अपने पोस्ट में विधायक कल्पना सोरेन ने लिखा कि लिज्जत पापड़ केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण का सशक्त आंदोलन है, जिसने लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रकार के सहकारी मॉडल समाज में आर्थिक और सामाजिक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं।

विधायक ने 'डिस्ट्रिब्यूटेड प्रोडक्शन' यानी विकेंद्रित उत्पादन प्रणाली को विशेष रूप से सराहा। उनके अनुसार, यह मॉडल महिलाओं को अपने घर या स्थानीय स्तर पर रहकर काम करने की सुविधा देता है, जिससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बन पाती हैं। साथ ही, यह स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने का भी प्रभावी माध्यम है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन ने अपने संदेश में यह भी कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गृह एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि लिज्जत पापड़ जैसे सफल मॉडलों को अन्य क्षेत्रों, जैसे हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और लघु उद्योग में भी लागू किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

उन्होंने सरकार, स्वयंसेवी संस्थाओं और निजी क्षेत्र से आह्वान किया कि वे इस दिशा में समन्वित प्रयास करें, जिससे ग्रामीण परिवारों को स्थायी और सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध हो सके। विधायक का यह संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर एक नई बहस को जन्म दे रहा है।

विधानसभा की महिला एवं बाल विकास समिति कर रही विभिन्न राज्यों के सफल मॉडल का अध्ययन

गांडेय विधानसभा क्षेत्र से विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन झारखंड विधानसभा की महिला एवं बाल विकास समिति की सभापति (चेयरपर्सन) हैं। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो द्वारा राज्य की संसदीय समितियों के पुनर्गठन के दौरान उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। समिति के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और ग्रामीण समाज से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न राज्यों के सफल मॉडलों का अध्ययन किया जा रहा है, ताकि झारखंड में भी उन्हें लागू करने की दिशा में पहल की जा सके।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नियमों से समझौता नहीं : आयुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने परिवहन व्यवस्था में लापरवाही और नियमों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में पलामू, गढ़वा और लातेहार के जिला परिवहन पदाधिकारी एवं मोटरयान निरीक्षकों के साथ परिवहन व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और राजस्व संग्रहण की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त ने कहा कि टैक्स बकाया रखने वाले वाहनों, बिना परमिट चलने वाली बसों और ओवरलोडिंग करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाए। उन्होंने अन्य राज्यों से अवैध रूप से संचालित बसों की सूची तैयार कर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग हर हाल में सुनिश्चित कराया जाए। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कठोर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया।

ड्राइविंग लाइसेंस और लर्निंग लाइसेंस निर्गमन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए उन्होंने इसे पारदर्शी और समयबद्ध बनाने को कहा। वहीं अवैध खनिज परिवहन, बिना चालान और नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ संयुक्त जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

बैठक में नाव परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा हुई। आयुक्त ने सभी नावों में लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने तथा निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने पर रोक लगाने को कहा।

शेष पेज 11 पर

आज / कल

गढ़वा में अवैध बालू ढुलाई पर प्रशासन सख्त, रात में छापेमारी कर तीन ट्रैक्टर पकड़े गए

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले में रात के अंधेरे में तेज रफ्तार से हो रहे अवैध बालू परिवहन पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने मंगलवार देर रात स्वयं सड़क पर उतरकर औचक जांच अभियान चलाया और अवैध बालू ढुलाई कर रहे तीन ट्रैक्टरों पर कार्रवाई की। अभियान के दौरान एक ट्रैक्टर बालू लदा पकड़ा गया, जबकि दो अन्य ट्रैक्टर चालक कार्रवाई की भनक मिलते ही रास्ते में बालू गिराकर वाहन लेकर भागने का प्रयास करने लगे। प्रशासन के अनुसार पकड़ा गया बालू लदा ट्रैक्टर पतरिया डुमरिया निवासी मुकेश तिवारी का है। वहीं अन्य दो ट्रैक्टर छतरपुर निवासी सुनील जायसवाल और मनीष पांडेय के बताए गए हैं। एसडीएम ने बताया कि तीनों पहले भी बालू चोरी के मामलों में चिन्हित हो चुके हैं और कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद अवैध कारोबार बंद नहीं किया गया। इसी को देखते हुए तीनों को आदतन दोषी मानते हुए बीएनएसएस की धारा 110 के तहत कार्रवाई शुरू कर गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जुर्माना वसूली के साथ आवश्यकता पड़ने पर नीलामपत्रवाद की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी।

एसडीएम ने जारी कराया गिरफ्तारी वारंट, टोल प्लाजा से मांगी सीसीटीवी फुटेज

एसडीएम ने कहा कि फोरलेन बाइपास से रातभर तेज गति से गुजरने वाले बालू ट्रैक्टर आम लोगों की जान के लिए खतरा बन चुके हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित टोल प्लाजा से बीते चार दिनों की सीसीटीवी फुटेज भी मांगी गई है, ताकि पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य वाहनों की पहचान की जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल अवैध खनन का मामला नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा और विधि-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय है। प्रशासन स्थानीय लोगों और ट्रैक्टर मालिकों से जानकारी जुटाकर पूरे रैकेट की रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपेगा। साथ ही खनन विभाग को नियमित छापेमारी चलाने का निर्देश भी दिया गया है।

हरिहरगंज में इंडेन गैस गोदाम से 275 सिलेंडर चोरी

हरिहरगंज (पलामू)। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के भगत तेंदुआ स्थित अपना इंडेन ग्रामीण वितरक के गैस गोदाम से 275 भरे हुए गैस सिलेंडर चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में औरंगाबाद जिले के माली थाना क्षेत्र अंतर्गत रतनपुरा निवासी तथा गैस एजेंसी के प्रोपराइटर दीपक कुमार ने हरिहरगंज थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार 19 मई की शाम गोदाम का स्टाफ अनुज कुमार गोदाम बंद कर घर चला गया था। बुधवार दोपहर करीब एक बजे जब वह गोदाम पहुंचा और चहारदीवारी में लगे छोटे गेट का ताला खोलकर अंदर गया, तो मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। जांच करने पर गोदाम में रखे 275 भरे हुए गैस सिलेंडर गायब पाए गए।

शेष पेज 11 पर

सील अस्पताल में फिर ऑपरेशन का आरोप, स्वास्थ्य विभाग हरकत में

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ स्थित एम.एस. अस्पताल एक बार फिर विवादों में घिर गया है। पूर्व में प्रशासन द्वारा सील किए गए इस अस्पताल के दोबारा संचालित होने और कथित रूप से अवैध सिजेरियन ऑपरेशन किए जाने के आरोपों के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। मामले ने तूल पकड़ा तो स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन भी सक्रिय हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बालूमाथ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने अस्पताल प्रबंधन को 24 घंटे के भीतर सभी जरूरी कागजात उपलब्ध कराने का निर्देश जारी किया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारी प्रवीण सिंह ने दोपहर करीब 2:15 बजे एम.एस. अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सात मरीजों के ऑपरेशन किए जाने की सूचना सामने आई। आरोप है कि अस्पताल में झोलाछाप और अयोग्य लोगों द्वारा महिलाओं का सिजेरियन ऑपरेशन किया जा रहा था। यह खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए और विरोध शुरू कर दिया।

ग्रामीणों के विरोध के बाद बालूमाथ के एम.एस. अस्पताल से 24 घंटे में मांगे गए कागजात, सात मरीजों के ऑपरेशन की सूचना से हड़कंप

ग्रामीणों का कहना है कि जिस अस्पताल को पहले प्रशासन ने सील किया था, वहां दोबारा इलाज और ऑपरेशन कैसे शुरू हो गया, यह बड़ा सवाल है। लोगों ने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त सुविधाओं और योग्य चिकित्सकों के मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है।

शेष पेज 11 पर

उपलब्धि

सीयूजे के वैज्ञानिकों ने हासिल की हरित ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी कामयाबी

संध्या मालती फूल से सोलर सेल विकसित, लागत बेहद कम

● गुल-अब्बास और गुल-बख्शी के नाम से भी जानी जाती है संध्या मालती फूल

नवीन मेल डेस्क

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) ने स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने 'संध्या मालती' (मिराबिलिस जलापा) फूल की पंखुड़ियों से ऐसा सौर सेल विकसित किया है, जो न केवल कम लागत वाला और पर्यावरण-अनुकूल है, बल्कि भविष्य में सौर ऊर्जा तकनीक को अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यह शोध प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से हरित ऊर्जा विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। शोधकर्ताओं ने मिराबिलिस जलापा फूल की पंखुड़ियों से प्राकृतिक रंग निकालकर उसका उपयोग डाई-सेंसिटाइज्ड सोलर सेल्स (डीएसएससी) अथवा ग्रैट्जेल सेल्स में किया। यह तकनीक सूर्य के प्रकाश को सीधे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है।

फूल का प्रयोग होने से खाद्य सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं : डॉ प्रधान

सीयूजे के ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग के सह-प्राध्यापक एवं इस शोध के मुख्य वैज्ञानिक डॉ बासुदेव प्रधान के अनुसार, यह प्राकृतिक रंग गैर-खाद्य स्रोत से प्राप्त होता है, इसलिए इससे खाद्य सुरक्षा पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने बताया कि इस फूल से निकाला गया रंग इथेनॉल में आसानी से घुल जाता है तथा इसमें उपस्थित कार्बोनिल और हाइड्रॉक्सिल समूह टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोकणों के साथ प्रभावी रूप से जुड़ जाते हैं। यही गुण इसे डीएसएससी तकनीक के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाते हैं।

संध्या मालती, जिसे 'फोर ओ क्लॉक फ्लावर', गुल-अब्बास और गुल-बख्शी के नाम से भी जाना जाता है, झारखंड सहित देशभर में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। इसकी विशेषता यह है कि इसके फूल सामान्यतः शाम चार बजे के बाद खिलते हैं। यही कारण है कि इसे 'फोर ओ क्लॉक फ्लावर' कहा जाता है। यह पौधा औषधीय, सजावटी और पारंपरिक चिकित्सा में भी लंबे समय से उपयोग किया जाता रहा है।

ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग के सह-प्राध्यापक एवं इस शोध के मुख्य वैज्ञानिक डॉ बासुदेव प्रधान ने कहा कि इस फूल से निकाले गए प्राकृतिक रंग का उपयोग सौर सेल में 'सेंसिटाइजर' के रूप में किया गया है। यह सेंसिटाइजर सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर इलेक्ट्रॉनों के प्रवाह को सक्रिय करता है, जिससे बिजली उत्पन्न होती है।

शेष पेज 11 पर

राज्यभर में बंद रहीं दवा दुकानें, होम डिलीवरी की व्यवस्था का विरोध

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) और झारखंड केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (जेसीडीए) के संयुक्त आह्वान पर बुधवार को राजधानी रांची सहित झारखंड के अधिसंख्य थोक और खुदरा दवा प्रतिष्ठान बंद रहे। राष्ट्रव्यापी बंद के समर्थन में राज्यभर के दवा दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं, जिसके कारण लोगों को जरूरत पड़ने पर अस्पतालों की फार्मेसी दुकानों से दवाएं खरीदनी पड़ीं। हालांकि, सरकारी और निजी अस्पतालों में संचालित मेडिकल स्टोरों को इस बंद से अलग रखा गया था, ताकि मरीजों को जरूरी दवाओं की उपलब्धता बनी रहे।

ऑनलाइन फार्मेसी और कॉरपोरेट नीति के विरोध में की गई थी बंदी

झारखंड ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश कार्यालय सचिव संजीव बनर्जी ने कहा कि यह बंद मुख्य रूप से तीन प्रमुख मांगों को लेकर आयोजित किया गया है और झारखंड में इसका व्यापक असर देखने को मिला। उन्होंने कहा कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन फार्मेसी के अनियंत्रित विस्तार तथा कॉरपोरेट कंपनियों की कथित शोषणकारी मूल्य निर्धारण नीति के खिलाफ आवाज उठाना है।

शेष पेज 11 पर

मलय डैम की टूटी नहर से बढ़ी किसानों की चिंता

आठ महीने से मरम्मत नहीं होने पर 105 गांवों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। पलामू की सिंचाई व्यवस्था के प्रमुख आधार माने जाने वाले मुरमा मलय डैम की मुख्य नहर पिछले आठ महीनों से क्षतिग्रस्त पड़ी है। मरम्मत कार्य शुरू नहीं होने से 105 गांवों के हजारों किसानों के सामने खेती का संकट गहराने लगा है। जानकारी के अनुसार नहर चेन संख्या-18 के पास 10 नवंबर 2025 को टूट गई थी। इसके बाद सतबरवा के 27 गांव, मेदिनीनगर सदर के 42 गांव और लेस्लीगंज के 36 गांवों तक सिंचाई का पानी पहुंचना बंद हो गया। इससे करीब 19,200 एकड़ खेत प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मलय डैम की नहर केवल सिंचाई का साधन नहीं, बल्कि हजारों किसानों और उनके परिवारों की जीवनरेखा है। अब लोगों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

प्रशासन से नहर की तत्काल मरम्मत कराने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि लाखों क्यूसेक पानी मलय नदी में बहकर बेकार चला गया, जबकि खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाया। इसका असर रबी फसल पर पहले ही पड़ चुका है और अब खरीफ सीजन को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो धान की खेती बुरी तरह प्रभावित होगी। सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा ने इस मामले को लेकर कई बार प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने पलामू आयुक्त, उपायुक्त और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर नहर की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

फरार आरोपितों के घर चिपकाया गया इश्तेहार

चैनपुर। थाना क्षेत्र के बरांव गांव स्थित बारहवीं टोला में बुधवार को पुलिस ने फरार आरोपितों के घर इश्तेहार चिपकाया। इश्तेहार अनिल चौधरी, पिता विष्णुधारी चौधरी तथा जवाहर चौधरी, पिता राजेंद्र चौधरी के घर पर चिपकाया गया। थाना प्रभारी लाल जी ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ सदर थाना में एससी-एसटी एक्ट कांड संख्या 7/22 दर्ज है। मामले में न्यायालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इश्तेहार के माध्यम से दोनों आरोपितों को जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करने की स्थिति में आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए कुर्की-जब्ती की कार्रवाई भी की जा सकती है।

नौ महीने से टूटा बिजली खंभा बना जानलेवा खतरा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। जपला-छतरपुर मुख्य मार्ग पर जपला रेलवे ओवरब्रिज के पश्चिमी छोर के पास लगा बिजली खंभा पिछले करीब नौ महीनों से जड़ से टूटा हुआ है। कांग्रेस नेता धनंजय तिवारी के आवास गेट के सामने स्थित यह खंभा स्थानीय दुकानों की लोहे की करकट छत के सहारे टिका हुआ है और उसी से बिजली आपूर्ति जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों वाहन, स्कूली बच्चे और राहगीर गुजरते हैं। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों का कहना है कि तेज हवा या बारिश होने पर खंभा गिरने का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद बिजली विभाग अब तक नया खंभा लगाने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं कर पाया है। दुकानदारों ने बताया कि अगस्त 2025 में ही जपला बिजली कार्यालय को लिखित आवेदन देकर खंभा बदलने की मांग की गई थी, लेकिन विभाग की ओर से केवल आश्वासन ही मिला। स्थानीय लोगों ने पलामू उपायुक्त से हस्तक्षेप कर बिजली विभाग को शीघ्र नया खंभा लगाने का निर्देश देने की मांग की है, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

दृष्टिपात

किसानों की समस्याओं को लेकर भाजपा का धरना-प्रदर्शन

हुसैनाबाद। किसानों की बदहाली, राज्य सरकार की कथित वादाखिलाफी और विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार को भाजपा ने हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता ने की, जबकि संचालन महामंत्री श्रवण अग्रवाल ने किया। धरना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम 12 सूत्री मांग पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले किसानों से बड़े-बड़े वादे करने वाली हेमंत सरकार सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल गई। किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3200 रुपये प्रति क्विंटल देने और 48 घंटे के भीतर भुगतान करने का दावा किया गया था, लेकिन आज भी किसानों का करोड़ों रुपये बकाया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है। किसानों को समय पर खाद-बीज, सिंचाई सुविधा और उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार आंदोलन कर रही है और सरकार की नीतियों को जनता के बीच उजागर करेगी। मौके पर नगर महामंत्री चंदन सिंह, सांसद प्रतिनिधि अखलेश मेहता, संतोष सिंह, योगेंद्र सिंह, विनय पासवान, हंसराज सिंह, चिराग पासवान, राहुल तिवारी, दुर्गेश सिंह, दिनेश सिंह, अनुज सिंह, बसंत चौहान, रामप्रीत राम, डॉ. अखलेश गुप्ता, विकास पासवान, रामलाल विश्वकर्मा, सुरेंद्र सिंह सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चैनपुर में भाजपा का धरना-प्रदर्शन

चैनपुर (पलामू)। भारतीय जनता पार्टी की चैनपुर ग्रामीण एवं शहरी मंडल इकाई की ओर से बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व शहरी मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह और ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रखंड अध्यक्ष शशिभूषण पांडे, किसान मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष मनोज दास, प्रखंड महामंत्री मनीष पांडे तथा सांसद प्रतिनिधि भोला पांडे मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए शशिभूषण पांडे ने कहा कि राज्य सरकार जनता और किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसानों और आम लोगों की आवाज को लोकतांत्रिक तरीके से लगातार उठाती रहेगी। ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद ने कहा कि बेमौसम बारिश से किसानों की फसल बर्बाद हो गई, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक राहत की कोई ठोस पहल नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 3200 रुपये प्रति क्विंटल देने का वादा किया था, लेकिन किसानों को उसका लाभ नहीं मिल पाया। शहरी मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि किसानों को समय पर खाद, बीज, सिंचाई सुविधा और उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, जिससे ग्रामीण इलाकों में परेशानी बढ़ी है। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा गया। मौके पर अजय सिंह, अमरेंद्र चौरसिया, धरम सिंह, नवल तिवारी समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा का धरना-प्रदर्शन

मोहम्मदगंज। भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर के समीप राज्य सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों और वादाखिलाफी के खिलाफ एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार मेहता ने किया। धरना को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व प्रत्याशी कामेश्वर कुशवाहा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान किसानों से किए गए वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। किसानों को समय पर खाद-बीज, सिंचाई सुविधा और समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के किसान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान में विफल साबित हो रही है। किसानों को राहत पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। धरना के दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। कार्यक्रम में संध्या देवी, उदय विश्वकर्मा, उदय सिंह, विकास सिंह, शुभम सिंह, रामशीष विश्वकर्मा, रामधारी मेहता, नंदू चौधरी, संजय पासवान सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद एक शिष्टमंडल ने बीडीओ सह सीओ रणवीर कुमार को ज्ञापन सौंपा।

किसानों के मुद्दों पर पांडू में भाजपा का प्रदर्शन

ऊंटारी रोड। पांडू प्रखंड में झारखंड सरकार पर किसानों के साथ विश्वासघात और वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना भी दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और किसान शामिल हुए। धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष डॉ. बीपी शुक्ला मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह ने की, जबकि संचालन शंभू सिंह ने किया। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत महुगवां पुल से हुई, जो बस स्टैंड और बाजार परिसर का भ्रमण करते हुए प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचा। यहां कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि चुनाव के दौरान हेमंत सरकार ने किसानों और आम जनता से कई वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में खाद और अनाज की कालाबाजारी बढ़ गई है तथा ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों का किसानों को उचित मुआवजा भी नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से किसान लगातार परेशान हैं और भाजपा किसानों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी। कार्यक्रम में कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समर कैंप में बच्चों ने सीखा योग, खेल और रचनात्मकता का पाठ

हुसैनाबाद। राजकीयकृत मध्य विद्यालय हुसैनाबाद में बुधवार से तीन दिवसीय समर कैंप की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। इस वर्ष कैंप की थीम "सीखें, खेलें, सृजन करें" रखी गई है। पहले दिन बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लेकर विभिन्न शैक्षणिक, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। समर कैंप की शुरुआत योग एवं प्राणायाम सत्र से हुई। शिक्षकों ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। "करें योग, रहें निरोग" का संदेश देते हुए बताया गया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास संभव है।

दवा व्यवसायियों की बंद से मरीज और परिजन परेशान

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। विभिन्न मांगों को लेकर दवा व्यवसायियों के राष्ट्रव्यापी बंद का असर बुधवार को मोहम्मदगंज बाजार में भी व्यापक रूप से देखने को मिला। बंद के समर्थन में स्थानीय दवा व्यवसायियों ने सुबह से शाम तक अपनी दुकानें बंद रखीं। दवा दुकानों के बंद रहने से मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजार स्थित मेहता मेडिकल, मुकेश मेडिकल, शाह मेडिकल, शुभम मेडिकल, आनंद मेडिकल, साईं मेडिकल, गुप्ता मेडिकल, अमर मेडिकल, प्रियंका मेडिकल और शांति मेडिकल समेत अन्य दवा दुकानें पूरे दिन बंद रहीं। बंदी के कारण बाजार में सन्नाटा पसरा रहा और दवा खरीदने पहुंचे लोग इधर-उधर भटकते नजर आए। दवा व्यवसायियों ने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने, दवा कारोबार से जुड़े नियमों में संशोधन करने तथा अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी बंद बुलाया गया था। व्यवसायियों का कहना था कि ऑनलाइन दवा बिक्री से छोटे दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण और सफल रहा तथा सभी दवा दुकानदारों ने एकजुट होकर इसका समर्थन किया।

सड़क पर बने गड्ढे से बढ़ी हादसे की आशंका, मरम्मत की मांग

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जपला रेलवे ओवरब्रिज के समीप दंगवार मोड़ के पास सड़क पर बड़ा गड्ढा बन जाने से दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। ओवरब्रिज के नीचे हरिहर चौक की ओर जाने वाली सड़क भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण जर्जर हो चुकी है। सड़क बीच से धंसकर बड़े गड्ढे में तब्दील हो गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर बना गड्ढा पिछले कई दिनों से लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। नगर पंचायत प्रशासन की ओर से भी कोई पहल नहीं की गई है। लोगों का कहना है कि गड्ढा लगातार गहरा होता जा रहा है, जिससे छोटे-बड़े वाहन चालकों को काफी सावधानी के साथ गुजरना पड़ता है। रात के समय यहां दुर्घटना का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने बताया कि इस सड़क से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बाजार आते-जाते हैं। भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन और संबंधित विभाग से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

उत्तर कोयल परियोजना उच्च विद्यालय के अधिग्रहण की मांग तेज

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। उत्तर कोयल परियोजना उच्च विद्यालय को शिक्षा विभाग के अधीन लेकर राजकीयकृत उच्च विद्यालय घोषित करने की मांग तेज हो गई है। बुधवार को उत्तर कोयल परियोजना उच्च विद्यालय बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अश्विनी कुमार सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मेदिनीनगर में पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वर्ष 1985 में स्थापित यह विद्यालय वर्तमान में गंभीर संकट से गुजर रहा है। विद्यालय में फिलहाल केवल एक शिक्षक कार्यरत हैं, जिनकी सेवानिवृत्ति वर्ष 2027 में होनी है। ऐसे में विद्यालय के भविष्य पर संकट गहरा गया है। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को बताया कि यह विद्यालय कभी क्षेत्र का प्रमुख शिक्षण संस्थान था, जहां नौ शिक्षक, दो चतुर्थवर्गीय कर्मी और एक रात्रि प्रहरी कार्यरत थे। विद्यालय में कक्षा सात से दस तक की पढ़ाई होती थी और आसपास के कई प्रखंडों के छात्र-छात्राएं यहां शिक्षा ग्रहण करते थे। विद्यालय परिसर में भवन, छात्रावास, खेल मैदान और पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। संघर्ष समिति ने मांग की कि विद्यालय को अविलंब शिक्षा विभाग के अधीन लेकर राजकीयकृत उच्च विद्यालय घोषित किया जाए तथा शिक्षकों और कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। मौके पर जिला पार्षद अंजू देवी, पंचू रजवार, गणेश मेहता, कुंदन सिंह, कपिलदेवनारायण सिंह, सोनू सिंह, अशोक यादव, जावेद खान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चापाकल मरम्मत होने से बच्चों और ग्रामीणों को मिली राहत

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। भीषण गर्मी के बीच खराब पड़े चापाकल की मरम्मत होने से बच्चों और आसपास के ग्रामीणों को राहत मिली है। कई दिनों से चापाकल खराब रहने के कारण लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था। छोटे-छोटे बच्चों को नहाने और पीने के पानी के लिए दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र का यह एकमात्र चापाकल था, जिसके खराब होने से आसपास के परिवारों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। समस्या की गंभीरता को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता मो. राशिद खान ने विधायक प्रतिनिधि रवि कुमार यादव को इसकी जानकारी दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पहल कर चापाकल की मरम्मत कराई गई। चापाकल चालू होने के बाद बच्चों और ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी लौट आई। अब लोगों को स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध हो रहा है और राहगीरों को भी पानी की सुविधा मिल रही है। सामाजिक कार्यकर्ता मो. राशिद खान ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल के लिए राशिद खान और रवि कुमार यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

दवा दुकानों की हड़ताल से मरीज परेशान

हुसैनाबाद। ऑनलाइन दवा बिक्री, कॉरपोरेट छूट और नकली दवाओं के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को हुसैनाबाद समेत पलामू जिले की दवा दुकानें बंद रहीं। पलामू केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले दवा व्यवसायियों ने सांकेतिक हड़ताल का समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। दवा दुकानों के बंद रहने से मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी हुई। लोग आवश्यक दवाओं के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए। हालांकि इमरजेंसी दवाओं की सीमित व्यवस्था जारी रखी गई थी। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि सरकार दवा व्यवसायियों के साथ दोहरा मापदंड अपना रही है।

भीमबराज में जलभंडारण क्षमता 1.2 मीटर, पेयजल संकट से मिली राहत

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। बढ़ते तापमान के बावजूद भीमबराज की जलभंडारण क्षमता बुधवार को 1.2 मीटर दर्ज की गई। इससे क्षेत्र में भूजल स्तर बना हुआ है और पेयजल संकट से लोगों को राहत मिल रही है। साथ ही मत्स्य उत्पादन भी संभव हो सका है। जानकारी के अनुसार करीब एक पखवारा पहले भीमबराज की जलभंडारण क्षमता घटकर मात्र 40 सेंटीमीटर रह गई थी। इसके कारण क्षेत्र में जल संकट गहराने की आशंका बढ़ गई थी। हालांकि उत्तर कोयल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में हुई बारिश के बाद जलस्तर बढ़कर 1.4 मीटर तक पहुंच गया था, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर में सुधार हुआ। हाल के दिनों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बावजूद जलभंडारण क्षमता में केवल मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कार्यपालक अभियंता विनीत प्रकाश ने बताया कि भीमबराज में जलभंडारण बनाए रखने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। डाउन स्ट्रीम क्षेत्र में भी पानी छोड़ा जा रहा है, ताकि तटवर्ती गांवों का जलस्तर बना रहे और पेयजल संकट उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि जलभंडारण के कारण मत्स्य उत्पादन को भी बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही वन्य जीव-जंतुओं और पशु-पक्षियों के लिए भी यह काफी उपयोगी साबित हो रहा है।

किसानों के मुद्दों पर भाजपा का धरना-प्रदर्शन, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

हैदरनगर। किसानों की समस्याओं, प्रखंड स्तर पर कथित भ्रष्टाचार और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को राहत नहीं मिलने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी की हैदरनगर मंडल इकाई ने बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह ने की। धरना को संबोधित करते हुए सुधीर सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार किसानों के हितों की लगातार अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 3200 रुपये प्रति क्विंटल देने, मुफ्त बिजली, रियायती दर पर खाद-बीज, कृषि उपकरण, पंचायत स्तर पर कृषि यंत्र बैंक, फसल बीमा और पशुधन बीमा जैसी योजनाओं का वादा किया था, लेकिन अधिकांश योजनाएं धरातल पर नहीं उतर सकी हैं।

यू-डायस प्रशिक्षण में अपार कार्ड और ई-विद्यावाहिनी पर विशेष जोर

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। बीआरसी ईंटवा सभागार में बुधवार को यू-डायस प्रशिक्षण सह मासिक गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जय राम महतो ने की। गोष्ठी में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि जिन बच्चों का आधार अपडेट हो चुका है, उनका दो दिनों के भीतर अपार कार्ड बनाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्यालयों में लेसन प्लान के अनुरूप नियमित रूप से पाठ्यपुस्तकों का अध्यापन कराने पर जोर दिया गया, ताकि बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हो सके। बैठक में कक्षा एक से तीन तक के बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा की गई। शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे कीट, प्रिंट सामग्री एवं अन्य शिक्षण सामग्रियों का उपयोग करते हुए बच्चों को पढ़ाई कराएं, जिससे प्रारंभिक शिक्षा मजबूत हो सके। इसके अलावा सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति ई-विद्यावाहिनी पोर्टल के माध्यम से दर्ज करने का निर्देश दिया गया। मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने कहा कि विद्यालयों में निर्धारित मीनू के अनुसार ही भोजन तैयार किया जाए, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके और अभिभावकों का विद्यालय के प्रति विश्वास बढ़े। मौके पर सहायक अनवर आलम, मध्याह्न भोजन प्रभारी राधेश्याम, बीआरपी चंदन कुमार, सीआरपी बिनोद सिंह, प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश कुमार सिंह, अनूप कुमार सिंह, सत्येंद्र सिंह समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा प्रखंड क्षेत्र, दीप ज्योति यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना, आज निकलेगी भव्य कलश यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

नीलाम्बर-पीताम्बरपुर। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पथरही में आयोजित श्री रामचरितमानस नवाह पारायण पाठ महायज्ञ को लेकर बुधवार को भव्य दीप ज्योति यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के उद्घोष तथा धार्मिक नारों से भक्तिमय हो उठा। दीप ज्योति यात्रा यज्ञ स्थल शिव पथरही से प्रारंभ होकर पथरही दुर्गा मंडप, गोपालगंज, कठौंधा, ढेला, लेस्लीगंज, कोटखास एवं सीताडीह होते हुए पुनः यज्ञ स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की। महायज्ञ के मुख्य पुरोहित पंडित प्रवीण मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों में पूजा-अर्चना कर यज्ञ का शुभारंभ कराया। मुख्य यजमान सह यज्ञ पूजा उपाध्यक्ष धनंजय दुबे ने यात्रा मार्ग में पड़ने वाले मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलित कर अनुष्ठान की सफलता की कामना की।यज्ञ पूजा समिति के अध्यक्ष ध्रुव कुमार दुबे ने बताया कि 21 मई गुरुवार को सुबह 8 बजे से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं एवं युवतियां शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि 21 से 29 मई तक प्रतिदिन संध्या 5 से 7 बजे तक भजन-कीर्तन तथा रात 9 बजे से प्रवचन कार्यक्रम होंगे। वहीं 30 मई को अखंड भक्ति जागरण और 31 मई को भव्य मूर्ति विसर्जन जुलूस निकाला जाएगा। मौके पर सचिव अंजनी कांत दुबे, उपसचिव श्याम किशोर दुबे, कोषाध्यक्ष रामनारायण दुबे, उपकोषाध्यक्ष नवनीत दुबे, महाप्रबंधक ज्ञानचंद दुबे सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

दीपों की रोशनी और वैदिक मंत्रों से गूंज उठा सूर्य मंदिर परिसर

सतबरवा। लक्ष्मण घाट स्थित सूर्य मंदिर परिसर बुधवार को भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार की सतबरवा इकाई के तत्वावधान में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ कार्यकर्ता गोष्ठी और दीप यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, दीपों की जगमगाहट और भक्ति गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। मुख्य वक्ता के रूप में पलामू यूपी जोन समन्वयक सच्चिदानंद तिवारी और जिला समन्वयक उपेंद्र मिश्रा मौजूद रहे। सहयोगी वक्ता पूर्णिमा कुमारी ने भी समाज में संस्कार, नशामुक्ति और नैतिक मूल्यों के महत्व पर विस्तार से विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि गायत्री महायज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और जागरूकता फैलाने का माध्यम है। दीप यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने हाथों में दीप लेकर राष्ट्र कल्याण, सुख-शांति और मानवता की

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में केमिस्टों की एकदिवसीय बंदी

● दवा कारोबारियों ने सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑनलाइन फार्मेसी और नकली दवाओं के कारोबार के विरोध में बुधवार को केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट ऑर्गेनाइजेशन के नेतृत्व में एकदिवसीय बंदी का आयोजन किया गया। बंदी का नेतृत्व संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय शर्मा ने किया। बंद के दौरान जिलेभर के दवा व्यवसायियों ने अपनी दुकानें बंद रखकर आंदोलन का समर्थन किया।

प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय शर्मा ने कहा कि ऑनलाइन फार्मेसी के जरिए बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा भारी छूट देकर दवाओं की बिक्री की जा रही है। इससे नकली और नशीली दवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, जिसका बुरा असर युवाओं पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर छोटे दवा व्यवसायियों पर एनआरएक्स नियमों के नाम पर सख्ती की जा रही है, वहीं दूसरी ओर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नियंत्रण नहीं दिख रहा।

संगठन के प्रदेश महासचिव रमेश कुमार शुक्ला ने कहा कि नकली दवाओं के बढ़ते कारोबार से छोटे और मध्यम स्तर के दवा व्यवसायियों की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। इससे दवा कारोबार संकट के दौर से गुजर रहा है।

पलामू जिला सचिव अमिताभ मिश्रा ने कहा कि एकदिवसीय बंद के माध्यम से सरकार को चेतावनी दी गई है। यदि इसके बाद भी सरकार नहीं जागी तो चरणबद्ध आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बंदी को बीपीएसआरए का भी समर्थन मिला। जिला अध्यक्ष नितिन आलोक ने कहा कि सरकार की दोहरी नीति के खिलाफ यह आंदोलन जारी रहेगा।

मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल, संरक्षक सतीश तिवारी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, विक्की अग्रवाल, रामाकांत तिवारी, सुनील गुप्ता, दिनेश बर्णवाल, प्रिंस सबरे, सुरेंद्र अग्रवाल, प्रदीप मिश्रा, राकेश अग्रवाल, जितेंद्र कुमार, संतोष गुप्ता, आशुतोष कुमार, नितेश सिंह, मुकेश अग्रवाल, रमेश वर्णवाल, अवधेश अग्रवाल, विपुल भूषण, मनोज सिन्हा समेत बड़ी संख्या में दवा व्यवसायी मौजूद रहे। संगठन के अनुसार जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से भी आंदोलन को समर्थन मिला।

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की व्यवस्थाएं होंगी और बेहतर

● जांच टीम की रिपोर्ट के बाद सुधार की प्रक्रिया तेज

● डीसी बोले- मरीजों की सुरक्षा और बेहतर इलाज प्रशासन की प्राथमिकता, प्रसूति विभाग को मिली 24 घंटे एंबुलेंस सुविधा

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एमएमसीएच) की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। हाल में जांच टीम द्वारा अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किए जाने के बाद कई महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए हैं, जिनके आधार पर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बताया कि एमएमसीएच की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों की सुरक्षा, उपचार और आवश्यक सुविधाओं को लेकर प्रबंधन को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

डीसी ने बताया कि प्रसूति विभाग को 24 घंटे सेवा के लिए दो एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर चिकित्सकों की अनुशंसा पर मरीजों को तत्काल दूसरे स्थान पर भेजने अथवा अस्पताल तक लाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि एमएमसीएच में ऑपरेशन थिएटर तथा चिकित्सा उपकरणों को भी अत्याधुनिक बनाने की प्रक्रिया चल रही है। अस्पताल की सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से मजबूत किया जा रहा है, ताकि मरीजों को बेहतर और सुगम स्वास्थ्य सेवा मिल सके।

उपायुक्त ने भरोसा दिलाया कि बहुत जल्द अस्पताल की व्यवस्थाओं में सकारात्मक बदलाव दिखाई देगा और आम लोगों को पहले से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

सड़क हादसे में मदद करने वाले 8 'गुड सेमेरिटन' को उपायुक्त ने किया सम्मानित

● मानवता की मिसाल बने नागरिकों को दो-दो हजार रुपये का चेक प्रदान, प्रशासन ने सराहा योगदान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों की मदद कर उनकी जान बचाने वाले आठ "गुड सेमेरिटन" को बुधवार को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने अपने कार्यालय कक्ष में सभी को दो-दो हजार रुपये का चेक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र यादव भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने कहा कि दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाना सबसे बड़ा मानवीय कार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की संवेदनशीलता समाज के लिए प्रेरणा है और प्रशासन उनके इस योगदान को सम्मान की दृष्टि से देखता है।

आज सम्मान पाने वालों में गुलाम मुस्तफा, बसंत कुमार, अशोक कुमार यादव, संजीव कुमार चंद्रवंशी, जफर इमाम, विजय पांडे, पवन कुमार और आलोक पटेल शामिल रहे। इनमें अशोक कुमार यादव ने 13 अप्रैल को मदनपुर में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाया था, जबकि गुलाम मुस्तफा ने 15 अप्रैल को सिलदाग में दुर्घटना के बाद तत्परता दिखाते हुए घायल को छतरपुर अस्पताल पहुंचाया था।

उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटना में "गोल्डन ऑवर" बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान घायल को अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो कई जानें बचाई जा सकती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी दुर्घटना को "पुलिस केस" मानकर अनदेखा न करें, बल्कि आगे आकर मदद करें।

केजी बालिका उच्च विद्यालय में रक्तदान जागरूकता व निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

● करीब 100 छात्राओं की हुई आंखों की जांच, 50 जरूरतमंदों को बांटे गए चश्मे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। केजी बालिका उच्च विद्यालय में बुधवार को रेड क्रॉस पलामू की ओर से रक्तदान जागरूकता अभियान एवं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं, शिक्षकों और विद्यालय कर्मियों को रक्तदान के महत्व की जानकारी दी गई, वहीं आंखों की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम में रेड क्रॉस पलामू के सचिव डॉ. सत्यजीत गुप्ता ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति नियमित रूप से रक्तदान कर कई लोगों की जान बचा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि कौन लोग रक्तदान कर सकते हैं और इससे स्वास्थ्य पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके बाद आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में शहर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसून कुमार एवं उनकी टीम ने छात्राओं और उपस्थित लोगों की आंखों की जांच की। शिविर में सेसा की ओर से डॉ. अमित कुमार, डॉ. शनि सिंह, अजय कुमार और ज्योति टोप्पो ने भी अपनी सेवाएं दीं। शिविर के दौरान लगभग 100 छात्राओं की आंखों की जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी गई। वहीं करीब 50 लोगों के बीच निःशुल्क चश्मे का वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया कि आगे भी जरूरतमंदों को सेसा के सहयोग से निःशुल्क चश्मा उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में रेड क्रॉस की ओर से उपाध्यक्ष आलोक कुमार पाठक, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह, सदस्य हरिशंकर सिंह, नवनीत कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। विद्यालय की ओर से प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यालय कर्मियों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

रस्साकशी में शिक्षिकाओं का जलवा, समर कैंप में बच्चों ने भी दिखाया उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के रजवाडीह मध्य विद्यालय में चल रहे समर कैंप के दूसरे दिन खेलकूद और मनोरंजन से माहौल गुलजार रहा। रस्साकशी प्रतियोगिता में बच्चों ने जहां भरपूर जोश दिखाया, वहीं शिक्षिकाओं की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शिक्षकों को लगातार दो मुकाबलों में मात दे दी।

कार्यक्रम की शुरुआत बालक एवं बालिका वर्ग की रस्साकशी प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद शिक्षक और शिक्षिकाओं के बीच मुकाबला कराया गया, जिसे देखने के लिए बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। शिक्षिकाओं की टीम में निशा, प्रियंका कुमारी और पूनम रानी शामिल थीं, जबकि शिक्षकों की ओर से परशुराम तिवारी, विजय कुमार ठाकुर और लैब इंस्ट्रक्टर अनूप कुमार मिश्रा मैदान में उतरे। मुकाबले में प्रियंका कुमारी ने अहम भूमिका निभाई।

शिक्षिकाओं की जीत पर बच्चों ने तालियों और शोर के साथ खुशी जताई। इससे पहले बच्चों ने मास पीटी में भी हिस्सा लिया। समर कैंप के दौरान विद्यालय परिसर में लगे आम के पेड़ से तोड़े गए आम बच्चों के बीच बांटे गए। प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने कहा कि समर कैंप बच्चों और शिक्षकों में नई ऊर्जा और उत्साह भरने का काम कर रहा है।

जन समाधान दिवस में जनता की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

● उपायुक्त ने 15 दिनों के भीतर मामलों के निष्पादन का दिया सख्त निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। समाहरणालय सभागार में बुधवार को आयोजित जन समाधान दिवस में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं।

कार्यक्रम में भूमि विवाद, रास्ता अवरुद्ध, दाखिल-खारिज, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति और आवास से जुड़े कई मामले सामने आए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए मामलों का निष्पादन 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जन समाधान दिवस में कई गंभीर शिकायतें भी सामने आईं। हुसैनाबाद की रियाजुद्दीन अंसारी ने रास्ता अवरुद्ध किए जाने की शिकायत रखी, जबकि नीलांबर-पीताम्बरपुर के पंचायत समिति सदस्य ने 15वें वित्त आयोग की योजना में भुगतान लंबित रहने और कमीशन मांगने का आरोप लगाया। इसके अलावा रोजगार, भूमि अधिग्रहण मुआवजा तथा अन्य कई मुद्दे भी उठाए गए।

उपायुक्त ने कुछ मामलों में मौके पर ही बीडीओ और सीओ से दूरभाष पर बात कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

लीगल एंड डिफेंस काउंसिल की समीक्षा बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर

● कोई भी जरूरतमंद विधिक सहायता से वंचित न रहे : पीडीजे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को एलएडीसी (लीगल एड डिफेंस काउंसिल) की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पात्र लोगों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में पीडीजे राम शर्मा ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति विधिक सहायता से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि एलएडीसी योजना समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को न्याय दिलाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

बैठक में विभिन्न मामलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि लाभुकों को त्वरित न्याय मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पीडीजे ने जेल में बंद कैदियों के मामलों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी बंदी बिना वकील के नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सभी बंदियों के जमानत आवेदन, अपील एवं अन्य जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी लेकर समय पर दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही जेल का नियमित निरीक्षण कर बंदियों की समस्याओं से अवगत होने को भी कहा।

बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन, एलएडीसी चीफ अमिताभ चंद्र सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, असिस्टेंट वीर विक्रम वत्स राय, उत्तम कुमार, पुष्कर राज, कुमारी नीतू सिंह तथा कार्यालय सहायक अमित कुमार विश्वकर्मा मौजूद थे।

खरीफ कार्यशाला में किसानों को मिला जलवायु अनुकूल खेती का प्रशिक्षण

● 600 किसानों ने सीखी आधुनिक कृषि तकनीक, सुखाड़ से निपटने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति हॉल में बुधवार को जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला सह "जलवायु अनुकूल कृषि एवं सुखाड़ प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें जिले के सभी 21 प्रखंडों से करीब 600 किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को बदलते मौसम के अनुरूप खेती की आधुनिक तकनीकों, जल संरक्षण और सूखा प्रबंधन की वैज्ञानिक विधियों से अवगत कराना था। उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए बड़ी चुनौती है, लेकिन वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर इसे अवसर में बदला जा सकता है।

उन्होंने किसानों से कम पानी में होने वाली फसलों को अपनाने, जल संरक्षण पर ध्यान देने और कृषि में नई तकनीकों के उपयोग की अपील की। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने खरीफ फसलों के बेहतर प्रबंधन, वैकल्पिक खेती और सूखा प्रबंधन से जुड़ी तकनीकी जानकारी दी।

कार्यक्रम में पैक्स, एफपीओ प्रतिनिधि, कृषि विशेषज्ञ और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं और विशेषज्ञों से समाधान पर चर्चा की।

CM FELLOWSHIP SCHEME FOR ACADEMIC EXCELLENCE

झारखंड में मेधावी विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को फेलोशिप, छात्रवृत्ति और असिस्टेंटशिप प्रदान कर शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

यह योजना 5 लक्षित कार्यक्रमों में विभाजित है:
पी.एच.डी. फेलोशिप, शोध पत्र प्रस्तुति हेतु अनुदान, विदेश अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति, टीचिंग असिस्टेंटशिप तथा रिसर्च असिस्टेंटशिप।

घटक 1: पी.एच.डी. फेलोशिप
पात्रता
UGC NET / CSIR NET / JET अंकों के आधार पर राज्य/निजी विश्वविद्यालयों में नामांकित झारखंड के स्थानीय निवासी। फेलोशिप की अधिकतम अवधि: 4 वर्ष
अधिकतम ₹25,000 मासिक फेलोशिप
* UGC NET / CSIR NET उत्तीर्ण: ₹25,000 प्रति माह
* JET उत्तीर्ण: ₹22,500 प्रति माह
प्रतिवर्ष 1000 फेलोशिप

घटक 2: शोध पत्र प्रस्तुति हेतु अनुदान
अधिकतम ₹2,00,000
QS रैंकिंग में शीर्ष 500 विदेशी विश्वविद्यालयों में छात्रों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति के लिए
प्रतिवर्ष अनुदान: 100 छात्र
अधिकतम ₹50,000
भारत के भीतर NAAC A या उससे ऊपर ग्रेड वाले संस्थानों या NIRF शीर्ष 200 में रैंक प्राप्त संस्थानों में छात्रों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति के लिए
प्रतिवर्ष अनुदान: 200 छात्र

घटक 3: विदेश अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति
पात्रता
झारखंड का स्थानीय निवासी हो तथा QS शीर्ष 200 विदेशी संस्थानों में नामांकित हो
वार्षिक पारिवारिक आय ₹8 लाख से कम
पूर्ण ट्यूशन फीस छात्रवृत्ति
झारखंड के छात्रों के लिए ट्यूशन फीस का 100% तथा जीवन-यापन भत्ता (अधिकतम ₹6 लाख तक)
प्रतिवर्ष 50 छात्रवृत्तियाँ

घटक 4 एवं 5: असिस्टेंटशिप
टीचिंग असिस्टेंटशिप (TA)
राज्य विश्वविद्यालयों एवं संघटक महाविद्यालयों में विभागाध्यक्ष द्वारा शैक्षणिक एवं शोध सहायता के लिए नियुक्त छात्रों को मासिक वजीफा प्रदान किया जाएगा–
डिप्लोमा/स्नातक (UG) छात्रों के लिए ₹1,500 प्रति माह तथा स्नातकोत्तर (PG) छात्रों के लिए ₹2,000 प्रति माह।
रिसर्च असिस्टेंटशिप (RA)
मासिक वजीफा झारखंड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद द्वारा जारी किए गए शोध अनुदानों के अंतर्गत प्रदान किया जाएगा।

आवेदन कैसे करें

ऑनलाइन पोर्टल
सभी छात्रवृत्तियों एवं फेलोशिप के लिए आवेदन निम्न पोर्टल पर ऑनलाइन किए जाएँ: https://scholarships-dhte.jharkhand.gov.in/

प्राधिकृत प्राधिकारी द्वारा आवेदनों की जांच
सभी आवेदनों की जांच एवं अनुमोदन सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनकी पात्रता मानदंडों के अनुसार किया जाएगा।

भुगतान
योजना के अंतर्गत सभी वित्तीय सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में प्रदान की जाएगी।

SCAN HERE

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग झारखण्ड

PR No. 380345 (Higher Education,Technical Education and Skill Development Department) 2026-27

दृष्टिपात

पंचायत निरीक्षण में कई खामियां सामने आईं

गढ़वा। पंचायतों को आदर्श और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर बुधवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों में वरीय अधिकारियों ने पंचायतों का दौरा कर विकास योजनाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवनों में साफ-सफाई, उपस्थिति, योजनाओं के क्रियान्वयन और रिकॉर्ड संधारण से जुड़ी कई कमियां सामने आईं, जिस पर अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय ने मेराल प्रखंड के मेराल पश्चिम, गोंदा और बाना पंचायत का निरीक्षण किया। इस दौरान पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना के तहत मिली राशि के उपयोग, उपयोगिता प्रमाण पत्र और विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। निरीक्षण में पंचायत भवनों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और कार्यालय संचालन व्यवस्था को और बेहतर करने पर जोर दिया गया। उन्होंने पंचायत सचिवों और सहायकों को प्रतिदिन पंचायत भवन में उपस्थित रहकर कार्य करने तथा उपस्थिति पंजी नियमित रूप से संधारित करने का निर्देश दिया। वहीं वीएलई को भी पंचायत भवन में नियमित रूप से उपस्थित रहकर कार्य निष्पादन और अभिलेखों को अद्यतन रखने को कहा गया। इधर, अनुमंडल पदाधिकारी रंका रुद्र प्रताप ने भंडरिया प्रखंड के जेनेवा, फकीराडीह और बीजका पंचायत का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मनरेगा समेत अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश ने बिशुनपुरा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों का निरीक्षण कर योजनाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी योग्य लाभुकों को योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से समय पर उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, पंचायत सचिव, अभियंता एवं अन्य कर्मी मौजूद रहे।

दुकानदारों को मिला खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण

गढ़वा। राज्य खाद्य सुरक्षा विभाग के निर्देश पर बुधवार को गढ़वा सदर अस्पताल सभागार में कैटरिंग एवं खुदरा दुकानदारों के लिए एकदिवसीय खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त दुकानदारों के बीच प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ कैनेडी, अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री समेत विभिन्न कैटरिंग एवं खुदरा दुकानदार उपस्थित रहे। सिविल सर्जन ने सुरक्षित खाद्य पदार्थों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। अभिहित अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह ने सभी दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा लाइसेंस एवं पंजीकरण के बाद ही कारोबार संचालित करने तथा स्वच्छता मानकों का पालन करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षक राकेश कुमार सिंह ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए दुकानदारों को सिर ढकने वाली टोपी, एप्रॉन एवं दस्ताने का उपयोग कर खाद्य सामग्री तैयार करने की सलाह दी। प्रशिक्षण में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, शुद्ध पानी के उपयोग, खाद्य रंगों के सीमित इस्तेमाल, तेल को तीन बार से अधिक उपयोग नहीं करने तथा अखबार एवं प्लास्टिक कंटेनर में खाद्य सामग्री पैक नहीं करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्बाइड युक्त फलों की बिक्री पर रोक लगाने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त दुकानदारों के बीच प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मौके पर खाद्य सुरक्षा कार्यालय के विवेक तिवारी, संतोष कुमार, प्रशिक्षक राकेश कुमार सिंह तथा ज्ञान सिटी एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रतिनिधि मौजूद थे।

विद्यालय निरीक्षण में खुलीं अव्यवस्थाएं

गढ़वा। उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर बुधवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा एवं जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज ने जिले के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में शैक्षणिक व बुनियादी व्यवस्थाओं में गंभीर खामियां सामने आईं। कई शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा गया, जबकि कुछ शिक्षकों का एक दिन का वेतन भी स्थगित कर दिया गया। पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय जाटा के निरीक्षण में पाया गया कि कई शिक्षक पाठ योजना संधारित नहीं कर रहे थे। इस पर सहायक शिक्षक संजय कुमार दूबे, अशोक कुमार विश्वकर्मा, मीरा कुमारी, निर्मला कुमारी, रंजु कुमारी एवं राज कुमार मेहता से स्पष्टीकरण मांगा गया तथा निरीक्षण तिथि का एक दिन का वेतन स्थगित किया गया। विद्यालय में पेयजल की सुविधा तो थी, लेकिन शौचालय बंद पाए गए। रा०कृत +2 उच्च विद्यालय मेराल में भी शौचालय बंद मिले और परिसर में काफी गंदगी पाई गई। विद्यालय के कुछ भवन जर्जर हालत में मिले, जिस पर प्रधानाध्यापक को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें हटाने एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उत्क्रमित उच्च विद्यालय कधवन, नगर उंटारी में ट्रांसफर सर्टिफिकेट देने के नाम पर अवैध राशि वसूली की शिकायत सामने आई। इस मामले में प्रभारी प्रधानाध्यापक को 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज ने प्राथमिक विद्यालय दलको के निरीक्षण में विद्यालय में गंदगी, बुनियादी सुविधाओं की कमी एवं पठन-पाठन कार्य प्रभावित मिलने पर प्रधानाध्यापक से जवाब तलब किया। वहीं झारखंड शिक्षा परियोजना के तहत विभिन्न प्रखंडों में हुए निरीक्षण में कई विद्यालयों में छात्र उपस्थिति ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर अपडेट नहीं मिली। कई जगह एमडीएम में अतिरिक्त पोषाहार बंद पाया गया, जबकि विद्यालयों में साफ-सफाई, बाल संसद और एसएमसी बैठक नियमित नहीं होने की बातें भी सामने आईं। अधिकारियों ने सभी विद्यालयों को नियमित पाठ योजना, शत-प्रतिशत उपस्थिति, साफ-सफाई और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

किसानों को वैज्ञानिक खेती की दी गई जानकारी

मेराल। प्रखंड क्षेत्र के हासनदाग गांव में बुधवार को माहिको प्राइवेट लिमिटेड की ओर से खरीफ महोत्सव किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद कंपनी के क्षेत्रीय व्यवसाय प्रबंधक सौरभ सिंह ने किसानों को बेहतर उत्पादन, रोग नियंत्रण और खेती की नई तकनीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं। गोष्ठी में हासनदाग, रेजो समेत आसपास के गांवों के किसान शामिल हुए। इस दौरान प्रशिक्षक राम मणि मिश्रा, वीडीसी नंदू चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र चौधरी, अरुण कुमार चौबे, द्वारका चौबे, बृजराज चौबे, श्याम सुंदर चौबे, लक्ष्मण राम, बदन चौधरी, अखिलेश चौबे, अनवर अंसारी, दिवाकर चौबे, मथुरा चौधरी, विवेकानंद चौबे, सुनील राम, मुखलाल चौधरी सहित कई किसान मौजूद थे।

रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र गया युवक का शव पहुंचा गांव

खरौंधी (गढ़वा)। थाना क्षेत्र के मझिगावां गांव में बुधवार की सुबह उस वक्त मातम पसर गया, जब महाराष्ट्र से 30 वर्षीय प्रिंस कुमार कन्नौजिया का शव गांव पहुंचा। शव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां बार-बार बेसुध हो रही थी, जबकि पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था। गांव के लोग भी गमगीन दिखे। सूचना मिलते ही मुखिया पति सतीश राम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। बाद में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रिंस कुमार कन्नौजिया ट्रक चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह पिछले महीने काम की तलाश में महाराष्ट्र गया था। शनिवार को ट्रक चलाने के दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। साथियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उपायुक्त ने पंचायत सचिवालय, विद्यालय, छात्रावास और स्किल सेंटर का किया निरीक्षण

भंडारिया दौरे में कई खामियां उजागर, स्कूलों में शिक्षकों की कमी से लेकर शौचालय और बिजली संकट तक सामने आई समस्याएं

- अधिकारियों को दिए सुधार के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अनन्य मित्तल के भंडारिया प्रखंड दौरे के दौरान कई विभागीय खामियां और आधारभूत समस्याएं सामने आईं। निरीक्षण के क्रम में विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, शौचालय निर्माण लंबित रहने, छात्रावास हैंडओवर में देरी, बिजली संकट तथा पंचायत स्तर की शिकायतें उजागर हुईं। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान करचाली पंचायत सचिवालय में ग्रामीणों ने मदगरी पंचायत के धूमकुड़िया भवन निर्माण में कथित अनियमितता, धान अधिप्राप्ति, एफपीओ तथा लैंप-पैक्स से जुड़ी शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने मामलों की जांच कराने का भरोसा दिया। राजकीय मध्य विद्यालय करचाली के निरीक्षण में विद्यालय की बाउंड्री नहीं होने की समस्या सामने आई। वहीं बच्चों की उपस्थिति भी अपेक्षाकृत कम पाई गई। उपायुक्त ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता और शैक्षणिक व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय भंडारिया में शौचालय की गंभीर समस्या सामने आई। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को शीघ्र निर्माण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। दौरे के पश्चात उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में रोजगार सृजन और विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

तकनीकी जांच के बाद प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश

निरीक्षण के दौरान एकलव्य आवासीय विद्यालय में मात्र तीन शिक्षकों के भरोसे 220 विद्यार्थियों की पढ़ाई संचालित होने की जानकारी मिली। इसके अलावा विद्यालय में बिजली समस्या भी सामने आई। उपायुक्त ने संबंधित विभाग से समन्वय कर जल्द समाधान का निर्देश दिया। पीवीटीजी छात्रावास भवन तैयार होने के बावजूद अब तक हैंडओवर नहीं होने पर भी उपायुक्त ने नाराजगी जताई और तकनीकी जांच के बाद प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया।

पालनगर में युवक की संदिग्ध मौत, घर में फंदे से लटका मिला शव

केतार। थाना क्षेत्र के पालनगर गांव निवासी 40 वर्षीय ओम नारायण गुप्ता की बुधवार को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। उनका शव घर में फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने की तैयारी की। जानकारी के अनुसार मृतक परिवार के साथ उत्तर प्रदेश स्थित अमिला धाम से पूजा कर लौटे थे। घर पहुंचने के कुछ देर बाद यह घटना हुई। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, हालांकि हर पहलू से जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। मौके पर मुखिया प्रमोद कुमार, उपमुखिया संजय पाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

गढ़वा जिले में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य घबराकर खरीदारी नहीं करने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने स्पष्ट किया है कि वैश्विक स्तर पर तेल एवं गैस क्षेत्र में जारी अनिश्चितताओं के बावजूद गढ़वा जिले समेत झारखंड में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। राज्य स्तरीय समन्वयक, तेल उद्योग झारखंड डॉ. प्रदीप पॉल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि तेल कंपनियां अपने टर्मिनल, डिपो और व्यापक आपूर्ति नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं। सभी पेट्रोल पंपों पर निर्धारित सुरक्षा और संचालन मानकों के तहत बिना किसी प्रतिबंध के ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और उपभोक्ताओं की वास्तविक मांग के अनुसार लगातार आपूर्ति की जा रही है। तेल कंपनियों ने आम लोगों से अपील की है कि वे सामान्य तरीके से ही ईंधन खरीदें और किसी तरह की अफवाह या घबराहट में अनावश्यक खरीदारी से बचें। साथ ही ईंधन उपलब्धता से जुड़ी जानकारी के लिए केवल तेल कंपनियों की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

भवनाथपुर। किसानों की समस्याओं और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में भाजपा नेताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों से किए गए वादे पूरे करने में विफल रही है। ज्ञापन में धान का 3200 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य लागू करने, मुफ्त बिजली देने, खाद-बीज सस्ती दर पर उपलब्ध कराने और लंबित भुगतान जल्द करने की मांग की गई।

मजदूरों को अधिकारों और योजनाओं की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा की ओर से "श्रमेव जयते" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप जलाकर किया गया। इस मौके पर पैनल अधिवक्ता विकास द्विवेदी, पीएलवी अरविंद कुमार तिवारी, मनोज द्विवेदी, प्रखंड विकास पदाधिकारी नंदीजी राम सहित कई लोग मौजूद थे। कार्यक्रम में मजदूरों को उनके अधिकार, ई-श्रम पोर्टल और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना जरूरी है, ताकि उन्हें भविष्य में आर्थिक सहारा मिल सके। कार्यक्रम के अंत में दिव्यांग लाभुकों संतोष कुमार, इंदु कुमारी और सनोज सिंह को ट्राई साइकिल दी गई।

युवा समाजसेवी के प्रयास से दो खराब चापाकल दुरुस्त, ग्रामीणों को मिली राहत

खरौंधी (गढ़वा)। भीषण गर्मी के बीच प्रखंड क्षेत्र के राजी पंचायत अंतर्गत पिपरी गांव में दो खराब पड़े चापाकलों को ठीक कराए जाने से लोगों को राहत मिली है। यह पहल युवा समाजसेवी राकेश कुमार मेहता के प्रयास से संभव हो सकी। राकेश कुमार मेहता ने बताया कि लगातार बढ़ती गर्मी और गिरते जलस्तर के कारण पंचायत के कई चापाकल और जलमीनार खराब पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की शिकायत पर टोल फ्री नंबर पर सूचना दी गई, जिसके बाद मिस्त्री पहुंचा और पिपरी बस्ती तथा चौरा शिव स्थान स्थित खराब चापाकलों को दुरुस्त किया गया। चापाकल चालू होने के बाद आसपास के लोगों को पानी मिलने लगा है। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी में पानी की समस्या सबसे बड़ी परेशानी बन जाती है। राकेश मेहता ने कहा कि पंचायत के अन्य खराब चापाकलों और जलमीनारों को भी जल्द ठीक कराने का प्रयास किया जाएगा।

चार दिनों से रहस्यमयी तरीके से घर में लग रही आग, परिवार दहशत में

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। मकरी पंचायत के गड़ेरियाडीह गांव स्थित बछुआ टोला में एक परिवार पिछले चार दिनों से अजीब घटनाओं से परेशान है। गांव निवासी शिवकुमार पाल के घर में बार-बार अचानक आग लग रही है, जिससे परिवार भय के माहौल में जी रहा है। पीड़ित परिवार के अनुसार घर में रखे बक्सों से अचानक धुआं उठने लगता है और देखते ही देखते सामान जलने लगता है। अब तक नगद 80 हजार रुपये, जमीन के कागजात, बच्चों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बीमा से जुड़े दस्तावेज, कपड़े और अनाज जल चुके हैं। ग्रामीण भी इस घटना को लेकर हैरान हैं। परिवार ने प्रशासन से जांच और आर्थिक सहायता की मांग की है। मुखिया पति धनंजय साह ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को राहत दिलाने की मांग की है।

भैंस को बचाने में पलटा ट्रैक्टर, चालक की मौके पर मौत

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। थाना क्षेत्र के छतैलिया गांव स्थित पत्थर गड़वा टोला के पास बुधवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान चिनिया निवासी 25 वर्षीय विपिन कोरवा, पिता ललु कोरवा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार विपिन ट्रैक्टर से गिट्टी गिराकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक भैंस आ गई। उसे बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चिनिया थाना प्रभारी बीकू कुमार रजक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। वहीं युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर चिनिया निवासी बदन राम का है।

काम के दौरान जहरीले सांप ने डसा, 30 वर्षीय युवक की मौत

चिनियां। थाना क्षेत्र के चिरका गांव निवासी 30 वर्षीय सुमन मिंज की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। बुधवार सुबह शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घर से लेकर पूरे गांव तक मातम पसरा रहा। बताया गया कि सुमन मिंज मेहनत-मजदूरी कर परिवार चलाते थे। काम के दौरान उन्हें जहरीले सांप ने काट लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल ले गए। वहां से बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। रांची ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में 24 घंटे बंद रहीं दवा दुकानें

नवीन मेल संवाददाता

रंका। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में रंका ड्रग एसोसिएशन की बैठक बुधवार को किशोर जी के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अदय शंकर पांडे ने की। बैठक में दवा व्यवसायियों ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री से स्थानीय दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। साथ ही बिना उचित जांच के दवाएं बेचे जाने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ रहा है। विरोध स्वरूप क्षेत्र की दवा दुकानों को 24 घंटे बंद रखा गया। व्यवसायियों ने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। बैठक में किशोर कुमार, व्यास पांडे, संजय सिन्हा, दीनानाथ चौधरी, रामानुज सिंह, मोहम्मद सलाम, अशोक कुमार, विश्वनाथ प्रसाद, अनिल ठाकुर समेत बड़ी संख्या में दवा व्यवसायी मौजूद थे।

सूचना

मेसर्स रंधीर पाठक के नाम से जिला पलामू के नौडीहा बाजार प्रखण्ड के मौजा शाहपुर खाता नं0 72 प्लौट नं0 295,297, 299, 300, 302, 304, 306 कुल रकबा 4 एकड़ 17 डी0 क्षेत्र पर साधारण पत्थर उत्खनन हेतु पर्यावरण सहमति नं० **EC23B001JH148866** फाईल नं० **EC/SEIAA/ 2023-2024/ 2844/ 2023** दिनांक 15.06.2023 को प्राप्त हुआ है।

मेसर्स रंधीर पाठक
रंधीर पाठक
प्रोपराइटर

कार्यालय नगर परिषद्, चतरा
पुराना कचहरी के समीप, चतरा (झारखण्ड)– 825401
दुरभाष : 06541–253030, ई–मेल : npchatra@gmail.com

पत्रांक 493/न0प0, | दिनांक 20.05.2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद्, चतरा के निम्नलिखित सैरातो/नगर परिषद् क्षेत्र में बाहरी व्यवसायिक वाहनो के प्रवेश शुल्क वसुली की बन्दोबस्ती उनके नाम के सामने अंकित अवधि तक के लिए खुली डाक बोली द्वारा दिनांक–29.05.2026 को समय 12:30 बजे अपराह्न से कार्यालय नगर परिषद्, चतरा के सभा कक्ष में की जायेगी। किसी कारणवश उक्त तिथि को डाक नही होने की स्थिति में दिनांक– 30.05.2026 को निर्धारित समय पर डाक होगा।

क्रमांक	सैरात का नाम	अवधि	सुरक्षित राशि	जमानत राशि
1	चतरा बस पड़ाव (सभी प्रकार के यात्री वाहन) (सभी कर सहित)	कार्यादेश की तिथि से एक वर्ष तक के लिये मान्य होगा।	38,30,700.00	3,83,100.00
2	नगर परिषद् क्षेत्र में बाहर से प्रवेश करने वाले सभी प्रकार के व्यवसायिक वाहन।		2,56,00,000.00	25,60,000.00

नोटः–1. डाक बोलने का स्थान : कार्यालय नगर परिषद्, चतरा का सभाकक्ष एवं तिथिः–29.05.2026 को समय 12:30 बजे अपराह्न।
2. डाक के नियम एवं शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद्, चतरा

PR 380336 Urban Development(26-27).D

कार्यालय जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

अतिअल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना
ई– संख्या– DOPR/DE/ZP/Palamu 01/2026-27 (Retender)

वन प्रमण्डल पदाधिकारी, मेदिनीनगर वन प्रमण्डल के स्वीकृत्यादेश ज्ञापांक 881/दिनांक 24.04.2026 एवं 882/दिनांक 24.04.2026 द्वारा प्राप्त प्रशासनिक स्वीकृति के आलोक में चयनित योजना का निर्माण कराया जाना है। अतः निम्नांकित स्वीकृत योजनाओं में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में निविदा की शर्त–1 के अनुसार जिला परिषद, पलामू में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों से F_2 प्रपत्र पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

विज्ञापन दाता का नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू।
Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 22.05.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक 22.05.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से दिनांक 29.05.2026 (अपराह्न 2:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 30.05.2026 (अपराह्न 3:00 बजे)
निविदा खोलने का स्थान :– कार्यालय जिला परिषद, पलामू।
कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	एन0आई0टी0 रेफरेंस सं0
1	Sadar Medininagar	Construction of Van Nagar Jorkat (Part-II)	2004900.00	40098.00	5000.00	03 माह	NIT-01/ 2026-27/ Gr-05 RT

नोट – 1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगी।
3. जिला परिषद, पलामू में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।

निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्ते www.palamu.nic.in एवं कार्यालय जिला परिषद, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए Website- www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/– जिला अभियंता,
जिला परिषद, पलामू

PR 380328 District (26-27)_D

कार्यालय जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई– संख्या– DOPR/DE/ZP/Palamu 24/2025-26 (3rd Call Retender)

उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू के द्वारा प्राप्त प्रशासनिक स्वीकृति के आलोक में 15वें वित्त आयोग (स्वास्थ्य अनुदान) मद से चयनित योजना का निर्माण कराया जाना है। अतः निम्नांकित स्वीकृत योजनाओं में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में निविदा की शर्त–1 के अनुसार जिला परिषद, पलामू में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों से F_2 प्रपत्र पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

विज्ञापन दाता का नाम	:–	जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू।
Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	दिनांक 22.05.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि	:–	दिनांक 22.05.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से दिनांक 29.05.2026 (अपराह्न 2:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	दिनांक 30.05.2026 (अपराह्न 3:00 बजे)
निविदा खोलने का स्थान	:–	कार्यालय जिला परिषद, पलामू।
कार्य की विस्तृत विवरणी :–		

क्र0	प्रखण्ड	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	एन0आई0टी0 रेफरेंस सं0
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2	उंटारी रोड	मुरमा खूर्द	स्वास्थ्य उपकेन्द्र मुरमा खूर्द का निर्माण।	55.50	1.11	10000	09 माह	NIT-24/ 2025-26/ Gr-15 RT

नोट– 1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगी।
3. जिला परिषद, पलामू में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
5. निविदा शुल्क (Non Refundable) एवं अग्रधन की राशि केवल Demand Draft (किसी भी मान्यता प्राप्त बैंक द्वारा निर्गत) **जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू (District Engineer, Zila Parishad, Palamu)** के पदनाम से डालटनगंज में भुगतेय होगा, के रूप में स्वीकार्य होगी।

निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्ते www.palamu.nic.in एवं कार्यालय जिला परिषद, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए Website-www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–जिला अभियंता,जिला परिषद, पलामू

PR 380321 (District)26-27*D

दवा दुकानों की हड़ताल से मरीज परेशान

● ऑनलाइन फार्मेसी और नई अधिसूचनाओं के विरोध में जिलेभर के मेडिकल स्टोर बंद

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर बुधवार को लातेहार जिले की दवा दुकानें बंद रहीं। जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के समर्थन के बाद जिलेभर के मेडिकल स्टोर संचालकों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे।

दवा दुकानों के बंद रहने से मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। कई लोग दवा के लिए मेडिकल स्टोर के बाहर भटकते नजर आए।

एसोसिएशन के जिला महासचिव अर्जुन विश्वकर्मा ने बताया कि संगठन लंबे समय से अवैध ई-फार्मेसी पर रोक लगाने और कुछ अधिसूचनाओं को वापस लेने की मांग कर रहा है। उनका कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री से बिना चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की बिक्री बढ़ रही है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है।

संगठन ने बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा अत्यधिक छूट आधारित बिक्री पर भी रोक लगाने की मांग की। दवा व्यवसायियों का कहना है कि इससे छोटे कारोबारियों का व्यापार प्रभावित हो रहा है।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में चंदवा में बंद रहीं मेडिकल दुकानें

चंदवा। ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को चंदवा में दवा दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं। लातेहार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के समर्थन में आयोजित इस बंद का व्यापक असर बाजार में देखने को मिला। क्षेत्र के अधिकांश मेडिकल स्टोर पूरे दिन बंद रहे। दवा व्यवसायियों ने ऑनलाइन दवा बिक्री, नशीली दवाओं की इंटरनेट के माध्यम से हो रही बिक्री तथा कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी छूट दिए जाने के विरोध में आंदोलन किया। एसोसिएशन के सचिव बिजय प्रसाद ने बताया कि देशभर के लाखों दवा व्यवसायी इस बंद में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बिक्री के कारण छोटे दवा दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। साथ ही बिना पर्याप्त निगरानी के दवाओं की बिक्री से दुरुपयोग की आशंका भी बढ़ रही है। बंद के दौरान लातेहार जिले के 180 से अधिक दवा दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर समर्थन दिया। चंदवा के सभी प्रमुख मेडिकल स्टोर भी इस आंदोलन में शामिल रहे। हालांकि बंदी के कारण लोगों को दवा लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन आपातकालीन स्थिति को देखते हुए आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के लिए चुनिंदा दुकानों को खुला रखने की व्यवस्था की गई थी। इसकी जानकारी पहले ही प्रशासन को दे दी गई थी।

मेडिकल बंद का महुआडांड़ बाजार पर असर पहले से तैयारी रहने से बड़ी परेशानी टली

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। बुधवार को मेडिकल दुकानों की बंदी का असर महुआडांड़ बाजार में साफ देखने को मिला। जिला लातेहार मेडिकल संघ के आह्वान पर अधिकांश दवा दुकानें बंद रहीं, जिससे पूरे दिन बाजार की रफ्तार कुछ धीमी नजर आई। हालांकि बंदी की जानकारी पहले से होने के कारण लोगों ने जरूरत की दवाइयां और स्वास्थ्य संबंधी सामान पहले ही खरीद लिया था। इसी वजह से आम लोगों को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। इसके बावजूद कुछ मरीजों और उनके परिजनों को दवा के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। स्थानीय लोगों ने ऐसे जरूरतमंदों की मदद कर सहयोग की मिसाल पेश की। मेडिकल संघ से जुड़े लोगों ने बताया कि यह बंद स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा व्यवसाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किया गया। उनका कहना था कि सरकार और संबंधित विभाग तक अपनी बात पहुंचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। इधर आम लोगों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द पहल कर समस्या का समाधान निकालेगा, ताकि भविष्य में मरीजों और उनके परिजनों को इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उपायुक्त ने मनिका में विकास योजनाओं का लिया जायजा

● फोरलेन सड़क, सीएचसी और मलय पुल निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार ने बुधवार को मनिका प्रखंड क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कार्य एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में काम पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मनिका डिग्री कॉलेज के समीप निर्माणाधीन फोरलेन सड़क परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उपायुक्त ने मनिका प्रखंड कार्यालय पहुंचकर कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेख संधारण और आम लोगों को मिलने वाली सेवाओं की समीक्षा की। दौरे के क्रम में उपायुक्त ने ग्राम पटना स्थित मलय पुल के जीर्णोद्धार कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने पुल निर्माण में गुणवत्ता बनाए रखते हुए कार्य जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी, अभियंता और कार्य एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

हेमंत सरकार की नीतियों के खिलाफ भाजपा का धरना-प्रदर्शन

बारियातू। प्रखंड कार्यालय के समीप भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप कुमार शर्मा के नेतृत्व में झारखंड सरकार की कथित वादाखिलाफी और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष लाल कौशल नाथ शाहदेव तथा कार्यक्रम प्रभारी जिला मंत्री ध्रुव कुमार पांडेय एवं जीप सदस्य रमेश राम उपस्थित रहे। धरने में भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार ने किसानों से धान का समर्थन मूल्य 3200 रुपये प्रति क्विंटल देने और मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वादा किया था, जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है। ओलावृष्टि से फसल नुकसान के बाद भी किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। इसके अलावा नेताओं ने राज्य में पेयजल और बिजली संकट, तथा वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन योजनाओं में आ रही समस्याओं को भी उठाया। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल के नाम बीडीओ को ज्ञापन सौंपा गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि किशोर प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि देवेंदन प्रसाद, सोनू प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, बृजमोहन राम, सकेंद्र राम, दुलारचंद राम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

लातेहार सदर प्रखंड में भाजपा का धरना-प्रदर्शन

लातेहार। सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को भाजपा ग्रामीण पूर्वी, पश्चिमी एवं नगर मंडल के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरने में किसानों के साथ कथित वादाखिलाफी, सरकार की नीतियों और जनसमस्याओं को लेकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बड़ी संख्या में किसान और भाजपा कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वी ग्रामीण मंडल अध्यक्ष पिंटू कुमार रजक ने की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को केवल आश्वासन दे रही है, जबकि जमीनी स्तर पर किसान परेशान हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा नेता राजीव रंजन पांडे ने कहा कि किसानों से किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसानों की आवाज को सड़क से सदन तक उठाती रहेगी। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष रेणु देवी, जिला मंत्री आशा देवी, प्रखंड प्रमुख परशुराम लोहार, मंडल अध्यक्ष अवधेश चंद्रवंशी, मंडल महामंत्री दीपक पासवान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में मंडल अध्यक्ष (पश्चिमी) अवधेश चंद्रवंशी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक में कुपोषण और टीकाकरण पर विशेष जोर

लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, संस्थागत प्रसव, एएनसी जांच, एनसीडी स्क्रीनिंग, पेंटा-1 एवं पेंटा-3 टीकाकरण, ओपीवी-1 और एमटीसी केंद्रों की कार्यप्रणाली पर विशेष चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उपायुक्त ने एमटीसी केंद्रों में कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार और देखभाल पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड विजिट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, डीपीएम, एमओआईसी समेत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

विधायक प्रकाश राम ने लगाया जनता दरबार

चंदवा। प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को विधायक प्रकाश राम ने जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं। जनता दरबार में सबसे अधिक करीब 140 मामले जमीन विवाद से जुड़े सामने आए। विधायक ने अंचलाधिकारी को सभी मामलों का गंभीरता से और शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। विधायक प्रतिनिधि विजय दुबे ने सर्वे के बाद जमीन अद्यतन प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अत्यधिक दस्तावेजों की मांग से आम लोग परेशान हैं। इस पर विधायक ने प्रक्रिया को सरल बनाने और तकनीकी त्रुटियों का समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा पेयजल और बिजली की समस्याएं भी लोगों ने प्रमुखता से उठाईं। विधायक ने संबंधित विभागों को जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा। मौके पर सीओ सुमित कुमार झा, बीडीओ चंदन प्रसाद, इंस्पेक्टर अशोक कुमार, प्रमुख मनीषा उरांव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

भाजपाइयों ने एक दिवसीय धरना दिया, सरकार पर किसान विरोधी नीतियों का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। मनिका प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से एक दिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया। धरने की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मंदीप कुमार ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष पंकज सिंह तथा जिला कोषाध्यक्ष विष्णुदेव गुप्ता बतौर प्रभारी उपस्थित रहे। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि राज्य सरकार किसानों, गरीबों और युवाओं के हितों की लगातार अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी। उन्होंने सरकार से किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान, धान खरीद प्रक्रिया में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा किसानों को उचित समर्थन मूल्य उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और जनसमस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनिका प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें किसानों को 3200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य, एमएसपी में 50 प्रतिशत वृद्धि, कृषि कार्य में मुफ्त बिजली तथा 1 रुपये में पशुधन बीमा जैसी मांगें शामिल थीं। धरने में जिला सदस्य लव कुमार दुबे, कौशल किशोर प्रसाद, जयराम राय, विश्वनाथ राय, शंकर दुबे, गंगा यादव, शंभू प्रसाद, अर्जुन यादव, पूर्व प्रमुख गायत्री देवी, पंचायत समिति सदस्य कोपे उषा देवी, विकास तिवारी, बबन कुमार पासवान, दरोगी यादव, गंगेश्वर प्रसाद यादव, टेटर राम, हरिचरण यादव, पचू प्रसाद, मुकेश राय, कृष्णा प्रजापति, बिनेश्वर लोहरा, नगेंद्र यादव, राकेश कुमार सिंह, अरविंद कुमार गुप्ता, प्रेमनाथ यादव, सरयू यादव, महेंद्र राम, गिरधारी मिस्त्री, फुलदेव सिंह, मनु सिंह, विजय सिंह, संतोष यादव, महेंद्र लोहरा, बिट्टू गुप्ता, अरुण कुमार ठाकुर, लव कुमार यादव, उमेश पासवान, मंडल महामंत्री संदीप उरांव, अंकित कुमार गोलू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

कम बारिश की संभावना को देखते हुए किसानों को तैयारी की सलाह

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला मुख्यालय स्थित कीनामाड़ के मत्स्य हेचरी सभागार में कृषि विभाग के तत्वावधान में खरीफ फसल को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इसमें कृषि पदाधिकारी, वैज्ञानिक और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। कार्यशाला में जिला कृषि पदाधिकारी नेहा निश्चल ने कहा कि इस वर्ष मानसून में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है, जिससे सूखे जैसी स्थिति बन सकती है। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग ने अल नीनो प्रभाव के कारण कम वर्षा का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि विभाग पहले से ही तैयारी कर रहा है ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी प्रखंडों में कार्ययोजना तैयार की जा रही है। किसानों को समय पर बीज, तकनीकी जानकारी और संसाधन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने अधिकारियों से किसानों के हित में गंभीरता से काम करने की अपील की। भूमि संरक्षण पदाधिकारी ने धान की उपयुक्त किस्मों और सूखे से निपटने के उपायों की जानकारी दी। कार्यशाला में पशुपालन पदाधिकारी सुषमा प्रधिया, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि गौरव दास, श्रवण कुमार, बिरसा मुंडा, भोला राम, चंदन कुमार तथा बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची के वैज्ञानिक समेत सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

चंदवा में गायत्री शक्तिपीठ का 28वां वार्षिकोत्सव शुरू

● मंगल कलश शोभायात्रा से भक्तिमय हुआ माहौल, जयघोष से गूंजा नगर

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में बुधवार को चंदवा गायत्री शक्तिपीठ का 28वां वार्षिकोत्सव भव्य मंगल कलश शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ। अखिल विश्व गायत्री परिवार की स्थानीय शाखा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद निकली कलश यात्रा में महिलाएं और युवतियां पीले वस्त्र पहन सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं, जबकि पुरुष श्रद्धालु झंडा और बैनर के साथ चल रहे थे। "गायत्री माता की जय" और "हम बदलेंगे, युग बदलेगा" जैसे जयघोषों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

शोभायात्रा गायत्री शक्तिपीठ से निकलकर इंदिरा गांधी चौक होते हुए देवनाथ नदी तट पहुंची, जहां विधि-विधान से जल पूजन किया गया। इसके बाद कलश में जल भरकर पुनः शक्तिपीठ लाया गया और आरती के साथ स्थापना की गई।

यात्रा में विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम में चंदवा, बालूमाथ और सेरेगड़ा समेत आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मौके पर लाल प्रदीप नाथ नामदेव, राजेश चंद्र पांडेय, देवेंद्र प्रसाद, संतोष कुमार सिन्हा सहित कई लोग मौजूद रहे।

हेरहंज में हनुमान मंदिर वार्षिक महोत्सव जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा क्षेत्र

नवीन मेल संवाददाता

हेरहंज। बस स्टैंड घूरे चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर के प्रथम वार्षिक महोत्सव के अवसर पर मंगलवार को पूरा क्षेत्र भक्ति भाव में डूब गया। भव्य कलश यात्रा, महाआरती, भंडारा और सुंदरकांड पाठ के आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे परिसर में देर रात तक जय श्रीराम और जय बजरंगबली के उद्घोष गूंजते रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें महिलाओं और श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के बीच यात्रा पूरे उत्साह के साथ निकाली गई। शाम को महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच भंडारा वितरण किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कथावाचक रामवृक्ष शास्त्री जी एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत संगीतमय सुंदरकांड पाठ रहा। उनके भजनों और चौपाइयों ने पूरे माहौल को भक्ति रस से भर दिया। श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में लीन रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संतोष यादव उपस्थित रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष रूपेंद्र जायसवाल ने उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। साथ ही समिति की ओर से कथावाचक रामवृक्ष शास्त्री जी एवं उनकी टीम का भी सम्मान किया गया। महोत्सव को सफल बनाने में मंदिर समिति के अध्यक्ष रूपेंद्र जायसवाल, मनीष जायसवाल, प्रवीण यादव, श्रीधरकांत जायसवाल, विनय वर्मा, अरविंद यादव, प्रमोद जायसवाल, विजय शंकर साहू, चंद्रकांत जायसवाल, राजेंद्र यादव, पिंटू यादव, श्यामलाल गोस्वामी, गुड्डू वर्मा, संदीप साहू, डब्लू, नवीन कुमार गुप्ता, विकास कुमार सहित सभी सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। इसके अलावा पूर्व मंडल अध्यक्ष यदुनंदन प्रसाद, वर्तमान मंडल अध्यक्ष कैलाश कुमार ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दृष्टिपात

पुलिस अधीक्षक ने कोने और ओरिया पिकेट का किया औचक निरीक्षण

लातेहार। जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बुधवार को आईआरबी-4 कोने पिकेट एवं जैप-7 ओरिया पिकेट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जवानों की तैनाती, संतरी पोस्ट और सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने पदाधिकारियों और जवानों को सतर्क और अलर्ट रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही जवानों की बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा की गई और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। एसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा की गई और जवानों को हर परिस्थिति में मुस्तैदी से ड्यूटी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

गिद्धौर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 90 दिवसीय आउटरीच अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर में बाल विवाह, घरेलू हिंसा, डायन प्रथा, बाल श्रम और धूम्रपान जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज को इन बुराइयों से मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन अधिकार मित्र शंभु राणा, पवन कुमार, तापेश्वर कुमार यादव और सुरेश प्रसाद राणा ने किया। स्वास्थ्यकर्मियों ने भी लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। मौके पर बीटीटी संतोष प्रसाद, सहिया साथी रंगीना देवी, सहिया सीमा कुमारी सहित कई लोग मौजूद थे।

गिद्धौर में 40 हेक्टेयर में होगा पौधरोपण

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र में वन विभाग की ओर से बड़े पैमाने पर पौधारोपण की तैयारी शुरू कर दी गई है। विभाग इस वर्ष करीब 40 हेक्टेयर भूमि में लगभग 70 हजार पौधे लगाने की योजना पर काम कर रहा है। धोबिनियां गढ़ा, बलरी और सिंदुआरिया टांड़ समेत कई स्थानों पर गड्ढों की खुदाई का काम तेज कर दिया गया है। पौधारोपण से पहले ट्रेंच निर्माण का कार्य भी कराया जा चुका है। वन विभाग के कर्मियों ने बताया कि इस अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। पिछले वर्ष भी सड़क किनारे और वन क्षेत्र में पौधारोपण किया गया था। विभाग का कहना है कि पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण के साथ क्षेत्र की हरियाली भी बढ़ेगी। साथ ही लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा होगी।

जेसीबी ऑपरेटर यूनियन की बैठक में मजदूरी दर तय

कुंदा। कुंदा बाजार टांड स्थित देवी मंडप प्रांगण में बुधवार को जेसीबी ऑपरेटर यूनियन की बैठक हुई। बैठक में ऑपरेटरों की मजदूरी और काम की शर्तों को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष मनोज यादव ने की। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि अब जेसीबी ऑपरेटरों को मासिक 22 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा। वहीं दैनिक मजदूरी पर काम करने वाले ऑपरेटरों को प्रतिदिन एक हजार रुपये भुगतान करने का निर्णय लिया गया। यूनियन ने साफ कहा कि तय दर से कम पर कोई भी ऑपरेटर काम नहीं करेगा। यूनियन अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई और जोखिम भरे काम को देखते हुए मजदूरी बढ़ाना जरूरी था। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेटरों को भी पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। मशीन की देखभाल और समय की पाबंदी का पालन करना जरूरी है। बैठक में मौजूद ऑपरेटरों और वाहन मालिकों ने यूनियन के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई मालिक तय मजदूरी से कम भुगतान करेगा तो उसका सामूहिक विरोध किया जाएगा। मौके पर कई जेसीबी ऑपरेटर और वाहन मालिक मौजूद थे।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से लोग बेहाल

महुआडांड़। भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली कटौती से महुआडांड़ के लोग परेशान हैं। क्षेत्र में रोजाना 6 से 7 घंटे तक बिजली गुल रहने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दिन हो या रात, अनियमित बिजली आपूर्ति ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार बिजली जाने से घरों में पंखा, कूलर, मोबाइल चार्जिंग और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को उठानी पड़ रही है। कई इलाकों में रातभर बिजली नहीं रहने से लोगों की नींद भी पूरी नहीं हो पा रही है। बिजली संकट का असर कारोबार और पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि बिना किसी सूचना के घंटों बिजली काट दी जाती है, जिससे रोजमर्रा का काम प्रभावित होता है। वहीं विद्यार्थियों को भी पढ़ाई में दिक्कत हो रही है। लोगों ने बिजली विभाग से जल्द स्थायी समाधान निकालने और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। लगातार हो रही कटौती को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

आजीविका महिला समिति की वार्षिक आमसभा में आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर

बारियातू। प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला समूहों की सदस्याएं शामिल हुईं। मुख्य अतिथि के रूप में अंचलाधिकारी कोकिला कुमारी, प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी और पंचायत समिति सदस्य सोनी देवी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत के साथ हुई। मंच संचालन एफएल सीआरपी सबिता देवी ने किया। इस दौरान जेएसएलपीएस से जुड़े अधिकारी और विभिन्न महिला समूहों की सदस्याएं मौजूद थीं। आमसभा में समिति की वार्षिक गतिविधियों और वित्तीय रिपोर्ट को रखा गया। लेखापाल सुमित्रा देवी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि समिति की कुल सकल आय करीब 15 लाख 14 हजार रुपये रही। अतिथियों ने महिलाओं के आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। बैठक में समिति के बेहतर संचालन के लिए निदेशक मंडल का पुनर्गठन भी किया गया। मौके पर सीएलएफ मैनेजर ज्योति कुमारी, अध्यक्ष फुल कुमारी देवी, सचिव गीता देवी, कोषाध्यक्ष संजू देवी समेत कई सक्रिय सदस्याएं मौजूद रहीं।

महिलाओं की भागीदारी से ही समाज मजबूत होगा : रामचंद्र सिंह

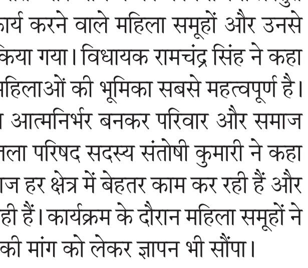

लातेहार। बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय स्थित कौशल भवन सभागार में नारी शक्ति आजीविका संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वालंबी सहकारिता समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विधायक सह सभापति रामचंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ जिला परिषद सदस्य संतोषी कुमारी, बीडीओ रेखा रेशमा मिंज और बीस सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी समेत कई लोग मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत महिला समूह की सदस्यों द्वारा पारंपरिक स्वागत से हुई। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर आमसभा का उद्घाटन किया गया। इस दौरान समिति की ओर से बीते वर्ष का लेखा-जोखा, योजनाओं की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिला समूहों और उनसे जुड़े कर्मियों को सम्मानित भी किया गया। विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि समाज में बदलाव लाने में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज आत्मनिर्भर बनकर परिवार और समाज दोनों को नई दिशा दे रही हैं। जिला परिषद सदस्य संतोषी कुमारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आज हर क्षेत्र में बेहतर काम कर रही हैं और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रही हैं। कार्यक्रम के दौरान महिला समूहों ने कार्यालय कक्ष उपलब्ध कराने की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा।

भंडरा में ईंधन संकट गहराया: बुवाई सीजन में थमे ट्रैक्टरों के पहिए, किसान बेहाल

- दोपहर होते-होते सूखा पेट्रोल पंप, किसानों और आम जनता में भारी आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा/लोहरदगा। क्षेत्र में डीजल-पेट्रोल की किल्लत ने अब विकराल रूप ले लिया है। बुधवार को स्थानीय इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर सुबह से ही ईंधन के लिए हाहाकार मचा रहा। सुबह सात बजे से ही पंप पर ट्रैक्टर, ट्रॉली, बाइक और ऑटो की एक किलोमीटर से ज्यादा लंबी कतार लग गई थी। दोपहर होते-होते स्थिति इस कदर बेकाबू हुई कि कानून-व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस बल को तैनात करना पड़ा। हालांकि, दोपहर करीब 1 बजे पंप पर डीजल-पेट्रोल का स्टॉक पूरी तरह खत्म घोषित कर दिया गया, जिसके बाद घंटों से लाइन में खड़े सैकड़ों लोग मायूस होकर बैरंग लौट गए। ईंधन संकट की सबसे बड़ी मार खेती-किसानी पर पड़ रही है।

लाइन में खड़े आक्रोशित किसानों ने बताया कि बुवाई का सीजन सिर पर है, लेकिन डीजल न मिलने के कारण उनके ट्रैक्टर खड़े हो गए हैं। ईंधन के अभाव में किसान अपनी सब्जियां और फल मुख्य मंडी तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। संकट का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई किसान तो मंगलवार की रात से ही पंप के बाहर डेरा डाले हुए थे।

ठप हुआ परिवहन, व्यापार और स्कूली बच्चे प्रभावित

ईंधन की किल्लत के कारण क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ऑटो-टेंपो के पहिए थमने से स्कूली बच्चे और दैनिक यात्री मीलों पैदल चलने को मजबूर हैं। वहीं, माल ढुलाई ठप होने से स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों का कारोबार चौपट होने की कगार पर पहुंच गया है।

कालाबाजारी का आरोप

स्टॉक खत्म होने की घोषणा के बाद पंप परिसर में अफरा-तफरी मच गई और लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों और उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि पंप पर सीमित मात्रा में तेल दिए जाने के बावजूद इत नी जल्दी स्टॉक खत्म होना मिलीभगत और ब्लैक मार्केटिंग (कालाबाजारी) की ओर इशारा करता है।

ऑनलाइन डिजिटल ई-फार्मेसी के विरोध में बंद रहीं सिमडेगा की दवा दुकाने

सिमडेगा। झारखंड केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को सिमडेगा जिले सहित पूरे झारखंड में दवा दुकानदारों ने एकदिवसीय बंद रखा। जिले की सभी दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। यह राष्ट्रव्यापी हड़ताल ऑनलाइन डिजिटल ई-फार्मेसी की मनमानी,भारी छूट एवं बिना वैध जांच के दवाइयों की बिक्री के विरोध में की गई। दवा व्यवसायियों का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री से नियमों का उल्लंघन हो रहा है,जिससे आम लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ सकता है। हालांकि मरीजों की परेशानी को देखते हुए सिमडेगा जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संघ ने आपात्कालीन सेवा जारी रखी है। संघ द्वारा सिमडेगा जिले सहित सभी प्रखंडों के लिए मोबाइल नंबर जारी किया गया है,ताकि जरूरतमंद मरीज फोन कर आवश्यक दवाइयां प्राप्त कर सकें। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष पवन कुमार मित्तल ने कहा कि जिले में बंद पूर्णतः सफल है।

ऑनलाइन और अवैध ई-फार्मेसी के विरोध में लोहरदगा की दवा दुकानें बंद

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। ऑनलाइन फार्मेसी और अवैध ई-फार्मेसी गतिविधियों के विरोध में बुधवार को लोहरदगा जिले की सभी दवा दुकानें बंद रहीं। देशभर में दवा विक्रेताओं के शीर्ष संगठन द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी बंद का असर जिले में भी देखने को मिला। जिले के दवा व्यवसायियों ने इस बंद का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार से अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रजिस्ट (AIOCD) के राष्ट्रव्यापी बंद के आह्वान पर जिले के दवा व्यवसायियों ने एकजुटता दिखाते हुए अपनी दुकानें बंद रखीं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मेडिकल स्टोर बंद रहने से आम लोगों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, हालांकि दवा व्यवसायियों ने आपातकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मरीजों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित किया है। केमिस्ट एंड ड्रजिस्ट एसोसिएशन के जिला सचिव पवन गौतम ने कहा कि, अनियंत्रित रूप से बढ़ रही ई-फार्मेसी गतिविधियां न केवल स्थानीय दवा व्यवसाय को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि आम जनता के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। कहा कि, कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना पर्याप्त निगरानी और तय नियमों के दवाओं की बिक्री कर रहे हैं। जिससे गलत दवा मिलने, एक्सपायरी दवाओं की आपूर्ति और दवाओं के दुष्प्रभाव की आशंका बढ़ जाती है।

जिला में कहीं भी अफीम की खेती नहीं हो: डीसी

- सीओटीपीए अधिनियम के तहत हो कार्रवाई
- जिला के सभी दवा दुकानों में हो प्रतिबंधित कफ सीरप की जांच
- उपायुक्त ने एनसीओआरडी की जिला स्तरीय समिति की बैठक में दिये पदाधिकारियों को निदेश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में एनसीओआरडी की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों व थाना प्रभारियों को सख्त निदेश दिया कि किसी भी परिस्थिति में किसी अंचल व थाना क्षेत्र में अफीम की खेती नहीं होना चाहिए। अगर अफीम की खेती की सूचना प्राप्त होती है तो इसकी सूचना तुरंत वरीय पदाधिकारियों को दें। साथ ही, कड़ी कार्रवाई भी सुनिश्चित करें। लगातार जांच अभियान चलाएं। उपायुक्त ने निदेश दिया कि शहरी क्षेत्र में नशापान के हॉट-स्पॉट को चिन्हित करते हुए जांच अभियान चलायें और कड़ी कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने अनुमण्डल पदाधिकारी व जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया कि मादक पदार्थों के सेवन से होनेवाले नुकसान व विभिन्न कानूनी कार्रवाईयों की जानकारी जिला के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को दी जाए। लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए ताकि आगामी पीढ़ी को नशे की लत से दूर रखा जा सके। जिला औषधि निरीक्षक को निदेश दिया गया कि जिला के सभी दवा दुकानों में प्रतिबंधित कफ सीरप के बिक्री व भण्डारण की जांच होनी चाहिए। अगर कोई ऐसा कर रहे हैं तो संबंधित पर कार्रवाई की जाए। प्रतिमाह में दुकानों के जांच की संख्या बढ़ाएं। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को जिला में नियमित रूप से प्रतिबंधित पान मसालों के बिक्री व भण्डारण की जांच किये जाने, आर्थिक दण्ड लगाये जाने का भी निदेश दिया गया। सिविल सर्जन लोहरदगा को अधिनियम के अंतर्गत स्कूल/कॉलेजों के आसपास सिगरेट व तंबाकू उत्पाद के बिक्री व भण्डारण करनेवाले दुकानदारों पर कार्रवाई व आर्थिक दण्ड लगाये जाने का निदेश दिया। सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को भी अपने-अपने प्रखण्ड क्षेत्र में जांच अभियान चलाने का निदेश दिया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नियमित रूप से नशीले व मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने, नशामुक्त पंचायत के तहत कार्य करने का निदेश दिया गया। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को भी नगर परिषद क्षेत्र में नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने का निदेश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, डालसा सचिव मनोरंजन कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी आलोका कुमारी चौधरी, जिला औषधि निरीक्षण, जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी समेत सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

लोगों को समय-समय पर पानी और ओआरएस का सेवन करना चाहिए : मनोरंजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झालसा, रांची के निर्देशानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा लोहरदगा राजकमल मिश्रा के आदेशानुसार डालसा के द्वारा तप्ती गर्मी के बीच लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से पानी की बोतल और ओआरएस घोल का वितरण 19.5.2026 को विभिन्न स्थानों पर किया गया। इस दौरान ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात पुलिस बल, रिक्शा चालक, स्कूली बच्चे, सब्जी व फल विक्रेता, राहगीर सहित अन्य लोगों के बीच पानी की बोतल और ओआरएस घोल का वितरण किया गया। वहीं डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि वर्तमान में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लू और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ गया है. ऐसे में लोगों को समय-समय पर पानी और ओआरएस का सेवन करना चाहिए। उन्होंने आमजनों से अपील की कि धूप में बाहर निकलने से बचें और आवश्यकता होने पर सिर ढक कर बाहर जायें। उन्होंने कहा कि डालसा अंतर्गत कार्यरत सभी पीएलवी को अपने कार्य क्षेत्र में विधिक जागरूकता के साथ लोगों को गर्मी से बचाव व लू से बचने को लेकर जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार केवल न्यायिक सहायता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर भी सक्रिय रूप से कार्य करता है। वहीं पीएलवी ने भी लोगों को गर्मी को देखते हुए अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखने की बात कही। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, अनावश्यक धूप में नहीं निकलने, निकलने पर सर पर कपड़ा, टोपी आदि का प्रयोग करने की बात कही।

निर्वाचन कार्यों में लापरवाही पर मूल सेवा से निष्कासन की चेतावनी

दोहरे मतदाताओं पर होगी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उप निर्वाचन प दाधिकारी प्रमोद दास की अध्यक्षता और निर्वाचक निबंधन प दाधिकारी की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों और बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ 'ए स आ ईआर' से संबंधित कार्यों की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान लापरवाही बर तने वाले कर्मियों को सख्त हि दा यत दी गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कई सुपरवाइजरों का मैपिंग प्र तिशत बेहद कम है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में मैपिंग की स्थिति काफी निराशाजनक है। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उप निर्वाचन पदाधिकारी ने वैसे सभी सुपरवाइजरों को अगले 2 दिनों के भीतर मैपिंग का प्रतिशत हर हाल में बढ़ाने का कड़ा निर्देश दिया है। अनुमंडल पदाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया कि वैसे मतदाता जिन्होंने दो अलग-अलग स्थानों पर अपना नाम दर्ज करा रखा है, उन्हें चिह्नित कर उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बीएलओ के कामकाज की भी समीक्षा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि एसआईपी जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो बीएलओ कार्य में ढिलाई बरत रहे हैं, उन्हें अंतिम रूप से सचेत किया जाए कि चुनाव जैसे राष्ट्रीय कार्य में लापरवाही मिलने पर उन्हें उनकी मूल नौकरी (मूल कार्यों) से भी निष्कासित (सस्पेंड/बर्खास्त) किया जा सकता है। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में जिले के सभी संबंधित अंचल अधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी सहित सभी संबंधित सुपरवाइजर और निर्वाचन शाखा के कर्मी मुख्य रूप

पीएमश्री उच्च विद्यालय डांडू में तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के चितरी डांडू पंचायत अंतर्गत पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय डांडू में 19 मई से विद्यार्थियों के लिये तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया.आयोजित समर कैंप में कक्षा 01 से 05 तक के विद्यार्थियों के बीच छोटी दौड़,योगा अभ्यास, मेंढक दौड़,बैलेंस गेम, तीन टांग दौड़ तथा झारखण्ड की संस्कृति से जुड़े मिट्टी,कागज और लकड़ी से बने वस्तुओं का निर्माण,क्षेत्रीय जनजातीय भाषा सहित विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.वही कक्षा 06 से 0 8तक के छात्र छात्रओं के लिये योग अभ्यास,रिले रेस,दौड़,रस्सी कूद,रोल प्ले,खरीदारी करना, रेस्तरां से भोजन की वस्तु ऑर्डर करना तथा वर्ग 09 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिये दौड़,योग अभ्यास,पूसप,सीटप,
स्किपिंग,फ्लैक और बस,ऑटो चालकों तथा स्थानीय नागरिकों के साथ आत्मीयता के साथ व्यवहार करने के बारे में साथ ही अन्य गति विधियों का बारे में भी आयोजित समर कैंप के माध्यम से शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा छात्र छात्राओं को बताया गया.वही आयोजित समर कैंप का संचालन पिरामल फाउंडेशन के अंकिता सोनी के द्वारा संचालन किया गया.जिसे उत्साह के साथ विद्यार्थियों ने समर कैंप में भाग लिया.मौके पर प्रधानाध्यापक मनीष कुमार अग्रवाल,अवधेश कुमार यादव,संगीता कुमारी,सुनील खलखो,मोहन राम,इस्मत

किसान योजना के साथ खिलवाड़, भाजपाइयों ने राज्य सरकार के प्रति जतायी नाराजगी

सेन्हा-लोहरदगा। झारखंड राज्य में बढ़ते भ्रस्टाचार को देखते हुए विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश कमिटी के निर्देश पर प्रखंड अध्यक्ष नवल साहू के नेतृत्व मर सेन्हा प्रखंड परिसर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया.प्रखंड अध्यक्ष नवल साहू ने कहा कि झारखंड राज्य में किसान उत्थान हेतु विभिन्न योजनाओं को दर किनार करने तथा मनमानी रूप से राज्य को चलाने से जनता के साथ सभी विभाग में बुरा असर देखने को मिल रहा है. इन सभी तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के निर्देशानुसार सभी जिले के सभी प्रखंड में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आवाह्न किया है.जिसके आलोक में लोहरदगा जिला के सभी प्रखंडो में आयोजन किया जाना था. परंतु भारतीय जनता पार्टी के पूर्व लोहरदगा नगर अध्यक्ष की आकस्मिक निधन होने पर शांति पूर्ण तरीके से कार्यक्रम का आयोजन सेन्हा प्रखंड कार्यालय के समीप किया गया.धरना प्रदर्शन के पूर्व दो मिनट का मौन धारण कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए हेमंत सरकार के द्वारा किसान योजनाओं जैसे मुद्दों को दरकिनार किए जाने पर भाजपाइयों ने आपत्ति जताते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी सेन्हा को ज्ञापन सौपा धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रखंड,पंचायत एवं बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से आवाज बुलंद किया और किसानों को मिलने वाली लाभ को लागू करने का मांग किया गया. मौके पर श्रीकुंवर लोहाराभीम कुमार यादव, फूलदेव लोहारा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

लोहरदगा में मिलावटी खाद्य पदार्थों और प्रतिबंधित पान मसाला के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, कई दुकानों से लिए गए सैंपल

- निकोटिन की जांच के लिए कोलकाता भेजे गए पान मसाला के सैंपल

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के आदेश और उपायुक्त के निदेश पर बुधवार (20 मई) को जिले में खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर एक बड़ा अभियान चलाया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मोईन अख्तर के नेतृत्व में टीम ने शहर के विभिन्न किराना दुकानों, थोक व खुदरा व्यापारियों, जनरल स्टोरों और एजेंसियों में सघन छापेमारी की। इस दौरान निकोटिन युक्त प्रतिबंधित पान मसाला से लेकर दैनिक उपयोग के खाद्य पदार्थों के वैधानिक नमूने (सैंपल) जब्त किए गए। छापेमारी के दौरान निकोटिन और तंबाकू युक्त पान मसाला की बिक्री के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया गया। टीम ने मेसर्स प्रिंस स्टोर से सिग्नेचर और वि म ल पान मसाला, मेसर्स सजु स्टोर से कमला पसंद तथा कुछ अन्य प्रतिष्ठानों से 'चुटकी फुल फन' मा उथ फ्रेशनर के नमूने एकत्र किए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि इन सभी नमूनों को निकोटिन की उपस्थिति की बारीकी से जांच के लिए एफएसएसएआई द्वारा संचालित राष्ट्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कोलकाता भेजा जा रहा है।

पतंजलि आरोग्य केंद्र सहित कई प्रतिष्ठानों पर जांच, रांची भेजी जाएगी रिपोर्ट पान मसाला के अलावा आम जनता की सेहत से जुड़े अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता भी जांची गई। इसी क्रम में मेसर्स पतंजलि आरोग्य केंद्र (न्यू रोड) से बेसन का सैंपल लिया गया। मेसर्स राजेश कुमार अग्रवा ल किराना दुकान (मिशन चौक) से चॉकलेट और दलिया का नमूना जब्त किया गया। मेसर्स प्रिशा ट्रेडर्स से फूड कलर और मिक्स अचार के वैधानिक नमूने लिए गए। इन सभी खाद्य पदार्थों के नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, नामकुम (रांची) भेजा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, खाद्य विश्लेषक की रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने खुद सड़कों पर सिविल ड्रेस में उतरे एसपी सादिक रिजवी

- जमीनी हकीकत जानने के लिए पुलिस कप्तान ने रात में शहर का निरीक्षण किया

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में मंगलवार की रात सुरक्षा व्यवस्था का एक अलग ही चेहरा देखने को मिला। जिले के पुलिस कप्तान सादिक अनवर रिजवी खुद सिविल ड्रेस में शहर की सड़कों पर उतर पड़े। न कोई औपचारिकता, न कोई दिखावा, बल्कि सीधे जमीनी हकीकत जानने के लिए पुलिस कप्तान ने रात में शहर का निरीक्षण किया। इस दौरान शहर में पुलिस की सक्रियता और सख्ती साफ तौर पर नजर आई। जिले में कानून व्यवस्था, नशा तस्करी और देर रात संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पुलिस सतर्क नजर आ रही है। जब जिले का पुलिस कप्तान खुद रात में शहर की व्यवस्था देखने निकल रहा है, तो इसका सीधा संदेश यह है कि अब हर गतिविधि पर गंभीर निगरानी रखी जा रही है। रात में सबसे पहले पुलिस कप्तान लोहरदगा सदर थाना पहुंचे। यहां उन्होंने थाना परिसर, रात्रि ड्यूटी व्यवस्था, रात्रि गश्ती और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की कार्यशैली का निरीक्षण किया। थाना में मौजूद अधिकारियों और जवानों को सख्त निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि रात के समय शहर के हर इलाके में पुलिस की मौजूदगी महसूस होनी चाहिए। आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए और किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। सदर थाना से निकलने के बाद पुलिस कप्तान शहर के विभिन्न होटल, लॉज और ढाबों तक पहुंचे। यहां उन्होंने खुद जांच कर यह देखा कि कहीं अवैध शराब, गांजा, अफीम या अन्य नशीले पदार्थों का कारोबार तो नहीं चल रहा है। होटल और ढाबा संचालकों को भी साफ शब्दों में चेतावनी दी गई कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इसके बाद पुलिस कप्तान शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और मुख्य मार्गों में पहुंचे। रात में अनावश्यक रूप से सड़कों पर घूम रहे लोगों को रोककर पूछताछ की गई और जमकर फटकार लगाई गई। पुलिस कप्तान ने साफ कहा कि बिना किसी जरूरी कारण के देर रात सड़कों पर घूमने वालों पर पुलिस की कड़ी निगरानी रहेगी। इस पूरी कार्रवाई के दौरान एक बात साफ तौर पर दिखाई दी कि अब व्यवस्था को केवल दफ्तरों से नहीं, बल्कि सड़कों पर उतरकर मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

बिशु सेंदरा कार्यक्रम में गूंजा आदिवासी एकता और संस्कृति संरक्षण का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

लोह र दगा। जिला राजी पड़हा व्य वस्था लोहरदगा के बैनर तले से न्हा प्रखंड के झालजमीरा स्थित जामुन डीपा टाना टोली में पारंपरिक बि शु सेंदरा कार्यक्रम का भव्य आयो जन किया गया। कार्यक्रम में जिले के 34 पड़हा से बड़ी संख्या में पाहन, पुजार, महतो, गौरव, जेठ रैयत, पारंपरिक अगुवा एवं आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। पूरे आयोजन में आदिवासी संस्कृति, परंपरा, सामाजिक एकता और पारंपरिक व्यवस्था की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम को लेकर समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत घर-द्वार त्याग कर दो दिनों से जंगल में रह रहे लोगों और डेरा का भ्रमण कर उनके हालचाल जानने से हुई। इसके बाद पारंपरिक विधि-विधान के साथ समाज के अगुवाओं का सम्मान किया गया। पाहन, पुजार, महतो, गौरव एवं जेठरैयत सहित अन्य पारंपरिक पदाधिकारियों को गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा, रीति-रिवाज और सामाजिक परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। जिला राजी पड़हा व्यवस्था के जिला बेल लक्ष्मी नारायण भगत ने कहा कि आदिवासी समाज की एकता और पारंपरिक व्यवस्था को मजबूत करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पड़हा व्यवस्था आदिवासी समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान है और इसे बचाए रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से समाज को सही दिशा देने, सामाजिक कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा समाज में आपसी समन्वय बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में धार्मिक एवं गैरमजरूआ जमीन से जुड़े मामलों, गांवों की समस्याओं, अधिकारियों के साथ समन्वय, आदिवासी सहयोगी संगठनों की भूमिका तथा समाज की पारंपरिक कानून व्यवस्था को मजबूत करने जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए, जिन पर चर्चा के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि आधुनिकता और बदलती जीवनशैली के इस दौर में आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति और परंपरा को बचाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि समाज की पहचान उसकी मातृभाषा, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक विरासत से होती है। यदि नई पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर हो जाएगी तो समाज की मूल पहचान कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए युवाओं को अपनी परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ना जरूरी है। जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव ने कहा कि पड़हा व्यवस्था आदिवासी समाज की रीढ़ है।

दृष्टिपात

योग दिवस की तैयारी में जुटे योगगुरु स्कूलों में कराया जा रहा अभ्यास

सिसई (गुमला)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में योगाभ्यास कराया जा रहा है। योगगुरु गजराज महतो स्कूलों का दौरा कर विद्यार्थियों को योग के प्रति जागरूक कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने राजकीयकृत संत तुलसीदास +2 उच्च विद्यालय और राजकीयकृत प्राथमिक मध्य विद्यालय, सिसई में छात्रों को विभिन्न योगासन कराए। आयुष मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार योगाभ्यास कराते हुए उन्होंने कहा कि 21 जून को पूरा विश्व योग करेगा। स्वस्थ शरीर और दीर्घायु जीवन के लिए योग जरूरी है, इसलिए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है और दवाइयों पर निर्भरता कम होती है। योग भारतीय ऋषि-मुनियों की प्राचीन परंपरा है, जो तन और मन दोनों को स्वस्थ रखने में सहायक है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाजपा का धरना

घाघरा। किसानों की समस्याओं और राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल के नाम ज्ञापन बीडीओ दिनेश कुमार को सौंपा गया। ज्ञापन में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3200 रुपये प्रति क्विंटल करने, मुफ्त बिजली, सस्ते बीज-खाद और एक रुपये में फसल बीमा जैसी मांगों का उल्लेख किया गया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों से किए गए वादे पूरा करने में विफल रही है। धरना को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि धान क्रय केंद्र समय पर नहीं खुलते और किसानों का भुगतान भी लंबित है। हाल की बारिश और ओलावृष्टि से फसल नुकसान का मुद्दा भी उठाया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष आशीष सोनी, भीखारी भगत, प्रदीप प्रसाद, श्याम किशोर पाठक, अमित ठाकुर, सुशीत गोस्वामी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सघन जांच अभियान में 1.23 लाख रुपये जुर्माना वसूला

गुमला। सड़क सुरक्षा को लेकर जिला परिवहन विभाग ने सिसई-भरनो मुख्य मार्ग पर बुधवार को सघन जांच अभियान चलाया। उपायुक्त दिलेश्वर महतो के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के नेतृत्व में वाहनों की जांच की गई। इस दौरान अधिभार, बिना कागजात, बिना हेलमेट और नियमों के उल्लंघन के मामलों में कुल एक लाख 23 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। जांच के दौरान बिना परमिट, फिटनेस और बीमा वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। साथ ही रात में अवैध एलईडी लाइट और नंबर प्लेट छिपाकर चलने वाले वाहनों को भी पकड़ा गया। डीटीओ ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना है। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

तेतरडीपा पहुंचे उपायुक्त, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महतो बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान गुमला प्रखंड की घटगांव पंचायत स्थित सुदूरवर्ती गांव तेतरडीपा पहुंचे। यहां आयोजित जनभागीदारी कार्यक्रम में उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर विकास योजनाओं की समीक्षा की। 18 से 25 मई तक चल रहे विशेष अभियान के तहत उपायुक्त ने गांव की पेयजल, बिजली, आवास, स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने पेयजल और बिजली की समस्या प्रमुखता से रखी, जिस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर समाधान का निर्देश दिया। उन्होंने छूटे परिवारों को बिरसा आवास योजना और पेंशन योजनाओं से जोड़ने को कहा। आयुष्मान कार्ड निर्माण, स्वास्थ्य शिविर और युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा खराब सोलर लाइट की मरम्मत, बकरी पालन योजना और आंगनबाड़ी केंद्र में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मौके पर कई विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भरनो में बाइक और लुना की टक्कर, चार घायल

भरनो (गुमला)। एनएच-23 पर मिशन चौक के पास बुधवार शाम बाइक और लुना मोपेड की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार खरवागाढ़ा निवासी बादल पंडित अपने सात वर्षीय नाती के साथ लुना से जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार लोहरा उरांव और महू उरांव भी घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल बादल पंडित, उनके नाती और लोहरा उरांव को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला रेफर किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने मिशन चौक के आसपास यातायात व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

विश्व मधुमक्खी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों को बांटा गया शुद्ध मधु

गुमला। विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग रांची, कृषि विज्ञान केंद्र गुमला और विकास भारती बिशुनपुर के संयुक्त प्रयास से मधुमक्खी पालन एवं परागण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और किसानों को मधुमक्खियों के संरक्षण, वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन और खेती में इनके महत्व की जानकारी दी गई। इस दौरान करीब 185 विद्यार्थियों के बीच शुद्ध मधु का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र भगत ने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा में भी इनकी बड़ी भूमिका है। उन्होंने युवाओं से मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाने की अपील की। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अटल बिहारी तिवारी ने मधुमक्खियों की विभिन्न प्रजातियों, परागण प्रक्रिया और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर जानकारी दी। उन्होंने किसानों को रासायनिक दवाओं का कम इस्तेमाल करने और मधुमक्खी अनुकूल खेती अपनाने की सलाह दी।

खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच को लेकर गुमला में अभियान, कई होटलों और रेस्टोरेंट का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। उपायुक्त के निर्देश पर शहर में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच को लेकर बुधवार को सघन अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी ने किया। इसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना तथा खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना था। जांच के दौरान चूल्हनी रेस्टोरेंट, फन एंड फूड, ब्लूम, होटल श्रवण, होटल स्वाद और होटल सबेकर समेत कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। टीम ने खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, रसोईघर की साफ-सफाई, भंडारण व्यवस्था और कर्मचारियों की स्वच्छता की जांच की। प्रतिष्ठानों को रसोई और भंडारण स्थल की साफ-सफाई बनाए रखने तथा कर्मचारियों के लिए एप्रन, ग्लव्स और हेडकवर का उपयोग अनिवार्य करने का निर्देश दिया गया। अभियान के दौरान पनीर, रसगुल्ला और बुंदिया के नमूनों की जांच भी की गई, जो मानक के अनुरूप पाए गए। इसके अलावा पेयजल की गुणवत्ता, कीट नियंत्रण व्यवस्था, कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट और खाद्य लाइसेंस से जुड़े दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई। जिन प्रतिष्ठानों के कागजात अधूरे मिले, उन्हें निर्धारित समय में दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

दवा दुकानें बंद रहने से मरीज परेशान

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा। घाघरा में दवा दुकानों के बंद रहने से मरीजों और उनके परिजनों की परेशानी बढ़ गई है।
मेडिकल स्टोर बंद रहने के कारण लोगों को जरूरी दवाइयों के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक असर गंभीर मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों के इलाज पर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार ऑनलाइन दवा बिक्री समेत विभिन्न मांगों को लेकर दवा दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं।
अचानक मेडिकल स्टोर बंद होने से अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ देखी गई। कई लोगों को दवाइयों के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और जरूरत पड़ने पर हेल्पलाइन से संपर्क करने की अपील की है। इधर, मरीजों के परिजनों ने जल्द दवा दुकानें खुलवाने की मांग की है।

जंगली हाथी ने ग्रामीण का घर तोड़ा वन विभाग ने मुआवजे का भरोसा दिया

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। प्रखंड के कातिंग पंचायत अंतर्गत चितपुर गांव में बुधवार तड़के जंगली हाथी के उत्पात से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। हाथी ने गांव निवासी छोटेलाल तिर्की के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब साढ़े तीन बजे हाथी गांव में घुस आया और छोटेलाल तिर्की के मकान को तोड़ दिया। समय रहते परिवार के लोग बाहर निकल गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि घर में रखा अनाज और अन्य सामान नष्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का जायजा लिया। विभागीय कर्मियों ने पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधान के तहत जल्द मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों की निगरानी बढ़ाने और उन्हें जंगल की ओर खदेड़ने की मांग की है।

लायंस क्लब गुमला फैमिली का चार्टर नाइट समारोह संपन्न, नए पदाधिकारियों ने ली शपथ

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। लायंस क्लब गुमला फैमिली का चार्टर नाइट और पदस्थापन समारोह बुधवार को उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। समारोह में जिले और प्रांत के कई गणमान्य लोग, समाजसेवी और क्लब सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक गवर्नर संजय उपस्थित रहे। उनके साथ कंचन साहू, सुजीत कुमार, शंकर लाल जाजोदिया, अशोक जायसवाल और पूनम आनंद भी मौजूद थे। वक्ताओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रक्तदान और सेवा कार्यों में लायंस क्लब की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने कहा कि गुमला की लायंस फैमिली समाज सेवा में लगातार बेहतर काम कर रही है। समारोह में नए पदाधिकारियों ने शपथ ली। शिशिर गुप्ता को चार्टर प्रेसिडेंट, श्वेता गुप्ता को क्लब एडमिनिस्ट्रेटर, सुमित जाजोदिया को सचिव और अभिनंदन जायसवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। नव नियुक्त अध्यक्ष शिशिर गुप्ता ने कहा कि क्लब द्वारा स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन शिवानी और रंजीत गुप्ता ने किया।

पुनर्संरचना व्यवस्था के विरोध में एबीवीपी का प्रदर्शन

गुमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कार्तिक उरांव महाविद्यालय परिसर में "समूहिकरण एवं पुनर्संरचना प्रणाली" के विरोध में प्रदर्शन किया और पुतला दहन किया। परिषद ने आरोप लगाया कि नई व्यवस्था छात्रों के हित में नहीं है और इससे पढ़ाई प्रभावित होगी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने से विद्यार्थियों को अलग-अलग महाविद्यालयों में जाना पड़ेगा, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ेगा और नियमित पढ़ाई बाधित होगी। परिषद ने सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से इसे वापस लेने की मांग की। विभाग संयोजक ज्योतिष राम ने कहा कि शिक्षा सुधार के नाम पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

विद्यालय में पुलिस का जागरूकता अभियान बच्चों को कानून और सुरक्षा की दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। थाना पुलिस ने बुधवार को प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय करंज में जागरूकता अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं को कानून, सुरक्षा और सामाजिक अपराधों से बचाव की जानकारी दी। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी करण टुडू ने किया। इस दौरान बच्चों को पॉक्सो कानून, मानव तस्करी, डायल-112, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, अंधविश्वास और नशापान जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने कहा कि समाज में बढ़ते अपराधों से बचाव के लिए जागरूक होना जरूरी है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील भी की गई। सड़क सुरक्षा पर जोर देते हुए बच्चों को हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने और कम उम्र में वाहन नहीं चलाने की सलाह दी गई। साइबर अपराध से बचाव के लिए मोबाइल और इंटरनेट का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की जानकारी भी दी गई। थाना प्रभारी ने कहा कि शिक्षा ही बेहतर भविष्य की कुंजी है। बच्चों को अनुशासन और मेहनत के साथ पढ़ाई करने की प्रेरणा दी गई। विद्यालय परिवार ने इस अभियान को उपयोगी बताते हुए पुलिस विभाग की सराहना की। मौके पर एएसआई हरगोविंद सिंह मुंडा, प्रधानाध्यापक बिनेश्वर सोरेंग, शिक्षक, पुलिसकर्मी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

डिजिटल माध्यम से हो रहा मकान सूचीकरण, घर-घर पहुंच रही टीम

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना 2026-27 के पहले चरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इस चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना की जा रही है।
इस बार जनगणना कार्य को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। प्रगणक और पर्यवेक्षक गांव-गांव जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से जानकारी जुटा रहे हैं। इससे काम में तेजी आने के साथ त्रुटियों की संभावना भी कम हुई है।
प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को समय पर पूरा करने के लिए सभी कर्मी सक्रिय हैं। लोगों से अपील की गई है कि सर्वेक्षण टीम को सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य की योजनाएं बेहतर ढंग से तैयार की जा सकें। प्रखंड के दूरदराज क्षेत्रों में भी सर्वेक्षण दल लगातार काम कर रहे हैं और प्रशासन इसकी निगरानी कर रहा है।

एसआईआर को लेकर भरनो प्रखंड कार्यालय में बैठक, बीएलओ को दिए गए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। आगामी 30 जून से 29 जुलाई तक चलने वाले एसआईआर कार्यक्रम को लेकर बुधवार को भरनो प्रखंड कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने की।
बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, बीएलओ और सुपरवाइजर शामिल हुए। बीडीओ ने सभी कर्मियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने मतदाता सूची के शुद्धिकरण और अद्यतन कार्य में पारदर्शिता बरतने पर जोर दिया।
बैठक में अनमैपिंग वोटरों की समीक्षा की गई। साथ ही रिपोर्ट-1 और रिपोर्ट-2 तैयार करने तथा नेशनल हाउसिंग नंबर से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा हुई। बीएलओ को घर-घर जाकर सही जानकारी जुटाने और तय समय पर रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया।
बीडीओ ने बताया कि अब प्रपत्र-6 और प्रपत्र-8 के ऑनलाइन आवेदन में आधार कार्ड को पता और जन्मतिथि प्रमाण के रूप में मान्य नहीं किया जाएगा। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य दस्तावेजों का उपयोग करना होगा।
बैठक में मनिता कुमारी, बासुदेव राय, सुनीता कुमारी, सैयदा अहमदी, अभिषेक गुप्ता, मुरारी केशरी, मसही प्रकाश बड़ा, राजेंद्र उरांव सहित सभी बीएलओ और कर्मी मौजूद थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

गुमला। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मनीष कुमार समेत विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में दसवीं के प्रवीण कुमार, अनु कुमारी, आनवी अपूर्वा, अपूर्वी प्रसाद और अमन कुमार के साथ बारहवीं के अभिषेक कुमार, प्रियांशु कुमार, अनुप्रिया साहू, आंचल मेहता और सुरभि कुमारी को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मनीष कुमार ने कहा कि जीवन में निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण जरूरी है। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भी बच्चों को आगे बढ़ने और लगातार मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य जितेंद्र तिवारी ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन आचार्य सुदर्शन शर्मा ने किया।

प्रेम प्रसंग में युवक ने हाई टेंशन टावर से लटककर दी जान

भरनो (गुमला)। भरनो थाना क्षेत्र के चेटो परसा गांव निवासी 18 वर्षीय बिरसा उरांव ने कथित प्रेम प्रसंग के विवाद के बाद हाई टेंशन बिजली टावर से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना रांची जिले के बेड़ों थाना क्षेत्र स्थित कादोजोरा गांव के पास की है। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने बिजली टावर से युवक का शव लटकता देखा, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। हाई टेंशन लाइन होने के कारण पहले बिजली आपूर्ति बंद कराई गई, फिर सावधानी के साथ शव को नीचे उतारा गया।

सूचना

मेसर्स रूद्राक्ष मेटालिक्स के नाम से जिला पलामू के सतबरवा प्रखण्ड के मौजा चपरना खाता नं0 04,24 प्लौट नं0 174 (P), 179 (P), 180 (P) कुल रकबा 2 एकड़ 90 डी० क्षेत्र पर साधारण पत्थर उत्खनन हेतु पर्यावरण सहमति नं० **EC25C0107JH5751851N** फाईल नं० **EC/SEIAA/ 2024-2025/ 3495/2024** दिनांक 12.02.2025 को प्राप्त हुआ है।

मेसर्स रूद्राक्ष मेटालिक्स
सच्चिदानन्द सिंह
प्रोपराइटर

100 दिवसीय टीबी अभियान के तहत पुलिस लाइन में स्वास्थ्य शिविर, 83 पुलिस कर्मियों की हुई एक्स-रे जांच

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत चल रहे 100 दिवसीय टीबी अभियान के अंतर्गत बुधवार को गुमला के पुलिस लाइन चांदली में आयुष्मान आरोग्य शिविर सह विशेष टीबी जांच कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर सिविल सर्जन डॉ. शंभू नाथ चौधरी और जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कृष्णकांत मिश्रा के निर्देश पर लगाया गया।
कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस कर्मियों समेत संवेदनशील वर्गों में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संभावित मरीजों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करना था। शिविर में पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन के जरिए 83 महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मियों की ऑन-द-स्पॉट छाती की जांच की गई। जांच के दौरान संभावित मरीजों की पहचान कर आगे की चिकित्सीय प्रक्रिया शुरू करने की पहल की गई।
स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस लाइन में जल्द ही एक और विशेष शिविर लगाया जाएगा, जिसमें शेष पुलिस कर्मियों की जांच की जाएगी। इसके अलावा डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और बीएमआई जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में मौजूद पुलिस कर्मियों और अन्य लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और इलाज की जानकारी दी गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि लगातार दो सप्ताह तक खांसी, वजन घटना, बुखार, रात में पसीना आना और भूख कम लगना टीबी के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की सलाह दी गई।
अधिकारियों ने कहा कि टीबी पूरी तरह ठीक होने वाली बीमारी है और समय पर जांच व नियमित दवा सेवन से मरीज स्वस्थ हो सकता है। मौके पर टीबी विभाग के विनय कुमार गुप्ता, मुकेश कुमार सिंह, हरिशंकर मिश्रा, उदय प्रताप ओहदार, अंशु निधि, उपेंद्र साहू समेत स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग के कई कर्मी मौजूद थे।

Govt. of Jharkhand
Department of Mines and Geology District- Lohardaga.

Notice Inviting E-Auction for Allocation of Sand ghats (5th Call)
(Through E-Procurement mode over https://www.jharkhandtenders.gov.in)

The Jharkhand Sand Mining Rules, 2025 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत **Category-2** के बालूघाट/बालूघाटों के समूह की ई–नीलामी निम्न कार्यक्रमानुसार करायी जाएगी :–

1. ई–नीलामी कार्यक्रम:–

NIT No. MINES/ LOHARDAGA/SAND	बालूघाट या बालूघाटों के समूह जिसे एक इकाई बालू घाट मानते हुए नीलामी किया जाना है, की विवरणी।	निविदा दस्तावेज बिक्री शुल्क (5,000/–रू0+GST in RCM Mode) जमाकर निविदा दस्तावेज डाउनलोड प्रारंभ करने की तिथि	ई–नीलामी से पूर्व प्री– बीड बैठक एवं प्रशिक्षण का समय एवं स्थान	अग्रधन राशि जमा तथा निविदा दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	तकनीकी निविदा की जिला स्तरीय समिति द्वारा जाँच/मूल्यांकन कर सफल निविदादाताओं की सूची सिस्टम में अपलोड करने तथा प्रारम्भिक वित्तीय प्रस्ताव के मूल्यांकन की तिथि	ई–नीलामी की तिथि एवं समय
1	2	3	4	5	6	7
53/2026	गितिलगढ–खरता	20.05.2026	समाहरणालय सभा कक्ष तिथि 21.05.2026 समय 03:00 बजे अपराह्न।	20.05.2026 से 28.05.2026 03:00 PM	29.05.2026 3:00 PM	30.05.2026 को 10:00 बजे पूर्वाहन से 5:00 बजे अपराह्न तक
54/2026	डोबा					
55/2026	कोलसिमरी–डोबा					
56/2026	लावागाई–नदीनगडा					
57/2026	हरमू–भक्सो					
58/2026	कैमो–भक्सो					
59/2026	गुड़गांवा–कैमो					
60/2026	जुरिया–तिगरा					
61/2026	डांडू–मेढो					
62/2026	एकागुडी–मेढो					
63/2026	सेन्हा–मेढो					
64/2026	जोगना–मेढो					
65/2026	उगरा–भड़गांव					

2. बालूघाट/बालूघाटों के समूह की विस्तृत विवरणी जिला के वेबसाईट पर उपलब्ध है।
3. बालूघाट/बालूघाटों के समूह की ई–नीलामी प्रक्रिया, ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.jharkhandtenders.gov.in** से करायी जाएगी।
4. ई–नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्तियों/कम्पनी/फर्म/HUF को ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://www.jharkhandtenders.gov.in** पर निबंधन कराना अनिवार्य होगा।
5. एतद् संबंधी समस्त सूचना (यथा– नीलामी कार्यक्रम, सुरक्षित जमा राशि, अग्रधन राशि इत्यादि) विस्तृत रूप से जिला के वेबसाईट एवं ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।
6. एतद् संबंधी समस्त सूचना हेतु ई–प्रोक्योरमेंट हेल्पडेस्क एवं जिला खनन कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
7. बालू घाट का तात्पर्य है कि **The Jharkhand Sand Mining Rules, 2025** के नियम–3 के तहत जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (बालू) में चिन्हित **Category-2 Sand ghat/Sand Bearing Land/River Stream** होगा।
8. निविदादाता द्वारा ई–पोरक्योमेंट/ई–नीलामी पोर्टल से निविदा दस्तावेज के साथ **BoQ Templet (For Intital Price Offer)** प्राप्त किया जाएगा। **BoQ (.xls)** प्रारूप में अपलोड किया जाएगा।
9. एतद संबंधी समस्त सूचना **https://www.jharkhandtenders.gov.in** एवं जिले के **website** पर उपलब्ध है।

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई, लोहरदगा। | जिला कोषागार पदाधिकारी, लोहरदगा। | जिला खनन पदाधिकारी, लोहरदगा।

अपर समाहर्ता, राजस्व, लोहरदगा। | उप निदेशक, खान, दक्षिणी छोटानागपुर अंचल, रांची। | उपायुक्त, लोहरदगा।

PR 380279 (Lohardaga)26-27*D

विचार प्रवाह

"धर्म और अधर्म, सेवा और परमार्थ के झमेलों में पड़कर मैंने बहुत ठोकरें खाईं। मैंने देख लिया कि दुनिया दुनियादारों के लिए है, जो अवसर और काल देखकर काम करते हैं। सिद्धांतवादियों के लिए यह अनुकूल स्थान नहीं है।" **- प्रेमचंद**

राष्ट्रीय नवीन मेल

वास्तविकता दिखाने की होड़ में देश की सुरक्षा पर उठे सवाल

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

दीन-दुनिया भूलकर दिनभर मोबाइल में लगे लोगों को देखकर कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे विश्व में सोशल मीडिया ही आज के दिन सबसे प्रभावशाली माध्यम बन गया है पर दूसरी तरफ सोशल मीडिया में चलाई जाने वाली लोकल रील टाइप सामग्री को छोड़ दिया जाए तो बड़ी सामग्री फिल्मों की क्लिपिंग या दृश्य फिल्मों से ही प्रभावित होते हैं जिनका जादू दशकों से सर पर चढ़कर बोल रहा है। फिल्मों को दिनोदिन अधिक प्रभावशाली और वास्तविक बनाने के लिए तकनीक के साथ विषय और कथावस्तु पर अभिनव प्रयोग हो रहे हैं जिससे फिल्मों का गहरा असर पड़ता है और कुछ फ़िल्में सदियों तक के लिए गहरा प्रभाव छोड़ जातीं हैं । प्राचीन फिल्मों में साहित्यिक पुट अधिक थे और सामाजिक जिम्मेदारी भी अधिक थी जिस कारण अध्यात्म, देशभक्ति की भावना और समाज को दिशा देने वाली फ़िल्में बनती थीं पर आज की समूह लक्षित या समाज के बजाय व्यवसायिक हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही फिल्मों पर सवाल उठने लगे हैं। हर बुरे आदमी को ठाकुर बताए जाने पर आपत्ति करने वाले राजपूतों ने अब विरोध प्रदर्शन करना शुरू किया है। जिनका कहना है कि हजारों जातियों और धर्मों वाले भारत में हर बुरा काम करने वाला ठाकुर ही कैसे हो सकता है? क्योंकि हर समाज का अपना प्रमुख या नेता होता है जो ठाकुर कत्तई नहीं होता दूसरी ओर बलिदान देकर समाज और धर्म की रक्षा करने वाले भगवन राम के आदर्शों का पालन करने वाले राजपूतों में से कितने अपराधी हैं यह आंकड़ों की बात है। राजपूत इस बात से भी नाराज हैं कि उनके समाज के अधिकांश लोग राजा या जमींदार नहीं थे,मामूली सैनिकों की पृष्ठभूमि वाले कथित सवर्ण समाज को सबसे विकसित या संपन्न बताकर उनके साथ सभी सरकारें बेईमानी करती रही हैं जिसे वे संविधान के समानता के अधिकार का उल्लंघन मानते हैं। इस मामले पर अब फिर से चर्चा शुरू हो गई है जब अब तक की सबसे सफल और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बताई जाने वाली फिल्म धुरंधर का मामला कोर्ट पहुंच गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को उन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है कि फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' में सैन्य और खुफिया अभियानों से संबंधित संवेदनशील जानकारी का खुलासा किया गया है। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी के समक्ष एक अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और संबंधित अधिकारियों से याचिका में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने को कहा। यह याचिका सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कर्मी दीपक कुमार ने अधिवक्ता जगजीत सिंह के माध्यम से दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता वर्तमान में नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित एसएसबी के बल मुख्यालय में तैनात हैं।याचिकाकर्ता के वकील के अनुसार, फिल्म को लेकर आपत्ति जताते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी को 23 मार्च, 2026 को पहले ही एक अभ्यावेदन भेजा जा चुका था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म के कुछ दृश्यों में परिचालन विधियों, सामरिक प्रक्रियाओं और खुफिया गतिविधियों को जिस तरह से दिखाया गया है उससे राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है और गुप्तचर एजेंटों को खतरा हो सकता है। यह तर्क दिया गया कि फिल्म में कथित तौर पर वास्तविक जीवन के सैन्य और खुफिया अभियानों पर आधारित कुछ स्थानों और कार्यों को बहुत स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, इस तरह के चित्रण से शत्रु एजेंसियों को भारतीय सेना द्वारा अपनाए गए परिचालन पैटर्न की पहचान करने में मदद मिल सकती है।सुनवाई के दौरान, उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि भले ही फिल्म काल्पनिक हो और मनोरंजन के उद्देश्य से बनाई गई हो, लेकिन इस तरह के चित्रण के प्रभाव को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। न्यायालय ने जनहित याचिका का निपटारा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे याचिका को ही एक अभ्यावेदन के रूप में मानें और उठाए गए मुद्दों पर उचित निर्णय लें। यहां एक बात और उल्लेखनीय है कि जिस तरह से क्राइम कंट्रोल के नाम पर चलने वाले टीवी धारावाहिक और कुछ अपराध केन्द्रित फ़िल्में अपराधकर्मियों के लिए गाइड का काम करती हैं, उसी तरह जान हथेली पर लेकर देशहित में सूचनाएं जुटाने वाले गुप्तचर एजेंसियों से जुड़े लोगों को देश के अंदर और विदेशों में अधिक खतरे का सामना करना पड़ सकता है। इन गुप्तचरों को सूचना देने वाले सामान्य लोगों की हत्याएं पूर्व में भी होती रहीं हैं पर अब जिस तरह धुरंधर 1-2 से पाकिस्तान में बौखलाहट हुई है उससे लगता है अधिक वास्तविकता के निकट फिल्म बनाने में भारतीय गुप्तचरों और उन्हें जानकारी देने वालों की सुरक्षा से समझौता न हो जाए जैसा आरोप एक पूर्व राजदूत से लेकर प्रधानमंत्रियों तक सोशल मीडिया पर लगाए जाते हैं।

जीवन में संघर्ष बहुत जरूरी है

आज की बात

डॉ दीपक प्रसाद

> "संघर्ष केवल गरीबी या अभाव का नाम नहीं है, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने की सतत प्रक्रिया का नाम है। यही संघर्ष इंसान को साधारण से असाधारण बनाता है। कहा भी गया है "जिंदगी इतनी आसान नहीं होती, इसे आसान बनाना पड़ता है, कुछ अंदाज़ से और कुछ नजरअंदाज से"

आज का समय तेज रफ्तार का समय है। हर व्यक्ति जल्दी सफल होना चाहता है। युवा पीढ़ी रातों-रात प्रसिद्धि, पैसा और पहचान पाने की चाहत में संघर्ष के रास्ते से बचना चाहती है। सोशल मीडिया की चमक-दमक ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि सफलता बहुत आसान है। लेकिन सच्चाई यह है कि संघर्ष के बिना जीवन अधूरा है। जिस जीवन में कठिनाइयां नहीं होतीं, वह जीवन अनुभवहीन रह जाता है। संघर्ष ही मनुष्य को मजबूत बनाता है, धैर्य सिखाता है, निर्णय लेना सिखाता है और जीवन की वास्तविकताओं से परिचित कराता है। जीवन एक युद्धभूमि की तरह है। यहां हर दिन नई चुनौतियां सामने आती हैं। जो व्यक्ति संघर्ष करना सीख जाता है, वही जीवन की आंधियों में भी खड़ा रह पाता है। जो कठिनाइयों से डरकर भागता है, वह परिस्थितियों का गुलाम बन जाता है। संघर्ष केवल गरीबी या अभाव का नाम नहीं है, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने की सतत प्रक्रिया का नाम है। यही संघर्ष इंसान को साधारण से असाधारण बनाता है। कहा भी गया है "जिंदगी इतनी आसान नहीं होती, इसे आसान बनाना पड़ता है, कुछ अंदाज़ से और कुछ नजरअंदाज से।" यह पंक्तियां जीवन का गहरा सत्य प्रस्तुत करती हैं। जीवन में परेशानियाँ आएँगी, लोग आलोचना करेंगे, रास्ते कठिन होंगे, लेकिन इन्हीं परिस्थितियों में व्यक्ति का वास्तविक व्यक्तित्व निखरता है। जिस प्रकार आग में तपकर सोना कुंदन बनता है, उसी प्रकार संघर्ष से गुजरकर मनुष्य परिपक्व बनता है। प्रकृति स्वयं हमें संघर्ष का संदेश देती है। बीज जब तक मिट्टी को चीरकर बाहर नहीं आता, तब तक वह वृक्ष नहीं बनता। नदी जब तक चट्टानों से टकराती नहीं, तब तक उसका प्रवाह निर्मल नहीं होता। समुद्र की लहरें जितनी ऊँची होती हैं, नाविक उतना ही मजबूत बनता है। इसी प्रकार जीवन की कठिनाइयां मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाती हैं। एक अत्यंत प्रेरणादायक कहानी इस सत्य को स्पष्ट करती है। एक व्यक्ति बाग में टहल रहा था। तभी उसके सामने एक कोकून गिरा। उसने देखा कि एक तितली उसमें से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रही है। वह घंटों तक उस संघर्ष को देखता रहा। उसे तितली पर दया आ गई और उसने कोकून का एक सिरा काट दिया ताकि तितली आसानी से बाहर आ सके। तितली बाहर तो आ गई, लेकिन उसके पंख पूरी तरह विकसित नहीं हुए थे। वह उड़ नहीं सकी और जीवनभर अपंग बनी रही। दरअसल, प्रकृति ने तितली के उस संघर्ष को उसके पंखों को मजबूत बनाने के लिए बनाया था। लेकिन समय से पहले मिली सुविधा ने उसकी शक्ति छीन ली। यही स्थिति आज की युवा पीढ़ी की भी होती जा रही है। हर काम आसान तरीके से पाने की चाहत ने युवाओं को संघर्ष से दूर कर दिया है। परिणामस्वरूप छोटी-छोटी असफलताओं में वे टूट जाते हैं। आज के समय में "शॉर्टकट संस्कृति" तेजी से बढ़ रही है। लोग मेहनत से अधिक आसान रास्तों की तलाश में रहते हैं। कोई रातों-रात अमीर बनना चाहता है, कोई बिना परिश्रम के प्रसिद्धि चाहता है, तो कोई जीवन की कठिनाइयों से बचने के लिए गलत रास्ता चुन लेता है। यही कारण है कि

युवा मानसिक तनाव, अवसाद और निराशा का शिकार हो रहे हैं। संघर्ष से भागने वाला व्यक्ति कभी स्थायी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।

भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था-
"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।"

अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिंता में नहीं। यह संदेश युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संघर्ष करते समय तुरंत परिणाम न मिलना स्वाभाविक है। लेकिन निरंतर प्रयास ही अंततः सफलता का मार्ग बनता है। महाभारत का पूरा युद्ध भी संघर्ष का महान उदाहरण है। पांडवों ने वनवास सहा, अपमान सहा, कठिनाइयाँ झेलीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। यदि वे संघर्ष छोड़ देते, तो इतिहास उन्हें याद नहीं रखता। संघर्ष ही उन्हें महान बनाता है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था-
"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब
तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का सिद्धांत है। संघर्ष में रुक जाना हार है, लेकिन गिरकर फिर उठ जाना ही असली जीत है। दुनिया के अधिकांश सफल लोगों का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। चाहे डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हों, जिन्होंने गरीबी में अखबार बेचकर पढ़ाई की, या अब्राहम लिंकन हों, जिन्होंने अनेक असफलताओं के बाद सफलता प्राप्त की इन सभी ने संघर्ष को अपना साथी बनाया।

कबीरदास ने भी कहा है-
"धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय,
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।"

यह दोहा धैर्य और संघर्ष का संदेश देता है। जीवन में हर चीज़ समय और मेहनत मांगती है। बिना संघर्ष के प्राप्त वस्तु का मूल्य मनुष्य समझ नहीं पाता। जो चीज़ आसानी से मिल जाती है, उसका महत्व धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। आज कई माता-पिता अपने बच्चों को हर कठिनाई से बचाना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे कभी दुख न झेलें, कभी असफल न हों, कभी परेशान न हों। लेकिन यही अत्यधिक सुरक्षा बच्चों को कमजोर बना देती है। यदि बच्चा हर बार माता-पिता के सहारे आगे बढ़ेगा, तो वह स्वयं निर्णय लेना कैसे सीखेगा? माता-पिता का कर्तव्य केवल सुविधा देना नहीं, बल्कि बच्चों को जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करना भी है। बच्चे को हर बार उंगली पकड़कर रास्ता दिखाने के बजाय कभी-कभी उसे स्वयं रास्ता खोजने देना चाहिए। क्योंकि जो व्यक्ति स्वयं संघर्ष करके मंजिल तक पहुंचता है, वह रास्ता कभी नहीं भूलता। लेकिन जिसे कोई सीधे मंजिल तक पहुंचा दे, उसे रास्तों की पहचान नहीं होती। एक छोटा बच्चा जब चलना सीखता है, तो वह कई बार गिरता है। यदि माता-पिता डरकर उसे चलने ही न दें, तो वह कभी चलना नहीं सीख पाएगा। ठीक उसी प्रकार जीवन की ठोकरें ही मनुष्य को मजबूत बनाती हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह समझने की आवश्यकता है कि असफलता अंत नहीं है। असफलता एक शिक्षक है। जो व्यक्ति असफलताओं से सीखता है, वही भविष्य में बड़ी सफलताएं प्राप्त करता है। परीक्षा में असफल होना, नौकरी न मिलना, व्यापार में नुकसान होना या रिश्तों में कठिनाइयां आना-ये जीवन के अंत नहीं, बल्कि जीवन के पाठ हैं।

चाणक्य ने कहा था- "मनुष्य अपने कर्मों से
महान बनता है, जन्म से नहीं।"

इसलिए युवाओं को परिस्थितियों को दोष देने के बजाय स्वयं को मजबूत बनाना चाहिए। यदि रास्ते कठिन हैं, तो इसका अर्थ है कि मंजिल भी महान होगी। संघर्ष हमें सहनशीलता सिखाता है। यह हमें गिरकर उठना सिखाता है। यह हमें दूसरों के दर्द को समझना सिखाता है। वेदों में भी संघर्ष और पुरुषार्थ को जीवन का आधार माना गया है।

ऋग्वेद में कहा गया है- "चरैवेति चरैवेति।"

अर्थात निरंतर चलते रहो। जीवन का सार यही है कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, मनुष्य को रुकना नहीं चाहिए। संघर्ष ही प्रगति का मार्ग है। रामायण में भगवान श्रीराम का जीवन भी संघर्ष का अद्भुत उदाहरण है। राजकुमार होते हुए भी उन्होंने वनवास स्वीकार किया, कठिनाइयां झेलीं और धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष किया। यदि उनका जीवन केवल सुख-सुविधाओं में बीतता, तो वे "मर्यादा पुरुषोत्तम" नहीं कहलाते। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को केवल सफलता की कहानियां न सुनाएं, बल्कि संघर्ष की कहानियां भी सुनाएं। उन्हें यह बताना होगा कि जीवन में गिरना गलत नहीं, बल्कि गिरकर उठना छोड़ देना गलत है। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली चमक वास्तविक जीवन नहीं है। वास्तविक जीवन पसीने, मेहनत, धैर्य और संघर्ष से बनता है। जिस प्रकार पानी से ही कीचड़ बनता है और पानी से ही कीचड़ साफ भी होता है, उसी प्रकार जीवन की समस्याएं ही हमें समाधान खोजना सिखाती हैं। यदि कोई आपके सामने गड्ढा खोदता है, तो संघर्ष आपको छलांग लगाना सिखाता है। यदि कोई आपको रोकने की कोशिश करता है, तो संघर्ष आपको आगे बढ़ने की शक्ति देता है। कठिनाइयां हमें तोड़ने नहीं, बल्कि गढ़ने आती हैं। युवाओं को यह समझना होगा कि जीवन में कोई भी महान उपलब्धि बिना संघर्ष के प्राप्त नहीं होती। किसान खेत में पसीना बहाता है, तब अन्न पैदा होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

पृथ्वी पर जीवन का स्रोत हैं मधुमक्खियां

अलग बात

ई0 प्रभात किशोर

> "अगर मधुमक्खियां पृथ्वी की सतह से लुप्त हो जाएं तो मनुष्य के पास केवल चार साल का जीवन बचेगा। यदि मधुमक्खियां नहीं होंगीं, तो परागण नहीं होगा, पौधे नहीं होंगे, जानवर नहीं होंगे, और मानव का अस्तित्व नहीं होगा।"
> - अल्बर्ट आइंस्टीन।

प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कृषि और बागवानी उत्पादों की उपज में वृद्धि तथा आय एवं रोजगार मुहैया प्रदान करने में मधुमक्खी पालन संबंधी गतिविधियों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। एकीकृत कृषि प्रणाली के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों द्वारा मधुमक्खी पालन की गतिविधियाँ की जा रही हैं। मधुमक्खियां सबसे अच्छे परागणकों में से एक हैं जो परागण समर्थन के माध्यम से विभिन्न फसलों यथा- फल, सब्जी, दाल, तिलहन आदि की उपज और गुणवत्ता को बढ़ाती हैं। वे प्रकृति में पारिस्थितिक संतुलन और जैव विविधता के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। फूलों के पौधों के रस को चूसकर मधुमक्खियां पराग को अन्य पौधों में फैलाती हैं और निषेचन प्रक्रिया में मदद करती हैं। लगभग 85 प्रतिशत पौधे मधुमक्खियों के कारण जीवित रहती हैं और हमारे द्वारा खाए जाने वाले सभी भोजन का एक तिहाई भाग परागणकों पर निर्भर करता है। मधुमक्खियां लगभग 70 से 100 प्रकार की फसलों को परागणित करती हैं। मधुमक्खी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों हीं रूपों में लाभ पहुंचाता है। मधुमक्खी पालन विभिन्न फसलों की उपज बढ़ाने जैसे अप्रत्यक्ष लाभ के साथ-साथ शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों, यथा - मधुमक्खी मोम, प्रोपोलिस, पराग, रॉयल जेली, मधुमक्खी विष, आदि प्रदान करके ग्रामीण लोगों को आय और रोजगार प्रदान करता है। इसलिए, मधुमक्खी पालन को कृषि/बागवानी में महत्व एवं के मानव जीवन के सतत विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण 5वें इनपुट में से एक माना जा रहा है। मधुमक्खी पालन के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने देश में मीठी क्रांति लाने हेतु शत प्रतिशत केन्द्रीय वित्त पोषित " राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) " के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु मिशन मोड में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के समग्र प्रचार और विकास के लिए एक केंद्रीकृत योजना को मंजूरी दी है। इस मिशन में 3 उप-योजनाएं/लघु मिशन (एमएम) क्रमशः एमएम-1, एमएम-2, एमएम-3 सन्निहित हैं। एमएम-1 के तहत वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को अपनाकर परागण के माध्यम से विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार पर जोर दिया जाएगा। एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र (आईबीडीसी), शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं, मधुमक्खी रोग निदान और उपचार प्रयोगशालाएं, एपी-थेरेपी केंद्र और अन्य बुनियादी ढांचे की स्थापना की जाएगी। इसमें न्यूक्लियस स्टॉक और मधुमक्खी प्रजनकों का विकास, कस्टम हायरिंग सेंटर, डिजिटलीकरण, ऑनलाइन पंजीकरण और बीमा, मधुमक्खी के अनुकूल पौधों, वनस्पतियों, मधुमक्खी उद्यानों को बढ़ावा देना, महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण आदि शामिल होंगे। एमएम-2 इन गतिविधियों के लिए अपेक्षित बुनियादी सुविधाओं पर जोर देने के साथ मधु संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण, व्यापार, ब्रांडिंग, विपणन, मूल्यवर्द्धन, पैकेजिंग आदि सहित मधुमक्खी पालन / मधुमक्खी उत्पादों के कटाई के बाद प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगा। एमएम-3 विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों/कृषि-जलवायु और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के लिए अनुसंधान और प्रौद्योगिकी उत्पादन के लिए जिम्मेदार होगा। आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत मधुमक्खी पालन की पहल के मद्देनजर भारत सरकार ने एनबीएचएम हेतु 3 साल (2021 से 2023) के लिए 500 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) को देश में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के समग्र विकास/संवर्द्धन के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

पलामू : विरासत और भविष्य की संभावनाएं

हृदयानंद मिश्र

पलामू की मिट्टी में जितनी वीरगाथाएं दबी हैं, उतनी ही संभावनाएं भी भविष्य की ओर रास्ता दिखाती हैं। आदिवासी और मूलवासी समुदायों चेरो, खरवार, उरांव और अन्य जनजातीय समुदायों का प्रभाव विशेष रूप से चेरो राजवंश ने पलामू की पहचान को ऐतिहासिक स्वरूप दिया। 17वीं शताब्दी में चेरो शासक मेदिनी राय ने पलामू को समृद्धि और सामरिक शक्ति के उच्च स्तर तक पहुँचाया। कहा जाता है कि उनके शासनकाल में "धन-धान्य से भरपूर पलामू" की चर्चा दूर-दूर तक होती थी। अंग्रेजों के शासनकाल में भी यह क्षेत्र विद्रोह की भूमि बना रहा। पलामू की सांस्कृतिक विविधता लोकगीतों, लोकनृत्यों, पारंपरिक मेलों और जनजातीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा करमा, सरहुल और सोहराय जैसे पर्व बोली-बानी में भोजपुरी, मगही, नागपुरी और स्थानीय आदिवासी भाषाओं का अद्भुत मिश्रण मिलता है। यही बहुलता पलामू को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाती है। आज का पलामू एक परिवर्तनशील दौर से गुजर रहा है। एक ओर यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों और पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरा हुआ है, तो दूसरी ओर गरीबी, बेरोजगारी, जल संकट और पलायन जैसी गंभीर समस्याएँ भी यहाँ मौजूद हैं। गर्मी के दिनों में जल संकट पलामू की सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। वनों की कटाई और अनियोजित विकास ने कई क्षेत्रों में पारिस्थितिकी को प्रभावित किया है। चुनौतियों के बीच शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेतला राष्ट्रीय उद्यान पलामू भारत के शुरुआती टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में शामिल रहा है। घने जंगल, वन्यजीव, झरने और प्राकृतिक सौंदर्य इसे पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाते हैं। यदि सरकार और स्थानीय समाज मिलकर ईको-टूरिज्म को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करें, तो पलामू देश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में स्थान बना सकता है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।इन क्षेत्रों में गंभीरता से कार्य किया जाए, तो आने वाले वर्षों में पलामू केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश में विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उदाहरण बन सकता है।

(लेखक कांग्रेस प्रदेश कमेटी से जुड़े हैं)

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

संस्कारों से हमारा चरित्र निर्मल और दृढ़ होगा

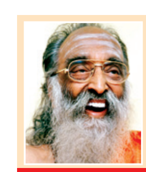

स्वामी चिन्मयानंद

यह सत्य है कि हमारी वासनाओं की प्रचंड आंधी को हमारा मनोबल सदा नियंत्रित नहीं रख सकता। किसी क्षण हम अपनी पुरानी प्रवृत्तियों से उत्पन्न विचार और कार्यों में बरवश घिसटते चले जा सकते हैं। सम्भव है कि हम अपनी इस दयनीय दशा की ओर बहुत देर बाद ध्यान दें, किन्तु तब तक हम अपने स्वाभिमान को धक्का देने वाली अपनी पूर्व-दूषित प्रवृत्तियों से प्रेरित कर्म कर चुके होंगे। अतः हमें अपनी निम्न प्रवृत्तियों के स्थान में उच्च भावनाएं और संवेग प्रतिस्थापित कर देने चाहिए। यह हम अवश्य करें। हमें अपने में मानसिक शांति, प्रसन्नता, अभय और संतोष का स्वभाव निर्मित करना चाहिए। इनमें दृढ़ता आने पर हम देखेंगे कि क्रोध, चिन्ता, भय तथा निरन्तर असन्तुष्ट रहने की पुरानी प्रवृत्तियों के स्थान में सद् वृत्तियां विकसित होने लगी हैं। हम अपने मन-बुद्धि को निरंतर उन सद् विचारों और सद्गुणों को ग्रहण करने के लिए उन्मुख रखें जिनका उपदेश ज्ञानी सन्तों ने दिया और स्वयं भी सदा अपने जीवन में उन्हें अपनाया है। ऐसे संस्कारों से हमारा चरित्र निर्मल और दृढ़ होगा। दुर्गुणों को दबा कर रखने से हम कभी उनके चंगुल से नहीं छूट सकते। उनके स्थान में स्वस्थ विचारों को दृढ़ होने दें और उनके अनुरूप व्यक्तित्व और चरित्र विकसित करें। इस कार्य में सफलता पाने का सर्वोत्तम उपाय शास्त्रों का नियमित अध्ययन करना ही है। उसके साथ श्रद्धा और भक्ति के साथ नित्य प्रार्थना करें। अपने चरित्र के उपवन को हराभरा करने के लिए मन और शरीर दोनों की देखभाल करें। नित्य ध्यान करने की प्रतिज्ञा का सच्चाई से निर्वाह करें। संक्षेप में, हम प्रयास करें, सफलता प्राप्त करें, और अपने मन को दिव्य पवित्रता और शांति की प्रवृत्ति से सदा उत्साहित और अभय रखें।

-पुस्तक अवश्य करें से साभार

आज का दोहा

लकदक लकदक रौनकें, चम चम करता खौफ।
ये हुज़ूर! बाज़ार है, वक्त करे खुद तौफ।।
(तौफ यानी परिक्रमा)

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

फेसबुक वॉल से

एक्स से

भाषा के सूखते हुए कुएं

देश की बात

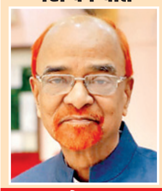

आशुतोष प्रसाद

किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी पहचान उसके महलों, स्मारकों या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, उसकी वास्तविक पहचान उसकी भाषा से होती है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि मनुष्य की स्मृतियों, संवेदनाओं, संस्कारों और सामूहिक चेतना का जीवित घर होती है। जिस समाज की भाषा जीवित रहती है, उसकी आत्मा भी जीवित रहती है। किंतु आज के समय में ऐसा प्रतीत होने लगा है मानो हमारी भाषाएं धीरे-धीरे अपने ही भीतर सूखती जा रही हैं। शब्द बचे हैं, पर उनकी आत्मीयता कम हो रही है, संवाद बचा है, पर संवेदना घट रही है। यह स्थिति किसी सूखते हुए कुएं की तरह है, जिसमें कभी जीवन का जल भरा रहता था, पर अब केवल पपड़ीदार तल दिखाई देता है। एक समय था जब भाषा मनुष्य के जीवन की धड़कन हुआ करती थी। गांवों की चौपालों में बैठकर लोग किस्से सुनाते थे, दादी की कहानियों में लोकस्मृतियां बहती थीं, लोकगीतों में ऋतुएं गूंजती थीं और पत्रों में भावनाएं सांस लेती थीं। शब्दों के भीतर आत्मीयता का ताप था। "कैसे हो?" केवल औपचारिक प्रश्न नहीं होता था; उसमें सचमुच किसी के सुख-दुःख की चिंता छिपी रहती थी। भाषा मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती थी। किन्तु आधुनिक समय ने भाषा के स्वरूप को तेजी से बदल दिया है। तकनीक ने संवाद को तेज तो बनाया, लेकिन उसे गहरा नहीं रहने दिया। मोबाइल स्क्रीन पर उंगलियों की गति बढ़ी, पर शब्दों की आत्मा सिकुड़ने लगी। लंबे पत्रों की जगह छोटे संदेशों ने ले ली। भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अब शब्द नहीं, इमोजी प्रयुक्त होने लगे हैं। संवाद की सहजता बढ़ी है, किंतु उसकी आत्मीयता घट गई है। ऐसा लगता है कि भाषा धीरे-धीरे अपने अर्थ खोती जा रही है। सबसे अधिक संकट लोकभाषाओं और बोलियों पर दिखाई देता है। जिन भाषाओं में कभी लोकगीत गाए जाते थे, जिनमें खेतों की मिट्टी की गंध बसती थी, वे अब शहरों की चकाचौंध में उपेक्षित हो रही हैं। नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच अनुभव करती है। अंग्रेज़ी बोलना आधुनिकता का प्रतीक मान लिया गया है, जबकि अपनी लोकभाषा को पिछड़ेपन से जोड़ दिया गया है। यह केवल भाषा का संकट नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विस्मृति का भी संकेत है। भाषा के सूखने का सबसे बड़ा कारण शायद मनुष्य के भीतर बढ़ती हुई कृत्रिमता है। आज शब्दों का उपयोग अधिकतर प्रदर्शन के लिए होने लगा है। सोशल मीडिया पर लोग संवेदनशील दिखना चाहते हैं, पर वास्तव में संवेदना का अभ्यास कम होता जा रहा है। भाषणों में नैतिकता की बातें होती हैं, लेकिन व्यवहार में कटुता बढ़ती जाती है। शब्दों और जीवन के बीच की दूरी लगातार बढ़ रही है। यही दूरी भाषा को खोखला बना रही है। राजनीति और बाजार ने भी भाषा को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। विज्ञापनों की दुनिया ने शब्दों को आकर्षण और उपभोग का उपकरण बना दिया। अब भाषा का उद्देश्य विचार पैदा करना नहीं, बल्कि उपभोक्ता तैयार करना होता जा रहा है। राजनीतिक भाषा भी धीरे-धीरे संवाद की जगह नारों में बदलती जा रही है। शब्दों का ताप कम हो रहा है और शोर बढ़ता जा रहा है। विचारों की जगह उत्तेजना ने ले ली है। डिजिटल संस्कृति ने भाषा को एक नए प्रकार की अधीरता भी दी है। आज लोग पढ़ना कम और तुरंत प्रतिक्रिया देना अधिक पसंद करते हैं। गहराई से सोचने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। परिणामस्वरूप भाषा का सौंदर्य और उसकी चिंतनशीलता प्रभावित हो रही है। कविता, कहानी और साहित्य जैसी विधाएँ, जो भाषा को गहराई और विस्तार देती थीं, अब सीमित पाठकीयता के संकट से जूझ रही हैं। यह स्थिति केवल साहित्य की नहीं, बल्कि समाज की बौद्धिक स्थिति की भी परिचायक है। फिर भी आशा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। भाषा का कुआं पूरी तरह सूखा नहीं है; उसके तल में अब भी कुछ नमी शेष है। आज भी गांवों में लोकगीत जीवित हैं, बुजुर्गों की स्मृतियों में कहावतें साँस लेती हैं, कविताएँ अब भी मनुष्य को भीतर तक छूती हैं और मातृभाषा सुनते ही मन में एक अदृश्य आत्मीयता जाग उठती है। यह संकेत है कि भाषा अभी भी मनुष्य के भीतर जीवित है। आवश्यकता इस बात की है कि हम भाषा को केवल उपयोग का माध्यम न मानें, बल्कि उसे संस्कृति और संवेदना के रूप में समझें। बच्चों को केवल भाषाएं पढ़ाई न जाएं, बल्कि भाषा के भीतर छिपा जीवन भी सिखाया जाए। लोकभाषाओं और लोकसाहित्य को सम्मान मिले। घरों में बातचीत का वातावरण बने। शब्दों को केवल सूचना का साधन नहीं, बल्कि आत्मीयता का पुल बनाया जाए। साहित्य यहां सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। कविता मनुष्य के भीतर सूखती संवेदनाओं को फिर से सींच सकती है। कहानियां समाज की स्मृतियों को बचा सकती हैं। लोकगीत लोगों को उनकी जड़ों से जोड़ सकते हैं। जब तक साहित्य जीवित रहेगा, भाषा पूरी तरह मर नहीं सकती। दरअसल भाषा का सूखना केवल शब्दों का संकट नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर सूखती हुई संवेदना का संकट है। जिस दिन मनुष्य के भीतर करुणा, स्मृति और आत्मीयता समाप्त हो जाएगी, उसी दिन भाषा केवल ध्वनि बनकर रह जाएगी। इसलिए भाषा को बचाना, दरअसल मनुष्य को बचाना है। हमें उन सूखते हुए कुओं तक फिर से लौटना होगा, जहां कभी शब्दों का निर्मल जल बहता था, क्योंकि वही जल हमारी सभ्यता की प्यास बुझा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे, स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आईएएस अधिकारियों से कहा

भावुक हुए बिना संवेदनशील बनें प्रशासनिक अधिकारी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को करुणा और तर्कसंगतता के बीच संतुलन बनाना चाहिए तथा संवेदनशील होना चाहिए लेकिन भावुक नहीं।

राष्ट्रपति भवन में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत 2024 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं, विशेषकर आईएएस ने देश के विकास में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब देश के विकास के नए चरण में प्रवेश करने के साथ अधिकारियों से अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं।

उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों को विविध क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिलेगा और कई बार उन्हें विशेषज्ञों की टीमों का नेतृत्व भी करना पड़ेगा। ऐसे में उनके सीखने की गति और दायरा दोनों व्यापक होने चाहिए तथा विभिन्न परिस्थितियों और क्षेत्रों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता असाधारण होनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारियों की निष्पक्षता उनकी न्यायप्रियता का संकेत होगी, जबकि उनकी संवेदनशीलता समावेशिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाएगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और निरंतर प्रदर्शन से उनकी विश्वसनीयता बनेगी तथा व्यक्तिगत और पेशेवर आचरण से परिभाषित उनकी ईमानदारी उन्हें जनहित में निर्णायक कदम उठाने का नैतिक साहस देगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि नैतिकता और सुशासन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारियों को ईमानदार और नैतिक होने के साथ-साथ परिणाम भी देने होंगे। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने से बचना नैतिकता नहीं है बल्कि जनहित और स्थापित व्यवस्था के अनुरूप सही निर्णय लेना ही वास्तविक नैतिकता है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार न्याय मिलने में देरी को न्याय से वंचित करना माना जाता है, उसी प्रकार प्रशासनिक निर्णयों में देरी भी लोगों को उनके वैध अधिकारों से वंचित करने के समान है।

राष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र का उद्देश्य लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना है और ये आकांक्षाएं उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से सामने आती हैं। इसलिए अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे जनहित में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को प्राथमिकता दें।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने और समाज को प्रगति के शिखर तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों को कई बार परिस्थितियों के विपरीत जाकर भी कार्य करना होगा। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि वे समाज के वंचित वर्गों सहित देश के लोगों को अपने विचारों और कार्यों के केंद्र में रखें।

दृष्टिपात

पश्चिम बंगाल में दवा दुकानों की हड़ताल का आंशिक असर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बुधवार को आयोजित देशव्यापी दवा विक्रेता बंद का असर सीमित रूप में देखने को मिला। बंद का समर्थन मुख्य रूप से बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन से जुड़े दवा कारोबारियों ने किया, जबकि कई सरकारी और अस्पताल आधारित मेडिकल स्टोर सामान्य रूप से खुले रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य में संगठन से जुड़ी करीब 32 से 35 हजार इकाइयों में अधिकांश खुदरा दवा दुकानें शामिल हैं। संगठन के पदाधिकारियों ने दावा किया कि बड़ी संख्या में सदस्य दुकानदारों ने बंद में हिस्सा लिया। इसके बावजूद, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र, अमृत फार्मेसी दुकानें और अस्पतालों के भीतर संचालित मेडिकल स्टोर खुले रहने से आम मरीजों को अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। निजी नर्सिंग होम और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में दवा आपूर्ति भी सामान्य बनी रही।

जिनेवा में द्विपक्षीय बैठक

भारत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर दुनिया को देगा मार्गदर्शन

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने 79वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान जिनेवा में महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य के लिए दुनिया का सबसे बड़ा गठबंधन (पीएमएनसीएच) की बोर्ड चेयर हेलन क्लार्क के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में भारत ने महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जेपी नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत 2005 से पीएमएनसीएच के साथ जुड़ा है और वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत पीएमएनसीएच में वाइस चेयर और स्टैंडिंग कमेटी के चेयर के रूप में सक्रिय नेतृत्व निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की ओर से प्रतिवर्ष 20 लाख अमेरिकी डॉलर की सहायता राशि जारी रखने की प्रक्रिया चल रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, "भारत नवाचार और बड़े स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में अग्रणी रहा है। हमने महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य को हमेशा प्राथमिकता दी है।" उन्होंने जानकारी दी कि भारत उन शुरुआती देशों में था जिसने वर्ष 2014 में किशोरों के लिए समर्पित राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया। यह कार्यक्रम स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्तर पर युवाओं तक पहुंच बना रहा है।

ट्रेनों में आग लगी नहीं बल्कि असामाजिक तत्वों द्वारा लगाई गई

नई दिल्ली। ट्रेनों में आग लगने की हाल ही में हुई घटनाओं के मामलों में रेलवे ने इन्हें गर्मी या तकनीकी गड़बड़ी की वजह से नहीं बल्कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा ट्रेनों में आग लगाने की आशंका जताई है। रेलवे का कहना है कि पिछले दिनों जितनी भी ट्रेनों के डिब्बों में आग लगी। उन सभी की प्राथमिक जांच में इस तरह के संकेत मिल रहे हैं। जैसे की ट्रेनों में आग लगी नहीं बल्कि लगाई गई। हर घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। रेलवे का कहना है कि हाल ही में विभिन्न ट्रेनों में आग लगने की जो घटनाएं हुईं। इन सभी घटनाओं की जांच की गई। जिसमें शुरूआती जांच में संकेत मिल रहे हैं कि डिब्बों में शॉर्ट सर्किट होने या अन्य किसी तकनीकी गड़बड़ी की वजह से आग नहीं लगी।

जांच में पाया गया कि कुछ मामलों में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता रही है। इनमें राजस्थान में अमरपुरा स्टेशन के निकट एक ट्रेन में आग लगने की घटना की हुई जांच में सामने आया कि यहां किसी शख्स ने बिस्तर सामग्री (लिनन) को जलाने का प्रयास किया। जो डिब्बे में आग लगने का कारण बना। इसी तरह से हावड़ा में ट्रेन में लगी आग के मामले में उस जले हुए कोच के बाथरूम से पेट्रोल में भीगा हुआ कपड़ा बरामद हुआ। इससे साफ है कि किसी ने ट्रेन में आग लगाने की कोशिश की थी। जबकि कोटा में राजधानी ट्रेन में भी पहली आग की लपट बाथरूम से उठी थी।

ब्रेन डेड घोषित तेलंगाना के छात्र के अंगदान से बचा चार लोगों का जीवन

एजेंसी। हैदराबाद

राज्य के नलगोंडा जिले के अलेर निवासी 20 वर्षीय बीटेक छात्र अपनी मौत से पहले चार लोगों को नया जीवनदान

दे गया। एक सड़क दुर्घटना के बाद ब्रेन डेड (मस्तिष्क मृत) घोषित छात्र के पिता के अंगदान करने

के साहसिक निर्णय से चार परिवारों को अपने परिजनों को बचने की उम्मीद मिली। दरअसल, नलगोंडा जिले के अलेर निवासी 20 वर्षीय पुलिपालुपुल राघव जनगाम के सीजेआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक का छात्र था। 16 मई को चेरियाल के पास इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के नजदीक राघव की बाइक डिवाइडर से टकरा करा गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल

हो गया था। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। दुर्घटना के बाद उसके परिजनों ने पहले उसे एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में विशेष इलाज के लिए हैदराबाद के एक अन्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। तमाम चिकित्सीय प्रयासों के बाद डॉक्टरों ने 18 मई को उसे 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया। अपने जवान बेटे को खोने के गहरे दुख के बावजूद राघव के पिता पुलिपालुपुल महेश ने जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए उसके अंगों को दान करने का साहसी निर्णय लिया। इसके बाद राघव की दो किडनी, एक लिवर और फेफड़ों का एक जोड़ा दान किया गया। इससे चार मरीजों को जीवन का एक नया अवसर मिला। इस निर्णय पर हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, "सड़क दुर्घटना में ब्रेन डेड घोषित किए गए राघव नामक एक युवक ने अपने अंगों के दान से चार लोगों को जीवन का नया उपहार दिया है।"

हैदराबाद पुलिस ने 'घोस्ट सिम' नेटवर्क को बनाया निशाना

13 राज्यों में 66 लोग गिरफ्तार

एजेंसी। हैदराबाद

देशभर में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के खिलाफ हैदराबाद पुलिस ने 'घोस्ट सिम' नेटवर्क का खुलासा किया है। हैदराबाद नगर पुलिस ने 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 3.0' के तहत 13 राज्यों में छापेमारी कर 66 लोगों को गिरफ्तार किया है। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने बुधवार को इस बड़े ऑपरेशन की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (सीसीपीएस) हैदराबाद ने ऐसे 1,194 'घोस्ट सिम' की पहचान की, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधों में किया जा रहा था। इन सिम काड्‌र्स का लिंक विभिन्न साइबर अपराध मामलों से मिला। इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए 18 विशेष टीमों को 13 राज्यों में लगातार सात दिनों तक अभियान

चलाने के लिए भेजा गया।

ऑपरेशन के दौरान हैदराबाद शहर से ही 544 सिम कार्ड बरामद किए गए। इनमें 432 सील बंद सिम थे, जिन्हें अभी साइबर अपराधों में इस्तेमाल के लिए एक्टिव नहीं किया गया था। पुलिस कमिश्नर सज्जनार ने बताया कि इससे पहले 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 1.0' में म्यूल अकाउंट धारकों पर कार्रवाई की गई थी, जबकि 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0' में साइबर फ्रॉड में मदद करने वाले बैंक अधिकारियों को निशाना बनाया गया था। अब 'ऑक्टोपस 3.0' के तहत उस 'घोस्ट सिम' नेटवर्क पर कार्रवाई की गई, जो पूरे देश में संगठित साइबर अपराधियों को अपनी पहचान छिपाने का आधार उपलब्ध कराता था।

पुलिस के अनुसार, 'घोस्ट सिम' ऐसे मोबाइल कनेक्शन होते हैं, जिन्हें आम लोगों के नाम पर धोखाधड़ी से एक्टिव किया जाता है। साइबर अपराधी इन्हीं सिम काड्‌र्स का इस्तेमाल अपनी असली पहचान छिपाने के लिए करते हैं।

गिरफ्तार किए गए 66 लोगों में 44 घोस्ट सिम धारक, 20 पीओएएस एजेंट और टेलीकॉम प्रमोटर तथा दो घोस्ट सिम सप्लायर शामिल हैं। गिरफ्तार पीओएस एजेंटों में 10 वोडाफोन आइडिया, 7 एयरटेल और 3 जियो से जुड़े बताए गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि कुछ पीओएस एजेंट मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी यानी एमएनपी ईकेवाईसी प्रक्रिया के दौरान, ग्राहकों की जानकारी के बिना उनके नाम पर अतिरिक्त सिम एक्टिव कर देते थे। बाद में इन सिम को ई-सिम में बदलकर विदेश भेज दिया जाता था, जहां उनका इस्तेमाल साइबर फ्रॉड में होता था।

कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के नाम पर 43 भवनों के मालिकाना हक का आरोप

एजेंसी। कोलकाता

अभिषेक बनर्जी की संपत्तियां जांच के दायरे में

सूची के अनुसार, कोलकाता के पॉश इलाकों में स्थित 43 संपत्तियां या तो संयुक्त स्वामित्व में हैं या अभिषेक बनर्जी के नाम पर हैं। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या ये डायमंड हार्बर के सांसद हैं। मालिकों के मोबाइल नंबर भी सूचीबद्ध हैं। यह सूची कोलकाता नगर निगम के डेटाबेस से ली गई है। दिलचस्प बात यह है कि केएमसी अभी भी टीएमसी के अधीन है और पार्टी के विधायक फिरहाद हकीम कोलकाता के मेयर बने हुए हैं।

बंगाल भाजपा ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से कथित तौर

पर जुड़ी 43 संपत्तियों की सूची जारी की है, जिनमें से कई उनके सहयोगियों और परिवार के सदस्यों के साथ संयुक्त स्वामित्व में बताई जा रही हैं। सूत्रों ने बताया कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार स्वामित्व संबंधी विवरणों की विस्तृत जांच करेगी। यह घटनाक्रम टीएमसी नियंत्रित कोलकाता नगर निगम (केएमसी) द्वारा ममता बनर्जी के भतीजे से जुड़ी 17 संपत्तियों को नोटिस जारी करने के एक दिन बाद सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस ने हालांकि इस सूची को झूठा और अविश्वसनीय बताकर खारिज कर दिया। सबसे ज्यादा चर्चा में रही है एक संयुक्त स्वामित्व वाली संपत्ति, जिसका संबंध "सयानी घोष" से है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अनुमान लगाया कि यह जादवपुर की सांसद सायनी घोष की संपत्ति हो सकती है। दस्तावेज़ में संपत्ति का पता 19D, सेवन टैंक्स लेन बताया गया है। हालांकि, लोकसभा सांसद ने इस विवाद को सिरे से खारिज करते हुए इससे किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया। घोष ने ट्वीट किया कि मैं यह नहीं कह सकती कि यह कौन है, लेकिन यह निश्चित रूप से वह सायनी घोष नहीं हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से शुरुआत की और राजनीति से आज तक कोई बड़ा मुनाफा नहीं कमाया। जो लोग बिना किसी सबूत के मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं - वे अभी रुक जाएं!

टीएमसी में पद जाने के बाद काकोली घोष को वाई क्षेणी की सुरक्षा, खतरे की संभवना

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किए गए खतरे के आकलन के बाद केंद्र ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद काकोली घोष दस्तीदार को 19 मई से सीआईएसएफ की सशस्त्र 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। इस घटनाक्रम से अवगत अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा टीएमसी सांसद को संभावित खतरों का आकलन करने के बाद तत्काल प्रभाव से सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, यात्रा और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा के लिए सशस्त्र कर्मियों की तैनाती की गई है। इस कदम ने राजनीतिक ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि यह तृणमूल कांग्रेस के संसदीय नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलावों के बीच आया है। हाल ही में, पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक के पद से काकोली घोष दस्तीदार को हटाकर वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को नियुक्त किया है। इस फेरबदल को आगामी संसदीय सत्र में होने वाले महत्वपूर्ण राजनीतिक टकरावों से पहले सदन समन्वय और संसदीय प्रबंधन को मजबूत करने के पार्टी

के प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। लोकसभा में अपने आक्रामक हस्तक्षेपों के लिए जाने जाने वाले कल्याण बनर्जी पहले भी पार्टी के मुख्य सचेतक रह चुके हैं, लेकिन बाद में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। राजनीतिक हलकों में उनकी वापसी को पार्टी नेतृत्व के नए आत्मविश्वास के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इन घटनाक्रमों ने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक हलकों में अटकलों को भी हवा दी है, क्योंकि दस्तीदार ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया था जिसमें उन्होंने अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा और पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का जिक्र किया था।

अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा

नकली टूरिस्ट वीजा मामले में तीन गिरफ्तार

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान पुलिस की ओर से एक अंतर-राज्यीय धोखाधड़ी नेटवर्क की जांच की जा रही है। यह जांच तब शुरू हुई जब जयपुर ईस्ट एयरपोर्ट पुलिस ने जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जिन पर कथित तौर पर नकली टूरिस्ट वीजा का इस्तेमाल करके इराक जाने की कोशिश करने का आरोप है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन नकली टूरिस्ट वीजा बरामद किए और नकली यात्रा दस्तावेजों की व्यवस्था करने वाले बड़े नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुरेश कुमार (47), जो उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर का रहने वाला है; आलोक कुमार सिंह (31), जो बिहार के पटना का रहने वाला है और रूपेश यादव (32), जो बिहार के पूर्वी चंपारण का रहने वाला है, के रूप में हुई है। डीसीपी (पूर्व) रंजीता शर्मा के अनुसार, ये तीनों मंगलवार को जयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचे थे और उनका इरादा इराक के बगदाद जाने का था। रूटीन दस्तावेज जांच के दौरान एयरपोर्ट अधिकारियों को उनके वीजा की असलियत पर शक हुआ और उन्होंने उन्हें पूछताछ के लिए रोका। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वे अपने असली मल्टीपल-एंट्री इराक वीजा का इस्तेमाल करके यात्रा नहीं कर पा रहे थे।

40 करोड़ के ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले का पर्दाफाश

- दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन साइबर क्लीन
- 89 अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने अप्रैल में पश्चिमी दिल्ली में एक महीने तक चले अभियान के दौरान कई अंतरराज्यीय साइबर जालसाज़ गिरोहों का भंडाफोड़ किया और 89 अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली सहित कई राज्यों में चलाए गए अभियानों के दौरान 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, 54 लोगों को पाबंद किया गया और साइबर धोखाधड़ी

के 34 मामलों को हल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इन गिरोह में 'डिजिटल अरेस्ट', निवेश के नाम पर ठगी, एपीके फाइल के जरिए फोन हैक कर धोखाधड़ी करने, फर्जी 'डेटिंग' सदस्यता और 'म्यूल' (कमीशन पर मिलने वाले) खाते उपलब्ध कराने वाले शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान से करीब 40 करोड़ रुपये के लेनदेन में शामिल साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। अभियान के दौरान, पुलिस ने 14.18 लाख रुपये नकद, 359 सिम कार्ड, 218 एटीएम कार्ड, 88 मोबाइल फोन, 78 चेक बुक, पांच पासबुक, तीन क्रेडिट कार्ड, दो लैपटॉप, एक पेन ड्राइव और साइबर धोखाधड़ी की गतिविधियों में कथित रूप से इस्तेमाल की गई एक कार बरामद की। पुलिस ने बताया कि टीमों ने महीने के दौरान बैंकों के साथ समन्वय करके 1.11 करोड़ रुपये ठगों के पास जाने से रोके। इसके अतिरिक्त, अदालती आदेशों के माध्यम से पीड़ितों को 51.95 लाख रुपये वापस किए गए। एक बड़े अभियान में, पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली के करमपुरा से कथित तौर पर संचालित हो रहे एक अत्यधिक संगठित 'म्यूल' खाता और ओटीपी साझा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने डीएल ऑफिस नामक एक सोशल मीडिया ग्रुप का इस्तेमाल ओटीपी साझा करने और पूरे भारत में साइबर धोखाधड़ी में इस्तेमाल होने वाले 'म्यूल' बैंक खातों को संचालित करने के लिए किया। आरोपियोंकी पहचान बिट्टू चौधरी, लविश चुघ, ऋषि, अरुण सिंह, आशीष और दीपक भट्ट के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि समन्वय पोर्टल के माध्यम से किए गए तकनीकी विश्लेषण से पता चला है कि यह गिरोह लगभग 40 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से संबंधित 35 शिकायतों से जुड़ा हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय समुदय से लगाई गुहार

बंगालदेश में अवामी लीग का कोई भी सुरक्षित नहीं

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की अवामी लीग ने बुधवार को 2026 में अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। पार्टी ने चेताया कि यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मामले पर चुप रहा, तो देश क्रूरता और लंबी राजनीतिक हिंसा की ओर बढ़ सकता है।

अवामी लीग ने कोक्स बाजार जिले के उखिया उपजिला में हाल ही में हुई घटना की निंदा की, जिसमें 55 वर्षीय सयादा बेगम अपने 32 साल के बेटे एसएम इमरान को बचाने की जद्दोजहद में मारी गई थीं। उस पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकर्ताओं ने कथित हमला किया था। पार्टी के मुताबिक अब देश में जय बांग्ला नारा भी अपराध हो गया है। अवामी लीग ने कहा कि यह "भयंकर त्रासदी" अकेली घटना नहीं बल्कि पूरे देश में हिंसा का व्यापक पैटर्न है।

पार्टी के अनुसार, अवामी लीग से जुड़ा कोई भी शख्स अब सुरक्षित नहीं रहा चाहे उन्होंने कोई अपराध किया हो या नहीं। कई जिलों में हमले और हत्याओं की संख्या भयावह दर से बढ़ रही है।

अवामी लीग ने कहा, " वर्तमान बीएनपी-नेतृत्व वाली सरकार के समर्थक अक्सर हिंसा को पिछली सरकार के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया कहकर सही ठहराते हैं, जबकि स्वतंत्र विश्लेषक और मानवाधिकार समूह इसे खतरनाक बदलाव मानते हैं।" उन्होंने कहा, "बांग्लादेश में राजनीतिक प्रतिद्वंदता कोई नई बात नहीं है, लेकिन जिस तरह से इन दिनों मासूम लोगों के साथ बर्ताव किया जा रहा है वो कुछ अलग और एकदम नया है।" पार्टी ने जेलों में बंद राजनीतिक नेताओं की मौतों का हवाला दिया और कहा कि यह राज्य की जवाबदेही में पूरी तरह विफलता को दर्शाता है।

मेटा, गूगल और टेलीग्राम संदिग्ध नेटवर्क पर लगेगा लगाम

एजेंसी। नई दिल्ली

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के मद्देनजर केंद्र सरकार ने मेटा, गूगल और टेलीग्राम को अफवाह फैलाने वाले व संदिग्ध नेटवर्क्स पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुनर्परीक्षा की सुरक्षा तैयारियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की। नीट यूजी की पुनर्परीक्षा 21 जून को होनी है। अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं से पहले कई टेलीग्राम चैनल और गुमनाम ऑनलाइन समूह अचानक सक्रिय हो जाते हैं। ये चैनल छात्रों और अभिभावकों के बीच डर, भ्रम और चिंता पैदा करने के लिए फर्जी सूचनाएं प्रसारित करते हैं। कई मामलों में लिंक छात्रों को ऑटोमेटेड बॉट्स और फर्जी ग्रुप्स तक पहुंचाते हैं, जहां गलत जानकारी को तेजी से फैलाया जाता है। ऐसे ही विषयों को देखते हुए नीट-यूजी पुनर्परीक्षा को लेकर केंद्र सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था और साइबर निगरानी को और सख्त करने

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा

का निर्णय लिया है। इस सिलसिले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस मीटिंग में नीट पुनर्परीक्षा को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने पर चर्चा की गई। केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ हुई मीटिंग में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी व नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक भी मौजूद रहे। इस दौरान परीक्षा से पहले संभावित कमजोरियों की पहचान, सुरक्षा प्रबंधन और समय रहते सुधारात्मक कदम उठाने पर विस्तृत चर्चा की गई। सरकार ने विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं को गंभीर चिंता का विषय बताया। इसी सिलसिले में मेटा, गूगल और टेलीग्राम के प्रतिनिधियों के साथ अलग से बैठक कर फर्जी पेपर लीक दावों, क्लिकबेट सामग्री और अफवाह फैलाने वाले नेटवर्क्स पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, कई संदिग्ध चैनल सीमित संख्या के फोन नंबरों से संचालित हो रहे हैं, जिससे संगठित नेटवर्क के सक्रिय होने की आशंका जताई गई है।

'सेफ हेवन' का सिंडिकेटः दुबई में ईरानी मिसाइल के खौफ से भागा भारत के भी भ्रष्टाचारियों का काला धन, ये 7 देश बने नए ठिकाने

ओने-पौने दाम पर पेंटहाउस, शो रूम्स बेच रहे; अब इन मुल्कों से चलेगी 'हवाला इंडस्ट्री'

तुर्की व कैरिबियाई द्वीप में जाने लगी भारत के कुछ भ्रष्ट पावरफुल नेताओं-नौकरशाहों, धंधेबाजों की काली कमाई

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका(+इजरायल) के बीच छिड़े युद्ध ने दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय ठिकाने—दुबई की साख को हिलाकर रख दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिकी सुरक्षा कवच के तमाम खोखले दावों के बीच जब दुबई के आसमान में ईरानी मिसाइलों की गड़गड़ाहट और खतरे के सायरन गूंजे, तो भारत के भी भ्रष्ट तंत्र का कलेजा कांप गया। दशकों से इस चमचमाते रेगिस्तानी शहर को अपनी काली कमाई की सबसे महफूज तिजोरी मानने वाले सफेदपोश अपराधियों का 'गोल्डन बबल' (सुरक्षा का गुब्बारा) अब पूरी तरह फूट चुका है।भारत में बैठकर देश को चूसने वाले भ्रष्ट राजनेताओं, घूसखोर नौकरशाहों, दलालों, माफियाओं और ढोंगी बाबाओं के सिंडिकेट ने अब यहाँ से अपना बोरिया-बिस्तर समेटना शुरू कर दिया है। पाम जुमेराह और डाउनटाउन जैसे पॉश इलाकों का रियल एस्टेट मार्केट इस समय पैनिक सेलिंग की गवाह है। जिन गगनचुंबी पेंटहाउसेस, कमर्शियल दुकानों और सोने-चांदी के शोरूम्स को भारतीय जनता की भी खून-पसीने की कमाई को लूटकर खड़ा किया गया था, उन्हें अब 30% से 40% के भारी डिस्काउंट (ओने-पौने दामों) पर बेचा जा रहा है ताकि नकदी या क्रिप्टो में पैसा तुरंत निकाला जा सके।इस सिंडिकेट की चालाकी का आलम यह है कि इनमें से ज्यादातर काले धंधे वालों ने अपने बेटों-बेटियों को भारत में बीबीए और उसके बाद वकालत करवाई और फिर सीधे दुबई प्लांट कर दिया। इन कथित 'लॉयर्स' का एकमात्र काम इंटरनेशनल टैक्स कानूनों के लूपहोल्स (कमियों) का फायदा उठाकर ब्लैक मनी को वैध करने का धंधा चलाना है । लेकिन जब जान पर बन आई, तो यह पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर ही शिफ्ट किया जा रहा है। अब ये कथित वकीलों और दलालों की फौज उन नए टैक्स हेवेन्स की ओर भाग रही है, जहाँ से भारत की डील्स फाइनल होंगी, हवाला से रकम रूट होगी और इनके ऐश-ओ-आराम पर आंच भी नहीं आएगी।

दुबई पर ईरान के हमले के बादः ये हैं काली कमाई के नए 7 'ग्लोबल सेफ हेवन्स'

ग्लोबल शेल कंपनियों के ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, दुबई से उजड़ा यह सिंडिकेट अब इन 7 सुरक्षित ठिकानों पर अपना नया साम्राज्य खड़ा कर रहा हैः

1. तुर्की : 4 लाख डॉलर की प्रॉपर्टी फेंकिए और सीधे नागरिकता-पासपोर्ट पाइए। नाटो सदस्य होने से यह युद्ध से दूर है और यहाँ का बैंकिंग सिस्टम ब्लैक मनी के लिए बेहद 'उदार' है।

2. सेंट किट्स एंड नेविस : यह कैरिबियाई द्वीप 'गोल्डन पासपोर्ट' का सबसे बड़ा अड्डा है। बिना वहाँ कदम रखे नागरिकता मिलती है और वित्तीय गोपनीयता के कानून अभेद्य हैं।

3. साइप्रस : यूरोपियन यूनियन का पिछला दरवाजा। भारी निवेश के दम पर यहां परमानेंट रेजिडेंसी मिलती है, जो टैक्स चोरी और आलीशान लाइफस्टाइल का घातक कॉम्बिनेशन है।

4. सिंगापुर : एशिया का सबसे चालाक फाइनेंशियल हब। कड़े कानूनों का ढोंग है, लेकिन कानूनी रूप से वेल्थ मैनेजमेंट और शेल कंपनियां बनाने की असीमित छूट है।

5. केमैन आइलैंड्सः कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत आय पर शून्य टैक्स की जन्नत। दुनिया भर के माफियाओं और नेताओं के बेनामी फंड्स को छुपाने का सबसे गुप्त बेस।

6. माल्टा : यह यूरोपीय देश भी मोटी रकम के बदले सिटिजनशिप की पक्की गारंटी देता है। यहाँ पैसों के काले-सफेद स्रोत (Source of Funds) पर कोई सवाल नहीं पूछा जाता।

7. थाईलैंड : यहाँ का 'एलीट वीज़ा' प्रोग्राम भारत के करीब रहकर ऐश करने, लंबी अवधि की कानूनी सुरक्षा पाने और एशियाई हवाला नेटवर्क को ऑपरेट करने का सबसे आसान जरिया बन गया है।

बदलता पैंतराः भारत में डील, नए ठिकानों से हवाला रकम व कानूनी लूपहोल्स का खेल

दुबई की असुरक्षा ने इन अपराधियों का ठिकाना बदला है, इनका इरादा नहीं। भारत के भीतर होने वाले कुछ कोयला, खदान, बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग की /या व्यवसाइयों तथा अन्य का कोई बड़ा काम कराने की दलाली का काला धन अब सीधे तुर्की या कैरिबियाई बैंकों में रजिस्टर्ड बेनामी ट्रस्टों के विदेशी खातों में लैंड कर रहा है।दुबई से भागे इनमें से कई के शातिर वकील बच्चे अब इन नए 7 ठिकानों पर बैठकर 'फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट' (एफपीआई) के नए जाल बुन रहे हैं। इसी रूट से इस काली कमाई को वापस भारत के शेयर बाजार और रियल एस्टेट में 'व्हाइट मनी' बनाकर री-इन्वेस्ट किया जाता रहा है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के तमाम नियमों को ठेंगे पर रखकर, इन मुल्कों के लचीले कानून इन लुटेरों को वही गोपनीयता दे रहे हैं जो दुबई के मलबे में दफन हो चुकी है। साफ है कि देश को लूटने वालों ने अपनी चमड़ी और दमड़ी बचाने के लिए ग्लोबल मैप पर नए महफूज ठिकाने ढूंढ लिए हैं।

पीएम के इटली में टॉफी बांटने वाली राहुल गांधी की पोस्ट पर बोले गोयल

"भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों"

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री के इटली में टॉफी बांटने वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए पूछा- "आपको भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों है? दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुधवार को इटली दौर पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत में बनी टॉफी 'मेलोडी' देने पर राहुल गांधी ने कहा था कि "आर्थिक तूफान सर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं! इस पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर गोयल ने कहा, "राहुल गांधी को भारत और भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों है? भारत आज मेड इन इंडिया और लोकल गोज्स ग्लोबल के माध्यम से दुनिया का ट्रस्टेड डेस्टिनेशनल बना है, लेकिन कांग्रेस को हर भारतीय उपलब्धि में समस्या ही दिखाई देती है। जिस वैश्विक सम्मान, निवेश और भरोसे के लिए देश दशकों तक इंतजार करता रहा, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत अर्जित कर रहा है तो वह राहुल गांधी से सहन नहीं हो रहा है। इटली दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का पैकेट भेंट किया।

इस गिफ्ट के लिए मेलोनी ने उन्हें धन्यवाद भी दिया। इतालवी पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 12 सेकंड की वीडियो क्लिप साझा की।

PR No. 380346 (Health Med Edu and Family Welfare) 2026-27

पेज एक के शेष

सड़क निर्माण कार्य ...

मंत्री ने कहा कि बारिश से पहले राज्य के क्षतिग्रस्त पुलों की सूची तैयार कर उसे दुरुस्त करने का काम तेज किया जाए। उन्होंने इसके लिए विभागीय अधिकारियों को ऐसे पुल का निरीक्षण करने का निर्देश भी दिया। ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में राज्य के 6 जिलों में पलाश मार्ट निर्माण की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए जिलों में जमीन चिह्नितिकरण का काम जिला प्रशासन की मदद से पूर्ण किया जाएगा। हाल के दिनों में पलाश ब्रांड के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ने के साथ बाजार में मांग भी बढ़ी है। बैठक में मंत्री ने राज्य में अबुआ आवास के लाभुकों को उनका अंतिम किस्त दे कर उनके आशियाना के सपना को साकार करने पर जोर दिया। अबुआ आवास के लिए इस बजट में 41 सौ करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया है। समीक्षा बैठक के दौरान ये बात सामने आई की राज्य में अब बहुत कम घर ही ऐसे बचे हैं, जहां एसएचजी से जुड़ी कोई महिला सदस्य ना हो। राज्य भर में एसएचजी ग्रुप की संख्या 3 लाख 19 हजार के करीब तक पहुंच चुकी है। जो ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के स्वावलंबन के नजरिए से बेहतर संकेत है। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह समीक्षा बैठक के क्रम में जेएसएलपीएस के काम से संतुष्ट नजर नहीं आईं। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को कार्य संस्कृति में सुधार लाने के साथ-साथ जेएसएलपीएस के उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाने का निर्देश दिया। मनरेगा की योजनाओं की समीक्षा के क्रम में ये बात सामने आई की वीबी ग्राम जी योजना के लागू होने से झारखंड पर 1700 करोड़ का अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा। समीक्षा बैठक में ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज सचिव मनोज कुमार, मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय बरनवाल सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

नियमों से समझौता...

स्कूल बसों की सुरक्षा को लेकर भी आयुक्त गंभीर दिखीं। उन्होंने बसों की नियमित जांच, मेडिकल बॉक्स की उपलब्धता और ओवरलोडिंग रोकने के निर्देश दिए। साथ ही पेट्रोल पंप, सीएनजी पंप, ई-रिक्शा संचालन और मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना की स्थिति की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने कहा कि परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हरिहरगंज में इंडेन...

प्रोपराइटर दीपक कुमार ने बताया कि 27 अप्रैल को मुजफ्फरपुर डिपो से गैस सिलेंडरों की खेप गोदाम में पहुंची थी। घटना की सूचना मिलते ही एसआई संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि गैस सिलेंडर चोरी मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

सील अस्पताल में...

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने अस्पताल को पत्र जारी कर नर्सिंग होम से संबंधित अद्यतन दस्तावेज, वहां कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और कंपाउंडरों की सूची 24 घंटे के भीतर जमा करने का निर्देश दिया है। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि समय सीमा के भीतर कागजात उपलब्ध नहीं कराने पर मामला उच्च अधिकारियों को भेजते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम पर जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण और आवश्यक मानकों के अस्पताल संचालन तथा ऑपरेशन कराना कानून का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अनीता देवी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध अस्पतालों और क्लीनिकों का संचालन गरीब और असहाय लोगों की जान जोखिम में डाल रहा है। ऐसे संस्थानों पर नियमित जांच अभियान चलाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। उधर, स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले को लेकर इलाके में चर्चा और लोगों में आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

संध्या मालती फूल...

डॉ प्रधान ने कहा कि शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने अब तक 0.61 प्रतिशत की अधिकतम पावर कन्वर्जन एफिशिएंसी (पीसीई) तथा लगभग 250 घंटे तक की स्थिरता प्राप्त की है। यद्यपि यह प्रारंभिक स्तर का परिणाम है, लेकिन प्राकृतिक डाई आधारित सौर सेल तकनीक के लिए इसे अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डॉ बासुदेव प्रधान ने बताया कि शोध टीम ने फूल के अर्क और उसके विभिन्न रासायनिक घटकों का गहन अध्ययन किया। क्वांटम रासायनिक गणनाओं के माध्यम से यह अनुमान लगाया गया कि फूल के छह प्रमुख डाई घटकों में से प्रत्येक 13.9 प्रतिशत से 20.8 प्रतिशत तक दक्षता प्रदान करने की क्षमता रखता है। यह परिणाम इस तकनीक की भविष्य की संभावनाओं को और मजबूत बनाता है। डॉ प्रधान ने कहा कि वर्तमान समय में सौर सेल तकनीकों में जिन सिंथेटिक डाई का उपयोग किया जाता है, वे महंगी होने के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी खतरनाक होती हैं। विशेष रूप से रूथेनियम आधारित डाई, जिनकी दक्षता लगभग 13 प्रतिशत मानी जाती है, पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं। इसके विपरीत संध्या मालती फूल से प्राप्त प्राकृतिक डाई पूरी तरह गैर-विषैली, जैव-अपघटनीय तथा अत्यंत सस्ती है। शोधकर्ताओं ने यह भी बताया कि प्राकृतिक डाई निष्कर्षण प्रक्रिया में सुधार तथा उपकरणों की गुणवत्ता को बेहतर बनाकर भविष्य में इस तकनीक की दक्षता को और बढ़ाया जा सकता है। यदि इस दिशा में व्यापक शोध जारी रहता है, तो यह तकनीक वैश्विक ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान बन सकती है। इस शोध कार्य में प्रशांत कुमार, अंशु कुमार, आयुषी परीक, एनामुल हक और अनिक सेन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूरी शोध टीम ने डॉ बासुदेव प्रधान के नेतृत्व में यह अध्ययन पूरा किया है।

अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुई है यह रिपोर्ट : यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका जर्नल ऑफ पावर सोर्सेज में प्रकाशित हुआ है, जो ऊर्जा और पावर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र की उच्च प्रभाव वाली शोध पत्रिकाओं में शामिल है। इससे न केवल विश्वविद्यालय की शोध क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है, बल्कि झारखंड और भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए भी यह गर्व का विषय है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित इस प्रकार की तकनीकों को बड़े स्तर पर विकसित किया जाए, तो भविष्य में सस्ती, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल सौर ऊर्जा आम लोगों तक आसानी से पहुंचाई जा सकेगी।

राज्यभर में बंद...

संजीव बनर्जी ने कहा कि कोरोना काल के दौरान केंद्र सरकार के निर्देश पर दवाओं की होम डिलीवरी की व्यवस्था शुरू की गई थी। उस समय परिस्थितियों को देखते हुए केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने सरकार के निर्णय का समर्थन किया था, लेकिन यह व्यवस्था अब भी जारी है और इसके तहत कई तरह की अनियमितताएं सामने आ रही हैं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि वर्तमान में कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना पर्याप्त सत्यापन के दवाओं की बिक्री कर रहे हैं, जिससे एक ही प्रिस्क्रिप्शन का बार-बार उपयोग हो रहा है। इसके अलावा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित फर्जी प्रिस्क्रिप्शन के जरिए एंटीबायोटिक और नशीली दवाओं की उपलब्धता बढ़ रही है। इससे एंटी माइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। एसोसिएशन ने बड़े कॉरपोरेट घरानों पर डीप डिस्काउंटिंग के जरिए बाजार का संतुलन बिगाड़ने का भी आरोप लगाया। संजीव बनर्जी ने कहा कि आवश्यक दवाओं की कीमतें पहले से ही सरकार द्वारा नियंत्रित हैं, इसके बावजूद बड़ी कंपनियां अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा कर रही हैं। इसका सबसे अधिक असर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के दवा विक्रेताओं पर पड़ रहा है, जिनका व्यवसाय संकट में आ गया है। एसोसिएशन के नेताओं ने केंद्र सरकार से जीएसआर 220ई को रद्द करने की मांग की। उनका कहना है कि यह प्रावधान ऑनलाइन दवा बिक्री को अनुमति देता है, जिससे नकली दवाओं के बाजार में पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने सरकार से दवा कारोबार में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पारंपरिक दवा विक्रेताओं के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

उद्योग विभाग द्वारा सीएसआर कॉनक्लेव का हुआ आयोजन, मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा

सीएसआर फंड प्रभावित क्षेत्र के लोगों के विकास कार्यों में हो खर्च

उद्योग जगत के कई प्रतिनिधि हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि सीएसआर फंड की राशि प्रभावित क्षेत्र के लोगों के विकास कार्यों में खर्च करें। इसे संबंधित कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि फैक्ट्री और माइन्स के क्षेत्र में प्रदूषण, भूमि आदि से प्रभावित लोगों को सीएसआर फंड का सीधा-सीधा लाभ पहुंचे।लोगों को विश्वास हो की सीएसआर फंड से उनकी स्थिति में सुधार होगा। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की प्राथमिकता राज्य और राज्य के लोगों का विकास है और कंपनी द्वारा सीएसआर फंड का उपयोग शत- प्रतिशत इनके विकास कार्यों में खर्च किया जाना चाहिए । वे बुधवार को रांची के एक स्थानीय होटल में आयोजित सीएसआर कॉनक्लेव 2026 को संबोधित कर रहे थे।

उद्योग निदेशक विशाल सागर ने कहा कि मंत्री संजय प्रसाद यादव के प्रयास से सीएसआर कॉनक्लेव का आयोजन किया गया है।इस प्रकार के कॉनक्लेव के माध्यम से झारखंड में किन किन क्षेत्रों में सीएसआर की राशि खर्च किए जाने की आवश्यकता है इसे प्राथमिकता के आधार पर लिए जाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सीएसआर में एजुकेशन , हेल्थ सहित अन्य क्षेत्रों जैसे सॉइल कांजेर्वेशन, एनवायरनमेंट कांजेर्वेशन को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी सीएसआर रूल 2014 के आधार पर झारखंड में काम किया जा रहा है बीच- बीच में इस रूल में अमेंडमेंट भी हुआ है पर सीएसआर में अभी भी कई ऐसे सेक्टर जिन पर पैसा खर्च नहीं हो पा रहा है इन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कॉर्पोरेट के लिए सीएसआर की शर्तों की जानकारी देते हुए बतलाया कि इसमें नेट वर्थ 500 करोड़ और टर्न ओवर 1000 करोड़ और प्रॉफिट 5 करोड़ सालाना की कंपनी सीएसआर के दायरे में आती है। विशाल सागर ने पीपीटी के माध्यम से कंपनी एक्ट 2013 में शेड्यूल 7 में सीएसआर के तहत किया जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। जिसमे स्किल ट्रेनिंग, क्लचरल हेरिटेज और ट्रेडिशनल आर्ट्स का संरक्षण प्रमोटिंग स्पोर्ट्स, रूरल एंड स्लम डेवलपमेंट, सहित झारखंड में सीएसआर फोकस एरिया पर विस्तार से बतलाया। उन्होंने सीएसआर में झारखंड के सभी क्षेत्रों सहित संथाल परगना पर फोकस करने पर जोर दिया साथ हो , सीएसआर आकस्मिक फण्ड की भी व्यवस्था करने पर बल दिया ताकि दुर्घटनाओं में घायल लोगों को त्वरित राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने ब्लड बैंक, एम्बुलेंस, टेस्टिंग इक्विपमेंट्स आदि पर भी सीएसआर के तहत खर्च करने पर जोर दिया।

कॉनक्लेव में यूनिसेफ ने झारखंड में किए जा रहे कार्यों और भविष्य में उसकी क्या क्या योजनाएं है किन क्षेत्रों पर फोकस है इसकी जानकारी यूनिसेफ के प्रतिनिधियों ने पीपीटी के माध्यम से दी। इसके अलावे टाटा फाउंडेशन के सीओओ देबजोत मोहंती ने टाटा फाउंडेशन द्वारा झारखंड में सीएसईआर के क्षेत्र में किए जा रहे ख़र्चों को जानकारी दी। उन्होंने बतलाया की टाटा झारखंड के सभी जिलों में सीएसआर के तहत काम कर रहा है। पब्लिक हेल्थ, एजुकेशन, लाइवलीहुड, ट्राइबल आइडेंटिटी सहित अन्य क्षेत्रों में खर्च की जानकारी दी साथ ही भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला ।

राज्य के लिए लोगों का हित सर्वोपरि

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार और कॉर्पोरेट मिलकर राज्य के लोगों के हित में काम कर सकते हैं। सीएसआर राशि के उपयोग से रोजगार के अवसर सृजित किए जा सके हैं। स्वास्थ्य , शिक्षा, कुटीर उद्योग से लोगों को लाभ पहुचा सकते हैं। मंत्री जी ने सुझाव दिया कि फैक्ट्री और माइन्स से प्रभावित क्षेत्र में लोगों को विवाह कार्यक्रम में विवाह भवन की आवश्यकता होती है ,सीएसआर फंड से इसकी व्यवस्थता कर उन्हें आर्थिक मदद की जा सकती है। इसी तरह अन्य जरूरतों को ध्यान में रख कर सीएसआर की राशि का उपयोग करें।

सीएसआर फंड की होगी मॉनिटरिंग

संजय प्रसाद यादव ने सीएसआर फंड की मॉनिटरिंग की जरूरत बतायी ताकि सरकार को मालूम हो कि किस क्षेत्र में कितना खर्च किया जा रहा है । उन्होंने कहा की जल्द ही मॉनिटरिंग सेल की व्यवस्था की जाएगी । उन्होंने कहा की बड़ी कंपनियां अच्छा कर रही है । छोटी कंपनियों को भी इनका अनुसरण करना चाहिए। राज्य सरकार , राज्य में उद्योगों को बढ़वा देने के लिए कृतसंकल्प है। राज्य में उद्योग लगाने के लिए उद्योग विभाग हर तरह की सहायता मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है ।

कॉनक्लेव के माध्यम से सीएसआर को विस्तार से समझने में मिलेगी मदद

उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि सीएसआर के बारे में विस्तृत चर्चा के लिए विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ यह कॉनक्लेव का आयोजन किया गया है। सीएसआर क्या है, इसकी लिमिट क्या है और सीएसआर संबंधित क्षेत्रों के लोगों की प्राथमिकताओं को ध्यान में सीएसआर की राशि को खर्च करना है। कॉनक्लेव में हमलोग सीएसआर की प्राथमिकताओं, प्लानिंग और लोकल नीड्स की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर चर्चा करेंगे ताकि इसके सकारात्मक परिणाम निकलें। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन लोगों की प्राथमिकताओं और कंपनी के बीच के गैप को पाटने का का काम करेगा । कॉनक्लेव के माध्यम से सीएसआर को विस्तार से समझने में मदद मिलेगी कि कौन कौन सी कंपनी इसके दायरे में आएगी। कितना खर्च करना है।

सोने-चांदी के चम्मच में खाने वाले लोगों को गरीब नाम से ही नफरत : आदित्य साहू

राहुल गांधी और कांग्रेस आज बगैर सत्ता के छटपटा रहे हैं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने राहुल गांधी द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए अपमानजनक भाषा के प्रयोग को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि यह बयान कांग्रेस की उस मानसिकता को दर्शाता है, जो एक साधारण परिवार से निकलकर देश की सेवा में समर्पित नेतृत्व को स्वीकार नहीं कर पा रही है।

श्री साहू ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस और तमाम विपक्षी पार्टियों को गरीब नाम से ही नफरत है। इन्हें गरीब नाम ही पसंद नहीं है। कोई गरीब देश के सर्वोच्च कुर्सी पर बैठे, यह इन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा है। यह राजघराने के लोग हैं, सोने-चांदी के चम्मच में खाने वाले लोगों को भला गरीब लोग कैसे पसंद आ सकते हैं? जब कभी कोई गरीब व्यक्ति ऊंचा पायदान चढ़ता है तो इन्हें नागवार गुजरता है। श्री साहू ने कहा कि इनके पूर्वज जवाहर लाल नेहरू हो, इंदिरा गांधी हो, राजीव गांधी हो या फिर इनके द्वारा जो भी प्रधानमंत्री बनाए गए हैं, सभी इनके इशारे पर नाचते रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने इस परिपाटी को ही बदल दिया है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने गांव, गरीब, किसान, मजदूर, शोषित और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। यही कारण है कि देश की 140 करोड़ जनता नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को पसंद भी करती है और झोली भर भर के आशीर्वाद भी देती है। जब से नरेंद्र मोदी पीएम बने हैं एक सेवक के रूप में उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया है।

श्री साहू ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने अपनी नकारात्मक और अमर्यादित राजनीति का परिचय दिया है, इसके पहले भी कई बार जब भी राहुल गांधी, कांग्रेस या विपक्षी दलों को मौका मिला है, इन्होंने प्रधानमंत्री को गालियां बककर अपमानित करने का काम किया है। राहुल गांधी विदेशों में जाकर भी देशवासियों को लगातार अपमानित और बदनाम करने का काम करते रहे हैं। एक राष्ट्रभक्त, देश के लाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को, राष्ट्रपति को भी इन लोगों ने लगातार अपमानित करने का काम किया है। इसके पीछे नरेंद्र मोदी के प्रति जनता का अपार प्यार और जनता के बीच उनकी भारी लोकप्रियता एवं स्वीकार्यता है। देश में या किसी भी राज्य में जब भी कोई चुनाव होता है तो 80% जनता नरेंद्र मोदी और भाजपा को पसंद करती है। जबकि कांग्रेस और विपक्षी पार्टी को नकारती रही है। जैसे कोई मछली बिना पानी के तड़पती है, उसी प्रकार राहुल गांधी और कांग्रेस आज सत्ता के बिना छटपटा रहे हैं।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से जनता की आवाज को किया मजबूत : लाल किशोर

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान को पूरी तरह से भ्रामक, आधारहीन और राजनीतिक हताशा का नतीजा बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी नाकामियों और पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने की नीतियों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रही है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि सोने-चांदी के चम्मच की बात करने वाले आदित्य साहू शायद भूल गए कि आज देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से बेहाल है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा के जरिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चलकर देश के करोड़ों गरीबों, किसानों, मजदूरों और आदिवासियों के आंसू पोंछने का काम किया है। कांग्रेस ने हमेशा देश के वंचित वर्ग को अधिकार दिए हैं, जबकि भाजपा की नीतियां केवल चंद अरबपति मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए बनती हैं। राहुल गांधी पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी ने कभी भी देश या किसी पद का अपमान नहीं किया, बल्कि उन्होंने हमेशा लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की बात की है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू

Email:- palamunrep@gmail.com

तिथि विस्तारण संबंधी सूचना

इस कार्यालय के आम सूचना ज्ञापांक 137/एन0आर0ई0पी0, दिनांक 08.05.2026 द्वारा निर्गत अतिअल्पकालिन ई–निविदा आमंत्रण सूचना ई–संख्या– RDD/NREP/Palamu 05/2025-26 (3rd Call Retender) (PR No-379344) में पूर्व से निर्धारित तिथि में संशोधन करते हुए निम्न प्रकार निविदा की तिथि विस्तारित की जाती है–

विवरणी	पूर्व से निर्धारित तिथि	संशोधित तिथि
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि	11-05-2026 Time 10:00 AM to 18-05-2026 Time 05:00 PM	22-05-2026 Time 10:00 AM to 29-05-2026 Time 02:00 PM
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	20-05-2026 Time 11:00 AM	30.05-2026 Time 03:00 PM

नोट :– निविदा की शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

ह0/–कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,मेदिनीनगर पलामू

PR 380308 District(26-27).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, चतरा

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना–N.I.T. No.-07/2026-27

पत्रांक:– दिनांक :–

1.	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, चतरा ।
2.	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि–	03.06.2026 के अपराह्न 1.00 (एक) बजे तक ।
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	04.06.2026 के अपराह्न 3.00 (तीन) बजे तक ।
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	04.06.2026 के अपराह्न 3.30 (साढ़े तीन) बजे ।
5.	परिमाण विपत्र विक्री का स्थान	1- कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल का कार्यालय, चतरा । 2- अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, का कार्यालय हजारीबाग । 3- सहायक अभियंता, भवन अवर प्रमण्डल सं0.01,चतरा का कार्यालय ।
6.	निविदा प्राप्ति का स्थान और खोलने का स्थान	1- कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल का कार्यालय, भवन प्रमण्डल, चतरा ।
7.	कार्य की विवरणी	

कम सं0	कार्य का नाम	प्रा0 राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Construction of 02 (Two) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Singhani Girl	24,98,500.00	50000.00	5000.00	03 Months

नोट:– 1. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट् पर देखा जा सकता है।
2बैंक ड्राफ्ट निविदाकार के नाम से ही निर्गत होना चाहिए।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, चतरा

PR 380294 (Building)26-27*D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा

(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

–बंदोबस्ती हेतु आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतरा जिला परिषद क्षेत्रान्तर्गत ईटखोरी प्रखण्ड अन्तर्गत निर्मित **Multipurpose Training Centre को (Builtup Area- 15100 sqft)** का आवंटन खुला डाक के माध्यम से एक वर्ष (12 माह) के लिए किया जाना है। बन्दोवस्ती डाकवक्ता के द्वारा बोली गई अधिकतम डाक की राशि पर आवंटित किया जायेगा।

इच्छुक व्यक्ति दिनांक 21/05/2026 से 30/05/2026 तक "चतरा जिला परिषद कार्यालय" मो0 10000/– (दस हजार रू0) की डिमाण्ड ड्राफ्ट जो "DDC CUM CEO DISTRICT BOARD CHATRA" के नाम से भुगतेय हो जमा कर फार्म प्राप्त कर सकता है। यह राशि किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं की जायेगी।

भवन का नाम	न्यूनतम डाक की राशि (एक वर्ष के लिए)	जमानत की राशि
1	2	3
Multipurpose Training Centre Itkhori	400000 (चार लाख रू0)	100000 (एक लाख रू0)

नियम शर्तें –

1.आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि – दिनांक 01/06/2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक।
2.डाकबोली की तिथि एवं समय – दिनांक 02/06/2026 के अपराह्न 02.00 बजे।
3.स्थान – जिला परिषद सभाकक्ष, चतरा
4.डाक बोली में उसी डाकवक्ता को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी, जो वांछित कागजात (Technical Bid) की अहर्ता रखता हो। वांछित कागजात में सफल डाकवक्ता की सूची कार्यालय नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा।
5.बन्दोबस्ती की न्यूनतम डाक की राशि मो0 400000.00 (चार लाख रू0) प्रति वर्ष (तीन वर्ष के लिए–1200000.00 (बारह लाख रू0) के लिए निर्धारित की गयी है। उच्चतम डकबक्ता द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
6.सुरक्षित/जमानत की राशि **मो0 100000.00 (एक लाख रू0)** बैंक ड्राफ्ट द्वारा "उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा" के पदनाम से देय हो जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्त्ताओं की जमानत की राशि डाक समाप्ति के तुरंत बाद वापस कर दी जायेगी।
7.संबंधित भवन का एकरारनामा की तिथि से जिस स्थिति में है (As it is where it is) एकरारनामा किया जायगा।
8.डाकवक्ता को जिला के स्थायी निवासी होने पर वरीयता प्रदान की जायेगी।
9.जिला परिषद में किसी भी प्रकार का बकाया रखने वाले व्यक्ति/फर्म बन्दोबस्ती हेतु डाक में भाग नहीं लेगें।
10.अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
11.अन्य डाक की नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिला परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है, जो इस सूचना का एक अभिन्न अंग होगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद,चतरा

PR 380257 (District)26-27*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।

आवश्यक सूचना (नोटिस)।

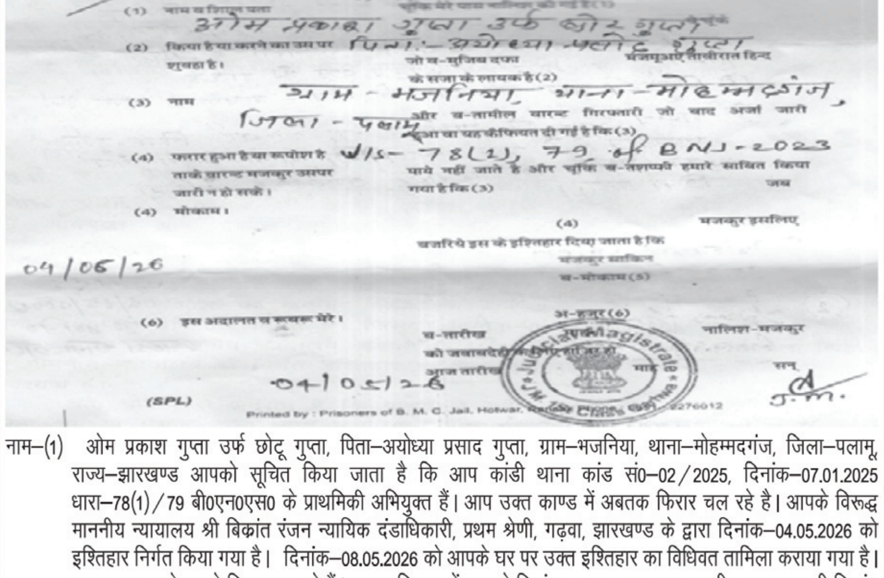
The court of Sri Bikrant Ranjan JMFC Garhwa
Schedule XLIII - High Court (M) 31C, [Old Criminal Process No. 4]
PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF A PERSON ACCUSED
[Form No. 4 Schedule II Act 2 1974]
(Section 82 of the Code of Criminal Procedure)
एक मसहम शख्स को हाजिर करने का इश्तिहार।
Kandi P.S. 02/2025
04/06/26
04/05/26
(SPL)

नाम–(1) ओम प्रकाश गुप्ता उर्फ छोटू गुप्ता, पिता–अयोध्या प्रसाद गुप्ता, ग्राम–भजनिया, थाना–मोहम्मदगंज, जिला–पलामू, राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप कांडी थाना कांड सं0–02/2025, दिनांक–07.01.2025 धारा–78(1)/79 बी0एन0एस0 के प्राथमिकी अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आपके विरूद्ध माननीय न्यायालय श्री बिक्रांत रंजन न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गढ़वा, झारखण्ड के द्वारा दिनांक–04.05.2026 को इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–08.05.2026 को आपके घर पर उक्त इश्तिहार का विधिवत तामिला कराया गया है। परन्तु आप अपने घर से फिरार चल रहे हैं। उक्त इश्तिहार में आपको दिनांक–04.06.2026 तक माननीय न्यायालय श्री बिक्रांत रंजन न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गढ़वा, झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक–04.06.2026 तक माननीय न्यायालय श्री बिक्रांत रंजन न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गढ़वा, झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पण करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा।

PR 380265 (Police) 26-27 (D)

अंडर-19 : जुलाई में श्रीलंका का दौरा करेगी भारतीय टीम

खेले जाएंगे 3 वनडे और 2 चार-दिवसीय मैच

एजेंसी । कोलंबो

भारतीय पुरुष अंडर-19 टीम जुलाई 2026 में श्रीलंका का दौरा करेगी। इस दौरे में 3 वनडे मैच और 2 चार-दिवसीय मुकाबलों की द्विपक्षीय सीरीज खेली जाएगी। यह ऐलान श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बुधवार को किया है। भारतीय अंडर-19 पुरुष टीम 30 जून को श्रीलंका पहुंचेगी। दौरे की शुरुआत 4 जुलाई को 50-ओवर के मैच से होगी, जो हंबनटोटा के महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (एमआरआईसीएस) में खेला जाएगा। इसके बाद, दूसरा और तीसरा मुकाबला भी इसी स्टेडियम में क्रमशः 6 जुलाई और 9 जुलाई को आयोजित होगा। इसके बाद चार-दिवसीय सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला 13 से 16 जुलाई तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा चार-दिवसीय मैच 20 से 23 जुलाई तक कोलंबो के आर. प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। उम्मीद है कि यह सीरीज दोनों देशों के अगली पीढ़ी के क्रिकेटर्स को काफी अनुभव देगी। खासकर तब, जब भारत इस साल जिम्बाब्वे और नामीबिया में हुए पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप का विजेता बनकर आ रहा है। इसके बाद, भारत की अंडर-19 पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगी। दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेली जाएगी। इसके बाद, टीम का ध्यान लंबे फॉर्मेट पर चला जाएगा, जिसमें दो चार-दिवसीय मैच खेले जाएंगे। ये मुकाबले 27 सितंबर को राजकोट में और 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में शुरू होंगे। 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली इस सीरीज के लिए उम्र के लिहाज से योग्य होंगे। इस युवा बल्लेबाज ने पहली बार साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 सीरीज के दौरान सुर्खियां बटोरी थीं। तब उन्होंने महज 13 साल की उम्र में यूथ टेस्ट मैच में 62 गेंदों पर 104 रनों की तूफानी पारी खेली थी।

जुलाई में श्रीलंका दौरे पर जाएगी भारतीय अंडर-19 टीम *: भारतीय पुरुष अंडर-19 टीम जुलाई 2026 में श्रीलंका दौरे पर जाएगी।*

तीन वनडे और दो चार-दिवसीय मैचों की सीरीज : *दौरे में दोनों टीमों के बीच पांच मुकाबले खेले जाएंगे।*

राजकोट और अहमदाबाद में होंगे मुकाबले : *ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लंबे फॉर्मेट मैच गुजरात में आयोजित होंगे।*

जीत कूने दो फेडरेशन कप के लिए झारखंड टीम मुंबई रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 22, 23 एवं 24 मई को मुंबई में आयोजित होने वाली जीत कूने दो फेडरेशन कप तथा इंडो नेपाल गेम्स में भाग लेने के लिए झारखंड की जीत कूने दो टीम बुधवार को हटिया रेलवे स्टेशन से मुंबई के लिए रवाना हुई। टीम में कुल 23 प्रतिभागी शामिल हैं। खिलाड़ियों में लखन उरांव, असफाक, ईशान भगत, आरित उरांव, आद्विक उरांव, नमन, असद, बिपिन, बबलू कर्मकार, शाश्वत, नितेश कुमार, समर्थ चंद्र, प्रिंस, साक्षी कुमारी, अनुराधा कुमारी, कुमकुम, ग्रेसी कुमारी, प्रगति गिरी, रूबी गिरी, अदिति श्री, अरहान आलम एवं फरहान आलम शामिल हैं। संस्था के सचिव एवं राष्ट्रीय कोच सिफू बिस्वजीत कर्मकार के नेतृत्व में टीम प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुई। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी पूरी तैयारी के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जा रहे हैं और झारखंड के लिए बेहतर प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं अभिभावकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मानव सुथार को मौका

माता-पिता की खुशी नहीं कोई ठिकाना

एजेंसी । श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर जिले के युवा क्रिकेटर मानव सुथार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के इस फैसले के बाद जिले में जबरदस्त खुशी का माहौल है। मानव के घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। माता-पिता की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। 23 वर्षीय बॉलिंग ऑलराउंडर मानव सुथार के पिता जगदीश पेशे से एक टीचर हैं। जगदीश सुथार ने 'आईएएनएस' से कहा, "ये हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। हम इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मानव को 5 साल की उम्र से ही क्रिकेट का शौक था।

आईपीएल में कोहली सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी

रोहित दूसरे और धोनी तीसरे नंबर पर

19,200 करोड़ के साथ कोलकाता सबसे वैल्युएबल फ्रेंचाइजी

एजेंसी । नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वे 230 करोड़ की कमाई कर चुके हैं। आईपीएल 2008 से शुरू हुआ है और इस बार इसका 19वां सीजन है। यह दावा फैनेटिक स्पोर्ट्स और हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट में किया गया है। यह रिपोर्ट दुनिया के 53 देशों के 504 शहरों के 1,323 एलीट एथलीटों और 6 स्पोर्ट्स लीगों की स्टडी पर आधारित है। फैनेटिक स्पोर्ट्स एक टिकटिंग और हॉस्पिटैलिटी कंपनी है, जो खेल से जुड़े ट्रैवल और इवेंट्स का प्रबंधन करती है। वहीं, हुरुन इंडिया रिसर्च और वैल्युएशन कंपनी है, जो अमीरों की सूची और बिजनेस रिपोर्ट्स के लिए जानी जाती है।

कोहली ने रोहित शर्मा और एमएस धोनी को पीछे छोड़ा

आईपीएल के सबसे अमीर खिलाड़ियों की लिस्ट में विराट कोहली नंबर-1 पर हैं। वे 2008 से लगातार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे हैं और अब तक 230 करोड़ की सैलरी ले चुके हैं। विराट ब्रांड वैल्यू के मामले में भी लीग के सबसे बड़े स्टार हैं। इस सूची में मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 227.2 करोड़ की कमाई के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी 200 करोड़ की सैलरी के साथ तीसरे स्थान पर हैं। धोनी आज भी भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के बड़े कॉमर्शियल आइकन हैं।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने सीरीज के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

एजेंसी । भोपाल

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही। भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की। सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।

भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलयाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद कांटे वाला रहा। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को भारतीय टीम ने पूरी तरह उन्नीस साबित किया और मैच 4-1 से जीत हासिल करते हुए सीरीज का समापन धमाकेदार अंदाज में किया।

रांची डिस्ट्रिक्ट ओपन टेबल टेनिस चैंपियनशिप 6 से

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन (आरडीटीटीए) के तत्वावधान में यूनियन क्लब एंड लाइब्रेरी रांची डिस्ट्रिक्ट ओपन टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 का आयोजन 6 एवं 7 जून को यूनियन क्लब एंड लाइब्रेरी हॉल, एचबी रोड, रांची में किया जाएगा। प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग के साथ-साथ अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग तथा मास्टर्स पुरुष 40+, 50+ एवं 60+ वर्ग के मुकाबले आयोजित होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों की आयु पात्रता निर्धारित की गई है। अंडर-11 वर्ग में 1 जनवरी 2016 या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकेंगे, जबकि अंडर-19 वर्ग के लिए 1 जनवरी 2008 या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी पात्र होंगे। मास्टर्स वर्ग के लिए भी अलग-अलग आयु सीमा तय की गई है। प्रतियोगिता में अंडर-11 से अंडर-17 वर्ग तक प्रति इवेंट 200 रुपये, अंडर-19 और सीनियर वर्ग में 300 रुपये तथा मास्टर्स वर्ग में 500 रुपये प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रत्येक खिलाड़ी अधिकतम चार इवेंट में भाग ले सकेगा। इच्छुक खिलाड़ी 4 जून 2026 को दोपहर 3 बजे तक अपनी प्रविष्टि आरडीटीटीए के कार्यकारी सचिव सुदीप्त मुखर्जी अथवा मुख्य रेफरी अरुण डे को जमा कर सकते हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन 6 जून को सुबह 11 बजे तथा समापन समारोह 7 जून को शाम 6 बजे आयोजित होगा।

माइकल किंडो मेमोरियल ऑल इंडिया महिला हॉकी चैंपियनशिप के लिए सिमडेगा टीम रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची/सिमडेगा। उड़ीसा के भुवनेश्वर में 22 से 27 मई 2026 तक आयोजित होने वाली द्वितीय माइकल किंडो मेमोरियल ऑल इंडिया महिला हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए हॉकी सिमडेगा, झारखंड की 20 सदस्यीय टीम बुधवार को भुवनेश्वर रवाना हुई। खिलाड़ियों को हॉकी सिमडेगा के मनोज कोनबेगी, पंखरासियुस टोप्पो, कोच तारिणी कुमारी एवं फादर अजीत खलखो ने जीत की शुभकामनाएं देकर विदाई दी। टीम की कप्तानी रीना कुल्लू करेंगी, जबकि सीता कुमारी उपकप्तान होंगी।

टीम में गोलकीपर के रूप में गंगी बरला और सोनाली तिर्की शामिल हैं। डिफेंडर में सीता कुमारी, एस्थर होरो और रेजिना कुल्लू को जगह मिली है। मिडफील्डर में रीना कुल्लू, अनीशा कुल्लू, अनुप्रिया सोरेंग, निपुनता कुल्लू, रितिका लकड़ा और दीपिका होरो शामिल हैं।

फॉरवर्ड लाइन में जमुना कुमारी, सानिया तिर्की, राजमुनी कुमारी, अनुप्रिया एक्का, रेशमा कुमारी, आरती कुमारी और मनीषा मिंज शामिल हैं। टीम के कोच रोहित बेसरा और मैनेजर कुनुल भेंगरा हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

करीब 85 लाख से अधिक डेवलपर्स गूगल एआई मॉडल का कर रहे इस्तेमाल

190 अरब डॉलर का निवेश करेगी कंपनी : पिचाई

- **85 लाख डेवलपर्स कर रहे गूगल एआई मॉडल का इस्तेमाल :** *सुंदर पिचाई ने बताया कि हर महीने 85 लाख से अधिक डेवलपर्स गूगल के एआई मॉडल से ऐप बना रहे हैं।*

- **एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर 190 अरब डॉलर निवेश :** *गूगल इस साल एआई डेटा सेंटर, कस्टम सिलिकॉन और मॉडल ट्रेनिंग पर बड़ा निवेश करेगा।*
- **प्रति मिनट 19 अरब टोकन प्रोसेस कर रहा गूगल :** *कंपनी के मॉडल एपीआई अब हर मिनट करीब 19 अरब टोकन प्रोसेस कर रहे हैं।*
- **एआई ओवरव्यू और एआई मोड की बढ़ी लोकप्रियता :** *एआई ओवरव्यू के 2.5 अरब से अधिक और एआई मोड के 1 अरब से ज्यादा यूजर्स हो गए हैं।*

एजेंसी । नई दिल्ली

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि 85 लाख से अधिक डेवलपर्स हर महीने कंपनी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल का इस्तेमाल कर ऐप बना रहे हैं। पिचाई ने ब्लॉग में कहा कि गूगल इस साल एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर में 190 अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है, जो कि एआई डेटा सेंटर्स, कस्टम सिलिकॉन और मॉडल ट्रेनिंग पर केंद्रित होगा। पिचाई ने आगे कहा कि कंपनी अपने एआई इकोसिस्टम में तेज ग्रोथ देख रही है, और डेवलपर्स, उद्यमों और उपभोक्ताओं के बीच इसकी मांग बढ़ रही है।

गूगल के अनुसार, इसके मॉडल एपीआई अब प्रति मिनट लगभग 19 अरब टोकन प्रोसेस कर रहे हैं, जबकि पिछले वर्ष के दौरान 375 से अधिक गूगल क्लाउड ग्राहकों ने प्रत्येक ने एक ट्रिलियन से अधिक टोकन प्रोसेस किए। गूगल के एआई उत्पादों के बढ़ते उपयोग का जिक्र करते हुए पिचाई ने कहा कि कंपनी के जेमिनी ऐप के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या 900 मिलियन से अधिक हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। एआई-संचालित सर्च को भी जबरदस्त लोकप्रियता मिल रही है, एआई ओवरव्यू के मासिक यूजर्स की संख्या 2.5 अरब से अधिक हो गई है और एआई मोड के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या एक अरब से अधिक हो गई है। कंपनी ने कई नए एआई टूल और अपग्रेड भी पेश किए, जिनमें जेमिनी 3.5 फ्लैश शामिल है, जो कोडिंग और रिल्य वर्ल्ड वर्कफ्लो पर केंद्रित एक तेज एआई मॉडल है और जेमिनी स्पार्क, एक नया व्यक्तिगत एआई एजेंट है जिसे यूजर्स की ओर से कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है। गूगल ने अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में कई अपडेट पेश किए हैं, जिनमें नवीनतम पीढ़ी के टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट (टीपीयू) शामिल हैं, जो बड़े पैमाने पर एआई प्रशिक्षण और अनुमान प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हैं। पिचाई ने कहा कि गूगल अपनी एआई-प्रथम रणनीति के प्रति प्रतिबद्ध है और एआई को कंपनी के मिशन को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सबसे परिवर्तनकारी तकनीक बताया।

भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद

सेंसेक्स 118% उछला

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इस दौरान, सेंसेक्स 117.54 अंकों यानी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,318.39 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 41 अंकों यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,659 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 74,806.49 पर खुलकर 75,406.18 का इंट्रा-डे हाई और 74,529.41 का लो बनाया। वहीं एनएसई निफ्टी 23,457.25 पर खुलकर 23,690.90 का दिन का हाई और 23,397.30 का लो बनाया। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.49 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज की गई।

आंध्र प्रदेश में अदाणी ग्रीन की बड़ी पंप स्टोरेज परियोजना शुरू

अमरावती । अदाणी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी की सहयोगी कंपनी अदाणी हाइड्रो एनर्जी इलेवन लिमिटेड (एएचई11एल) आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में 2,250 मेगावाट का गंडीकोटा-2 पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) विकसित करेगी। बुधवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि राज्य सरकार ने एएचई11एल परियोजना के आवंटन को मंजूरी दे दी है, जिससे भारत के उभरते स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण केंद्र के रूप में राज्य की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है।

मध्य पूर्व संकट के बीच सरकारी कंपनी बीपीसीएल ने रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

अमेरिका और वेनेजुएला से भी आयात जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

मध्य पूर्व संकट के बीच सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ रही है और मौजूद समय में कंपनी के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 41 प्रतिशत पहुंच गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च) में 31 प्रतिशत थी। यह जानकारी कंपनी के डायरेक्टर फाइनेंस वीआरके गुप्ता ने बुधवार को दी।

मीडिया से बातचीत में गुप्ता ने बताया कि मध्य पूर्व में तनाव के चलते कंपनी ने विविध स्रोतों विशेषकर रूस से कच्चे तेल की खरीद को बढ़ाया है। इससे पहले वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर 2025) में कंपनी के आयात बास्केट में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजों के बाद कॉन्फ्रेंस कॉल में गुप्ता ने कहा कि हमने इस वर्ष आठ नए ग्रेड के कच्चे तेल में विविधता लाई है, जो चार भौगोलिक क्षेत्रों को कवर करती है। मैं पक्षकारों को यह भी आश्वस्त करना चाहता हूं कि जुलाई 2026 तक कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली गई है।

इसके अतिरिक्त, गुप्ता ने कहा कि कंपनी रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देशों से भी कच्चे तेल की खरीद कर रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 27 के लिए 25,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च का लक्ष्य रखा है, जो कि वित्त वर्ष 26 में हुए 20,400 करोड़ रुपए से पूंजीगत खर्च से काफी अधिक है। इससे पहले बीपीसीएल ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही के नतीजे जारी किए। मार्च तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 5,624.54 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष में 4,391.83 करोड़ रुपए था। क्रामिक आधार पर कंपनी के मुनाफे में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है और वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 7,188.40 करोड़ रुपए था।

Bharat Petroleum

रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा रही बीपीसीएल: *मध्य पूर्व संकट के बीच बीपीसीएल ने रूस से तेल आयात बढ़ाया।*

बीपीसीएल के आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 41% : *वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में यह हिस्सेदारी 31 प्रतिशत थी।*

बहु-विषयक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एएनआरएफ ने 10 रिसर्च सेंटर्स का किया चयन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत की शीर्ष शोध वित्तपोषण संस्था अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) ने वैज्ञानिक ज्ञान को सामाजिक विज्ञान और मानविकी के साथ गहराई से जोड़ने के उद्देश्य से 10 कन्वर्जेंस रिसर्च सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का चयन किया है। यह जानकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बुधवार को दी। मंत्रालय ने बयान में कहा है कि इस पहल का उद्देश्य ऐसे अग्रणी केंद्र स्थापित करना है जो सामाजिक विज्ञान, मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी को एक साथ लाकर जटिल सामाजिक चुनौतियों का समाधान एकीकृत और बहु-विषयक शोध के जरिए करें। चयनित संस्थानों में आईआईटी गांधीनगर, एनआईएएस बेंगलुरु, आईआईटी मद्रास, एनआईटी अगरतला, आईएचडी दिल्ली, आईआईटी धारवाड़, आईआईएम जम्मू, आईआईटी कानपुर, चाणक्य विश्वविद्यालय और पीएसजीआर कृष्णम्मल कॉलेज फॉर वूमेन शामिल हैं। ये केंद्र पुरातत्व, पारंपरिक ज्ञान प्रणाली, डिजिटल मानविकी, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और कम्प्यूटेशनल इकोनॉमिक्स जैसे विभिन्न विषयों पर काम करेंगे।

भारत के दोपहिया क्षेत्र की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 5 प्रतिशत रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के दोपहिया क्षेत्र की वॉल्यूम ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत तक रहने की उम्मीद है। इसकी वजह जीएसटी कम होना, रिप्लेसमेंट मांग का बढ़ाना है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू दोपहिया वाहनों की थोक वॉल्यूम में अप्रैल में सालाना आधार पर 29.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली थी और इस दौरान यह 1.9 मिलियन यूनिट्स रही। इसकी वजह जीएसटी 2.0 का लागू होना है। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि उच्च आधार प्रभाव, अल नीनो के कारण मानसून के कमजोर पूर्वानुमान, ईंधन की कीमतों में वृद्धि और इनपुट लागत में बढ़ोतरी के कारण आने वाले महीनों में ग्रोथ धीमी हो सकती है।